@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार 18 जून 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 218 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हाथों में जैकेट, गले में शॉल, कनाडा में मोदी का भौकाल

खालिस्तानियों के गढ़ में भारत के प्रधानमंत्री का ये रौद्र रूप...

ओटावा/नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ जहां जी7 देशों का शिकर सम्मेलन कनाडा में हो रहा है। जहां दुनियाभर के बड़े नेताओं का जमावड़ा हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ चरमपंथियों का फेवरेट डिस्टिनेशन बन चुके कनाडा की सड़कों पर खालिस्तानी भारत विरोधी गतिविधियां करते नजर आ रहे हैं। वो पीएम मोदी को धमकी देते और भारत विरोधी रैली निकाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब कनाडा के रॉकीज में स्थित रिसॉर्ट कनानास्किस में जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए कैलगरी में लैंड किया। मोदी का कैलगरी हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त चिन्मय नाइक भी उनका स्वागत करने वालों में शामिल थे। इस दौरान वहां से आई तस्वीरों ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पीएम मोदी जब कनाडा में अपने प्लेन से नीचे उतरते हैं तो उनके हाथों में जैकेट और गले में शॉल नजर आता है। इस दौरान वो उन्हें रिसीव करने आए लोगों से अभिवादन करते नजर आते हैं। खालिस्तानी चरमपंथियों की धमकी और खुलेआम भारत विरोधी रैली के बाद कनाडा की जमीन पर पीएम मोदी का अलग ही स्वैग नजर आता है।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार शाम को यहां पहुंचे और यह एक दशक में मोदी की कनाडा की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री इस दौरान विश्व के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे और ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मोदी ने एक पोस्ट में कहा कि शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कैलगरी पहुंच गया हूं। शिखर सम्मेलन में विभिन्न नेताओं से मुलाकात करूंगा और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा। ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

पीएम मोदी के इस समिट में शामिल होने से जहां एक तरफ पाकिस्तान को एक तरफ मिर्ची लग रही है तो वहीं दूसरी तरफ खालिस्तानी भी बौखला गए हैं। इसलिए उन्होंने पीएम मोदी को धमकी दी है। इतना ही नहीं पीएम मोदी के दौरे के बीच खालिस्तानियों ने रोड शो भी निकाल लिया और जमकर देश विरोधी नारे लगाए। खालिस्तानी चरमपंथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ़ प्रदर्शन करने के लिए अल्बर्टा के कनानास्किस में एकत्र हुए।

कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले, कैलगरी में खालिस्तानी अलगाववादियों के एक समूह ने मोदी विरोधी प्रदर्शन किया, जिसमें कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मोदी राजनीति को खत्म करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत की राजनीति को खत्म करने का आह्वान किया गया। बोर्डमैन ने इस यात्रा को घरेलू राजनीति, व्यापार और देश के चरमपंथ से निपटने के लिए निहितार्थ के साथ एक ÷महत्वपूर्ण÷ विकास के रूप में वर्णित किया। बोर्डमैन ने कहा कि खालिस्तान आंदोलन

भारत-कनाडा संबंधों में एक बड़ी बाधा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा में सक्रिय सिख अलगाववादी समूहों के प्रति कनाडा की नरमी, जिन्हें कथित तौर पर पाकिस्तान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, को भारत द्वारा आतंकवाद और बाल्कनीकरण के समर्थन के रूप में देखा जाता है।

ईरान-इजराइल टकराव तेज़: मोसाद मुयालय पर मिसाइलें

ट्रंप बोले– सिर्फ परमाणु हथियारों का अंत मंजूर

वाशिंगटन(एजेंसी)। तेहरान और तेल अवीव के बीच चल रहे तनाव ने मंगलवार को नया मोड़ ले लिया, जब ईरान ने इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के एक कथित मुख्यालय पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया। इस हमले के तुरंत बाद क्षेत्रभर में हवाई सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया, जबकि इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ़) ने पश्चिमी तेहरान पर पलटवार करते हुए सटीक और लक्षित हमले जारी रखे हैं।

इसी बीच, जी-7 शिखर सम्मेलन से बीच में ही अमेरिका लौटे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन में दो-टूक कहा, कि हम सिर्फ सीज़फायर के लिए बात नहीं कर रहे। हमारा लक्ष्य ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम का पूरी तरह अंत है, इससे कम किसी समझौते पर सहमत नहीं होंगे।

जी-7 के बयान पर ईरान का तीखा पलटवार

जी-7 देशों के संयुक?त वक्तव्य में इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया गया था। ईरान के विदेश मंत्रालय ने इसे पक्षपातपूर्ण और तथ्य-विरोधी बताते हुए कहा कि बयान में हमारे शांतिपूर्ण परमाणु ढाँचे पर इजराइली हमलों और बेगुनाह नागरिकों की हत्या की अनदेखी की गई है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देशों का यह रुख अग्न में घी डालने जैसा है।

ट्रंप ने गबार्ड से असहमति जताई

राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के उस आकलन से असहमति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान को अभी परमाणु बम बनाने में समय लगेगा। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, जब इजराइल ने हाल ही में कार्रवाई की, तब तेहरान बम बनाने के बिलकुल क़रीब था। यह ख़तरा अस्वीकार्य है। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि वाशिंगटन ने अब तक ईरान से किसी सीज़फायर प्रस्ताव पर संपर्क नहीं किया है। अगर उन्हें बात करनी है, तो वे खुद हमसे राब्ता करें। उन्होंने कहा, पहले जो डील पेश की गई थी, उसे मान लेते तो कई जानें बच जातीं।

इलाके में युद्ध जैसा माहौल

तेहरान के पश्चिमी इलाक़े में हमलों के बाद स्थानीय निवासियों ने धमाकों और एंटी-एयरक्राफ्ट सायरनों की आवाज़ें सुनने की पुष्टि की है। सरकारी मीडिया के अनुसार ईरानी सुरक्षा बलों ने अधिकांश इजराइली मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। वहीं दूसरी तरफ इजराइली सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि मोसाद परिसर पर ईरानी मिसाइलों से आंशिक क्षति हुई है, लेकिन गुप्त संचालन बुनियादी ढाँचा सुरक्षित है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का आपात सत्र बुलाने की माँग बढ़ रही है।

ईरान में फंसे 10 हजार भारतीयों को जल्द किया जाएगा एयरलिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बारे में अपने आर्मेनियाई समकक्ष अराराट मिर्जोया से बात की है। वहीं, एक सूत्र ने बताया कि शिराज और इसफहन से छात्रों को याज्द में शिफ्ट किया जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक इंडियन एंबेसी तेहरान में हालात पर पूरी तरह से नजर रखे हुए है। इसके अलावा भारतीय छात्रों की सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है। कुछ मामलों में छात्रों को एंबेसी के सुरक्षित ठिकानों पर रखा जा रहा है। इसके अलावा अन्य जगहों की भी तलाश की जा रहा है। जल्द ही ईरान में फंसे 10 हजार भारतीयों को एयरलिफ्ट किया जा सकता है।

इस बीच भारतीय दूतावास ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर एक गूगल फॉर्म उपलब्ध कराया। सभी भारतीय नागरिकों से इसे भरकर अपना विवरण देने को कहा है। इसमें कहा गया है कि कृपया याद रखें, घबराने की जरूरत नहीं है, सावधानी बरतें और तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क बनाए रखें। दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि कृपया ध्यान दें कि यह टेलीग्राम लिंक केवल उन भारतीय नागरिकों के लिए है, जो वर्तमान में ईरान में हैं। भारतीय दूतावास ने आपात स्थिति के लिए कुछ फोन नंबर भी जारी

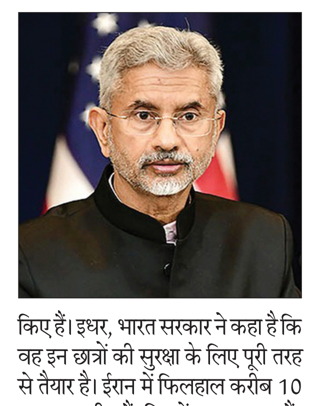

किए हैं। इधर, भारत सरकार ने कहा है कि वह इन छात्रों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। ईरान में फिलहाल करीब 10 हजार भारतीय हैं, जिनमें 6000 छात्र हैं। इसमें से करीब 600 छात्रों को तेहरान से कौम की तरफ रीलोकेट किया जा चुका है। इसके अलावा 110 छात्र उर्मिया से आर्मेनिया सीमा की तरफ जा चुके हैं। इन लोगों को जल्द से जल्द वहां से निकाल लिया जाएगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएई के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जाएद अल नाह्यान से भी बात की है। इन दोनों के बीच पश्चिमी एशिया में हालात को लेकर बात हुई। श्रीनगर से मिली रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की विभिन्न यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई करने वाले कश्मीरी छात्र वहां पर फंसे हुए हैं।

पाकिस्तान की ओर बहती नदियों का पानी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में होगा डायवर्ट

* 113 किमी लंबी नहर बनाकर रोका जाएगा सिंधु का पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 113 किलोमीटर लंबी नहर के निर्माण की संभावना पर गौर कर रहा है, जिससे सिंधु जल का पानी रोककर भारत के 3 राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भेजा जा सके। यह कदम सिंधु जल संधि के तहत भारत के हिस्से के जल का बेहतर इस्तेमाल के लिए उठाया गया है। साल 1960 में यह संधि हुई, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 6 नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज) के पानी के बंटवारे का प्रावधान है। भारत अब पश्चिमी नदियों (झेलम, चिनाब और सिंधु) के अतिरिक्त जल को नहरों के जरिए उपयोगी क्षेत्रों में ले जाना चाहता है, जो फिलहाल पाकिस्तान की ओर बहती हैं।

सूत्रों के अनुसार, यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है। इसकी संभावना को लेकर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस परियोजना के तहत चिनाब को रावी-ब्यास-सतलुज से जोडने़ वाली नई नहर बनाई जाएगी, जिसके अगले तीन वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मध्य प्रदेश में भाजपा प्रशिक्षण सत्र के दौरान अहम बयान दिया था। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में सिंधु का जल राजस्थान के गंगानगर तक नहरों के जरिए पहुंचाया जाएगा, जिससे पाकिस्तान पानी की हर बूंद के लिए तरसेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित नहर को यमुना से जोडने़ का भी प्लान है। इससे नहर की लंबाई 200 किलोमीटर हो सकती है।

हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? : जगदीप धनखड़

पुडुचेरी (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में सवाल किया कि हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।अपने सम्बोधन में धनखड़ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अक्षरशः लागू करने की वकालत की है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत के शिक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगी और इससे देश के विकास को भी गति मिलेगी। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को न लागू करने वाले राज्यों से अपील करते हुए कहा कि वे इसे लागू करें। ये नीति महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय में कहा कि पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के कारण भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। उपराष्ट्रपति ने सवाल किया कि हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि दुनिया में मौजूद कोई भी देश भाषाओं के मामले में भारत की तरह समृद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद में भी सदस्यों को 22 भाषाओं में बोलने की इजाजत है। भारत की भाषाएं समावेशिता का संकेत देती हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हमें गंतव्य को देखना चाहिए, भविष्य को ध्यान में रखना चाहिए और तूफान से उबरना चाहिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को दुनिया की सबसे अच्छी पॉलिसी बताया है। उन्होंने कहा कि ये नीति छात्रों को प्रतिभा और क्षमता का पूरा इस्तेमाल करने के साथ ही आगे बढ़ने और समय का सही इस्तेमाल करने का मौका देती है। उपराष्ट्रपति ने कार्यशालाओं का आयोजन कर के छात्रों को इस नीति के बारे में पूरी तरह से अवगत कराने की भी जरूरत पर जोर दिया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को विश्व शांति की स्थापना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए शांति आवश्यक है। यह मजबूत स्थिति से आती है। पुडुचेरी में उपराष्ट्रपति ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर) के छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया।

मंगलवार को एक विमान की आपात लैंडिंग, एक उड़ान बीच में ही रद्द

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से लगातार विभिन्न विमानों में तकनीकी दिक्कतों की बात सामने आ रही है। मंगलवार को भी इंजन में खराबी के चलते एक उड़ान को बीच में ही रद्द करना पड़ा तो वहीं एक अन्य विमान की बम की धमकी के बाद आपात लैंडिंग कराई गई। एयर इंडिया के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रहे विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे पर उसके निर्धारित ठहराव के दौरान सभी यात्रियों को विमान से उतार लिया गया। सूत्रों के अनुसार उड़ान संख्या एआई 180 कोलकाता हवाई अड्डे पर रात पौने एक बजे पहुंची।

इसे दो बजे वापस मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी लेकिन विमान के बाएं इंजन में तकनीकी खराबी के चलते इसकी उड़ान को रद्द कर दिया गया और सुबह 5.20 बजे विमान से सभी यात्रियों को उतार लिया गया। यात्रियों को बार-बार थोड़ी देर में उड़ान भरने का आश्वासन दिया जाता रहा लेकिन आखिर में उड़ान को रद्द करना पड़ा। इसके बाद हवाई अड्डे पर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने किसी अन्य उड़ान से जल्द से जल्द मुंबई भिजवाने की मांग की। आखिर में मुंबई की अधिकांश फ्लाइट पहले से भरी होने के चलते यात्रियों को होटल में रुकने के लिए राजी किया गया। वहीं, एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जाने वाली उड़ान को मंगलवार को परिचालन संबंधी दिक्कतों का हवाला देते हुए रद्द कर दिया गया। एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई। एयर इंडिया ने विमान हादसे के बाद सोमवार को ही अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान बहाल की थी। पहले इस उड़ान का कोड एआई-171 था जिसे हादसे के बाद बदलकर एआई-159 कर दिया गया है।

वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार दोपहर तीन बजे लंदन के लिए निर्धारित उड़ान को परिचालन संबंधी दिक्कतों के चलते रद्द कर दिया गया है। हालांकि अधिकारियों ने परिचालन संबंधी समस्याओं के बारे में विस्तार से नहीं बताया। बम की धमकी के बाद नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2706 को बम की धमकी मिलने के बाद मंगलवार को नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। विमान मस्कट से कोच्चि होते हुए दिल्ली जा रहा था। कोच्चि से उड़ान भरने के बाद बम की धमकी मिलने पर विमान की नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई।

पुलिस उपायुक्त लोहित मतानी ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान की शुरुआती जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। आगे की जांच जारी है। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे द्वारा जारी बयान के अनुसार उनकी आधिकारिक ईमेल पर बम की धमकी दी गई थी। विमान में 157 यात्री व 6 क्रू सदस्य सवार थे। वायु विक्षोभ के बीच लखनऊ में सुरक्षित उतरा विमान इंडिगो के गोवा से लखनऊ जा रहे विमान को वायु विक्षोभ के बीच लखनऊ पर सुरक्षित उतार लिया गया। एयरलाइन ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि 16 जून को उत्तर गोवा से लखनऊ तक इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 6811 को पश्चिमी भारत में सक्रिय मानसून के कारण कुछ देर के लिए वायुमंडलीय

विक्षोभ का सामना करना पड़ा। उसने कहा कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित विमान के पायलट और चालक दल ने स्थापित प्रोटोकॉल का पालन किया।

भारत की जीडीपी 2025 में 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान - एचएसबीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एचएसबीसी ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि भारत इस साल की तीसरी तिमाही में वैश्विक स्तर पर निवेश के लिए एक उज्ज्वल स्थान बना रहेगा, जिसे मजबूत घरेलू उपभोग, अनुकूल व्यापार गतिशीलता और सहायक मौद्रिक नीति का समर्थन प्राप्त है। साथ ही, भारत की जीडीपी 2025 में 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिससे यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन जाएगी। एचएसबीसी ने अपने लेटेस्ट इंवेस्टमेंट आउटलुक में कहा कि वह भारतीय इक्विटी और स्थानीय मुद्रा बॉन्ड पर सकारात्मक रुख बनाए रखता है। एचएसबीसी ने अपने लेटेस्ट इंवेस्टमेंट आउटलुक में कहा कि वह भारतीय इक्विटी और स्थानीय मुद्रा बॉन्ड पर सकारात्मक रुख बनाए रखता है। इक्विटी में यह लार्ज–कैप स्टॉक को प्राथमिकता देता है। साथ ही, अधिक घरेलू क्षेत्रों जैसे वित्तीय, स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'मजबूत घरेलू उपभोग, अनुकूल व्यापार गतिशीलता और अकोमोडेटिव मौद्रिक नीति द्वारा समर्थित भारत की आर्थिक मजबूती 2025 की दूसरी छमाही के लिए एक आशाजनक मंच तैयार करती है।'

सपा प्रमुख अखिलेश का विधानसभा चुनाव पर बड़ा ऐलान

-2027 में इंडिया गठबंधन लड़ेगा यूपी चुनाव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ(ईएमएस)। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा। इमरान मसूद के बयान पर उन्होंने कहा कि हम इंडिया गठबंधन में हैं। जिसे बाहर जाना है, चला जाए। इमरान मसूद ने कहा था कि आजम खान की बर्बादी पर अखिलेश की जुबां क्यों नहीं खुलती। 2022 में मुसलमानों ने सपा को एकतरफा वोट दिया। फिर भी आप सरकार नहीं बना पाए। सपा प्रमुख ने कहा कि बीजेपी सरकार मंडी नहीं चलाएगी, आपको ऑर्गेनिक वाइन पिलाएगी। आम पर नहीं वाइन पर ध्यान देगी। इनका एजेंडा नौकरी, कारोबार नहीं लोगों को डराना है। बीजेपी के प्रोपेगंडा का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। ये लोग फर्जी न्यूज बनाकर बदनाम कर सकते हैं। गुजरात के अहमदाबाद में प्लेन क्रैश की इतना बड़ा हादसा हो गया। मगर किसी जिम्मेदार ने इस्तीफा नहीं दिया। बीजेपी, आरएसएस के वाट्सएप ग्रुप के जरिए लोगों को भ्रमित कर रही है। पीडीए इमोशनल गठबंधन है। पी फॉर पसमांदा समाज भी हमारे साथ है। सपा प्रमुख ने यह बातें लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का ऐतिहासिक कायाकल्प हुआ है : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले दशकों तक रेलवे उपेक्षा का शिकार रहा, जहां मात्र रु. 25–30 हजार करोड़ का वार्षिक निवेश होता था। लेकिन अब यह निवेश बढ़कर रु. 2.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास को रफ्तार दे रहा है। वैष्णव ने कहा, रेलवे में वर्षों से जमा हुई लेगेसी समस्याएं अब एक–एक कर समाप्त हो रही हैं। स्टेशन, ट्रेन, शौचालय, ट्रैक, सफाई, तकनीक—हर क्षेत्र में व्यापक सुधार किया गया है। यात्रियों को नई सुविधाएं दी जा रही हैं और इंडस्ट्री के साथ मिलकर एकीकृत विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। वैष्णव ने हरियाणा के मानेसर में मारुति प्लांट में रेलवे साइडिंग सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां गिनायी।

मौसम विभाग की देश के 14 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदला है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान देश के 14 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी दे दी है। मौसम विभाग ने बताया कि 18 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना, कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है। अलग–अलग स्थानों पर गरज, बिजली और 40–50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। वहीं 18 से 20 जून के दौरान गुजरात, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गरज के साथ बारिश के आसार हैं। इस दौरान 30–40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। वहीं अगले 24 घंटे के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, बिहार, झारखंड, ओडिशा में आंधी–तूफान के साथ बारिश की संभावना है। वहीं, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है। 21 और 22 जून को जम्मू–कश्मीर, लद्दाख–गिलगित–बाल्टिस्तान–मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार तक दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। साथ ही 50–60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली–एनसीआर में आज भी आसमान में बादल छाए हुए हैं। आज शाम तक हल्की बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी ~ केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, सिक्किम, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश हैं।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये में हॉट एयर बैलून दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत, 19 पर्यटक घायल

अंकारा, एजेंसी। मध्य तुर्किये में रविवार को दो हॉट एयर बैलून दुर्घटनाएं हुईं। एक हादसे में हॉट एयर बैलून के पायलट की मौत हो गई और 19 इंडोनेशियाई पर्यटक घायल हो गए। एक अन्य हादसे में 12 भारतीय पर्यटक मामूली रूप से घायल हो गए। सरकारी अनादोलु एजेंसी के अनुसार, इल्हारा घाटी के उसी स्थान से उड़ान भरने वाले एक अन्य हॉट एयर बैलून ने भी रविवार सुबह आपात लैंडिंग की। इसमें 12 भारतीय पर्यटक मामूली रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। गवर्नर के कार्यालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार, दोनों बैलून हवा में अचनाक बदलाव के कारण प्रभावित हुए थे। अक्सराय के गवर्नर मेहमत अली कुम्बुजोग्लू ने बताया कि पहली घटना में गुब्बारा अक्सराय प्रांत के गोज्लुकुयू गांव के पास तेजी से उतरने का प्रयास कर रहा था। तभी पायलट गुब्बारे की टोकरी से बाहर गिर गया और उसके पैर रस्सी में उलझ गए। उन्होंने कहा, दुर्भाग्यवश हमारा पायलट टोकरी के नीचे फंस गया और उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घायल पर्यटकों को अस्पताल ले जाया गया है।

ईरान के साथ खड़ा है पाकिस्तान : शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात कर एकजुटता जताई। उन्होंने इस्राइल के हमले को स्पष्ट तौर पर उकसावे का कृत्य बताया। शरीफ ने शनिवार को पेजेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत में ईरान के खिलाफ इस्राइल के हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हमला ईरान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अंतराष्ट्रीय कानून का पूर्ण उल्लंघन है। शरीफ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, आज ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियन से बात की। इस्राइल के अकारण हमले के सामने ईरान के लोगों के साथ पाकिस्तान की अटूट एकजुटता व्यक्त की।

ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई 6 की चीफ बनीं ब्लेस मेट्रेवेली

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई6 के प्रमुख के पद पर ब्लेस मेट्रेवेली की नियुक्ति हुई है। इस पद पर पहुंचने वाली ब्लेस पहली महिला अधिकारी हैं। 47 वर्षीय मेट्रेवेली, इससे पहले एमआई6 की तकनीकी शाखा की प्रमुख थीं, उन्हें कोड नेम क्यू से भी जाना जाता है। मेट्रेवेली ने साल 1999 में एमआई6 में काम शुरू किया था और अपने करियर के अधिकतर समय वे ऑपरेशनल भूमिकाओं में पश्चिम एशिया और यूरोप में तैनात रही हैं। एमआई6 के मौजूदा प्रमुख रिचर्ड मूर अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा कर जल्द ही रिटायर होने वाले हैं। मेट्रेवेली की सबसे बड़ी चुनौती रूस, चीन और ईरान से निपटने की होगी।

मिनेसोटा में गोलीबारी का आरोपी पकड़ा गया

मिनेसोटा , एजेंसी। मिनेसोटा में हाल ही में दो राज्य विधायकों पर गोली चलाने वाला आरोपी पकड़ा गया है। आरोपी वेंस बोएलटर को रविवार शाम को गिरफ्तार किया गया। हालांकि जांच एजेंसियों ने गिरफ्तारी को लेकर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। बोएलटर पर मिनेसोटा की पूर्व डेमोक्रेटिक स्पीकर मेलिसा होर्टमैन और उनके पति मार्क पर शनिवार को गोली मारने का आरोप है। इस हमले में दोनों की मौत हो गई थी। इसके बाद बोएलटर ने स्टेट सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी पर भी गोली चलाई थी। दोनों घायल हैं। पुलिस ने आरोपी को मिनेसोटा में अपने घर से कुछ मील दूर ही पकड़ा। पुलिस ने आरोपी पर 50 हजार डॉलर का इनाम घोषित किया था।

इजरायल और ईरान में किसकी सेना ज्यादा ताकतवर, रक्षा बजट में बड़ा अंतर

येरूशलम, एजेंसी। ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष अब और घातक होने की आशंका है। एक ओर जहां इजरायल लगातार अभियान जारी रखने की बात कर रहा है। वहीं, खबरें हैं कि ईरान ने साफ कर दिया है कि जवाबी कार्रवाई से पहले उसकी तरफ से कोई सीजफायर नहीं किया जाएगा। शुक्रवार को इजरायल ने ईरान में कई ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इजरायल ने ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए शुक्रवार को 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया था। इस हमले में ईरान के प्रमुख सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई। ईरान ने इजरायल पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल से जवाबी हमले किए हैं। दोनों देशों के बीच संघर्ष के चौथे दिन तेल अवीव में सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं जो संभवत : इजरायल की रक्षा प्रणाली द्वारा ईरान के मिसाइल हमलों को नाकाम करने की थी। मध्य इजरायल के शहर पेटाह टिकवा के अधिकारियों ने बताया कि ईरानी मिसाइलों ने एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया जिससे दीवारें जलकर खाक हो गईं, खिड़कियों के शीशे टूट गए और कई अपार्टमेंट को भारी नुकसान हुआ। बचाव दल घटनास्थलों पर मौजूद हैं, हालांकि हताहतों की संख्या के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इजराइल का अब ईरान के विदेश मंत्रालय पर अटैक : अब तक 224 की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच चौथे दिन भी लड़ाई जारी है। इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इससे एक दिन पहले इजराइली सेना ने ईरानी रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में अब तक 224 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। ईरान ने भी इजराइल पर पलटवार किया है। ईरान ने सोमवार सुबह सेंट्रल इजराइल में 4 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 घायल हुए। अब तक इजराइल में ईरानी हमलों में 20 लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 500 घायल हुए हैं।

तेल अवीव की सड़कों पर भी खौफ, इजरायल के जवाब में ईरान के भी ताबड़तोड़ हमले : इजरायल ने बीते सप्ताह ईरान पर ताबड़तोड़ हमले किए थे। तड़के 3 बजे ही इजरायली मिसाइलें ईरान के परमाणु ठिकानों पर बरसीं और सेना प्रमुख समेत 20 टॉप सैन्य कमांडरों को मार डाला गया। इन हमलों के बाद इजरायल को लगा होगा कि शायद इससे ईरान दहशत में होगा और मजबूत जवाब नहीं दे सकेगा। लेकिन अब तक के हालात से अंदाजा लग रहा है कि शायद इजरायल गलत था। ईरान की भले ही टॉप मिलिट्री लीडरशिप हमले में मारी गई, लेकिन वह जल्दी ही उससे उबरता दिखा है। उसने रविवार रात को इजरायल पर जमकर हमले बोले। यहां तक कि इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर भी मिसाइलें बरसी हैं।

सोमवार सुबह तेल अवीव में बसे इजरायली उठे तो चारों तरफ मलबा था। कई इमारतें जमींदोज हो गई। चारों तरफ लोग खौफ में दिख रहे हैं और सुरक्षित ठिकानों की तलाश में हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक तेल अवीव में ही ईरान की 4 बलिस्टिक मिसाइलें गिरी हैं। बंकर में छिपी एक महिला ने बताया कि उसने नीचे से ही धमाकों की आवाज महसूस की। यह बहुत तेज थी और मिसाइलों के हमले के चलते इमारतें पल भर में धराशायी हो गईं। महिला ने बताया कि सुबह होने पर जब हम बाहर निकले तो डर रहे थे। हर कोई खौफ में था। यहां तक कि हम मलबे के बीच से होते हुए गुजरे तो लोगों ने नाक बंद कर रखी थी। इसकी वजह यह थी कि हमें डर था कि कहीं हम सांस लेते हुए बारूद ही न अंदर ले जाएं।

करीब 10 इजरायलियों को अस्पताल ले जाया गया है और 4 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा कई इमारतें गिरी हैं। इजरायलियों के घायल या हताहत होने की संख्या बढ़ सकती थी, लेकिन पहले से ही सतर्क यहूदी मुल्क के ज्यादातर लोग बंकरों में छिपे रहे या फिर सुरक्षित ठिकानों में बने रहे। सोमवार को सुबह बड़ी संख्या में तेल अवीव की सड़कों पर खौफजदा इजरायली यह देखने के लिए निकले कि आखिर ईरान के हमलों से कितना नुकसान हुआ है। रात भर हुए ईरानी हमलों में 4 लोगों की मौत की खबर है। बीते 4 दिनों से जारी जंग में ईरानी हमलों में कुल 17 इजरायली मारे गए हैं। एक्सपर्ट बोले- इजरायल ने ईरान को कम आंकने की भूल की मिडल ईस्ट के मामलों की जानकार त्रिता पारसी का कहना है कि इजरायल ने ईरान की क्षमता को कम आंका था। उन्हें शायद अंदाजा नहीं था कि भीषण हमले के बाद भी ईरान इस तरह से उठ खड़ा होगा। क्विंसी इंस्टिट्यूट की वाइस प्रेसिडेंट पारसी ने कहा कि इजरायलियों को लगा था कि वे अपने हमले से ईरान की कमांड को खत्म कर देंगे। उन्हें इस बात का अनुमान नहीं था कि ईरान इतनी मजबूती के साथ फिर से खड़ा होगा और जवाब देगा। उन्होंने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि ईरानी मिसाइलें इजरायल के अंदर घुसकर हमले कर रही हैं। उन्हें रोकने में इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम कमजोर दिख रहा है।

अगर ईरान पर परमाणु हमला हुआ तो इस्राइल पर परमाणु बम बरसाएगा पाकिस्तान, शीर्ष अधिकारी का दावा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के सैन्य बलों के एक शीर्ष अधिकारी ने दावा किया है कि अगर इस्राइल ईरान पर परमाणु हमला करता है तो पाकिस्तान उस पर परमाणु बम बरसाएगा। जनरल मोहसेन रेजा की यह टिप्पणी ईरान के सरकारी टेलीविजन पर एक साक्षात्कार के दौरान आई। बीते कुछ दिनों से ईरान और इस्राइल एक-दूसरे पर मिसाइल हमले कर रहे हैं।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी और ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्य रेजाई ने कहा, पाकिस्तान ने हमें आश्वासन दिया है कि अगर इस्राइल ईरान पर परमाणु बम का इस्तेमाल करता है, तो वे इस्राइल पर परमाणु बम से हमला करेंगे। परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान आईसीएएन के मुताबिक, इस्राइल और पाकिस्तान उन नौ देशों में शामिल हैं, जिनके पास वर्तमान में परमाणु हथियार हैं। पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने का वादा किया रेजाई ने आगे कहा कि पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने का वादा किया है। उन्होंने मुस्लिम देशों को एकजुट होने का आह्वान भी किया। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के पास छिपी हुई क्षमताएं हैं, जिन्हें अभी तक उजागर नहीं किया गया है। पाकिस्तान की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं इस्राइल के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर पाकिस्तान की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है, लेकिन उसने इस्राइल के खिलाफ लड़ाई में ईरान का समर्थन किया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पिछले सप्ताह कहा था कि हम हर तरह से ईरान के साथ खड़े हैं। हम ईरानी हितों की रक्षा करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने किया समझौते का दावा इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वह पश्चिम एशिया में दो युद्धरत देशों के बीच एक समझौते पर काम करने की कोशिश कर रहे हैं।

यूक्रेन जंग में उ कोरिया का नुकसान, गंवाए हजारों सैनिक; पुतिन-किम जोंग की दोस्ती पर आएगी आंच?

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग में उत्तर कोरिया की एंट्री ने सबका ध्यान खींचा था। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने दोस्त पुतिन की मदद के लिए हजारों उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस की ओर से लड़ने के लिए भेजा था। अब हाल ही में यह खबर सामने आई है कि उत्तर कोरिया को जंग में भारी नुकसान पहुंचा है। ब्रिटिश डिफेंस इंटेलीजेंस ने हाल ही में दावा किया है कि यूक्रेन में रूसी सेना की ओर से लड़ रहे हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक हताहत हुए हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस यूक्रेन जंग में कम से कम 6000 उत्तर कोरियाई सैनिक या तो मारे गए हैं, या इनमें से कुछ मारे गए और कुछ घायल हुए हैं। बता दें कि किम जोंग अब तक अपने 11 हजार से ज्यादा सैनिकों को रूस भेज चुके हैं। इनमें से आधे सैनिकों के हताहत की होना किम जोंग के लिए अच्छी खबर नहीं है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह आंकड़े साझा किए हैं। इस दौरान यह भी कहा गया है कि किम जोंग ने हाल ही में अन्य सैनिकों को भी रूस भेजा है। बताया गया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को सबसे ज्यादा नुकसान कुर्स्क के रूसी ओब्लास्ट में हुआ है।

ग्रीनलैंड को बेचा या छीना नहीं जा सकता, ट्रंप की मंशा पर फ्रांस के राष्ट्रपति की दो टूक

नूक (ग्रीनलैंड) , एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जी7 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए कनाडा जाने से पहले ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंचे। जहां उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने की इच्छा पर दो टूक जवाब दिया। राष्ट्रपति मैक्रों ने जोर देते हुए कहा कि ग्रीनलैंड को ना ही बेचा जा सकता है और न ही छीना जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीधी बात ये है कि फ्रांस और यूरोपीय संघ के सभी लोग मानते हैं कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है और इसे कोई जबरन नहीं ले सकता। मैक्रों के इस बयान को स्थानीय लोगों ने तालियों से स्वागत किया।

बता दें कि जी7 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने से पहले ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंचे मैक्रों का डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने जोरदार स्वागत किया। फ्रांस और यूरोप के ग्रीनलैंड के साथ होने पर जोर राष्ट्रपति मैक्रों ने आगे कहा कि ग्रीनलैंड की स्थिति यूरोप के लिए एक चेतावनी है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि आप अकेले नहीं हैं। फ्रांस और यूरोप आपके साथ हैं। इसके साथ ही जब मैक्रों से पूछा गया कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप ग्रीनलैंड पर सैन्य कब्जा करने की कोशिश करें तो क्या फ्रांस मदद करेगा? तो इस बात के जवाब में

मैक्रों ने इस सवाल से बचते हुए कहा कि मैं सार्वजनिक रूप से इस तरह के काल्पनिक सवालों पर टिप्पणी नहीं करूंगा, क्योंकि मैं नहीं मानता कि हमारा मित्र और सहयोगी अमेरिका किसी दूसरे सहयोगी के खिलाफ आक्रामक कदम उठाएगा। देखा जाए तो इस बयान के जरिए मैक्रों ने अमेरिका को स्पष्ट संकेत दिया है कि यूरोप ग्रीनलैंड को लेकर किसी भी दबाव या दखलअंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। यूरोप में मैक्रों की भूमिका फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल के महीनों में यूरोपीय संघ में फ्रांस की भूमिका को मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। उन्होंने खुद को यूरोप के नेता के तौर पर पेश किया है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन को दिए जा रहे समर्थन पर सवाल उठा रहे हैं। मैक्रों ने हाल ही में पेरिस में एक सम्मेलन बुलाया जिसमें कई यूरोपीय देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में यूक्रेन संकट और यूरोप की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। मैक्रों का ग्रीनलैंड को लेकर संकेत ग्रीनलैंड की यात्रा के दौरान रविवार को मैक्रों से डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने एक डेनिश हेलिकॉप्टर कैरियर पर मुलाकात की। यह बैठक इस बात का संकेत थी कि फ्रांस आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। इसके बाद तीनों नेता तेजी से पिघल रहे एक ग्लेशियर पर भी गए। वहां उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखा और साथ ही आर्थिक विकास, कम-कार्बन ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों पर चर्चा की।

अमेरिका में आसिम मुनीर के खिलाफ जुटे पाकिस्तानी, किया प्रदर्शन

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर आखिर कहां हैं? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि शुरुआत में खबरें थीं कि अमेरिकी सेना के स्थापना दिवस पर निकलने वाली परेड में उन्हें भी आमंत्रित किया गया है। इस पर विवाद बढ़ा तो अमेरिका ने ही आगे आकर सफाई दी कि आसिम मुनीर ही नहीं बल्कि किसी भी विदेशी शख्सियत को इस कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया है। फिर भी वॉशिंगटन स्थित अमेरिकी दूतावास के बाहर बड़ी संख्या में पाकिस्तानी प्रवासी जुट गए। ये लोग अमेरिका के कोने-कोने से आए थे और आसिम मुनीर के खिलाफ नारेबाजी करते दिखे। बड़ी संख्या में दूतावास के बाहर जुटे पाकिस्तानी मूल के ये लोग इमरान खान के समर्थक थे, जो फिलहाल जेल में बंद हैं। उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में रखा गया है, जबकि इमरान खान के समर्थक मानते हैं कि शहबाज शरीफ की सरकार और सेना के चलते ऐसा हुआ है। इसी के चलते इमरान खान के समर्थक सेना का भी तीखा विरोध करते रहे हैं। रविवार को भी ऐसा ही नजारा दिखा, जब आसिम मुनीर के खिलाफ नारे लगे और प्रदर्शनकारियों ने उन्हें बाहर निकलने की

चुनौती दी। इन लोगों का कहना था कि आसिम मुनीर अमेरिका में ही हैं। यही नहीं एक प्रदर्शनकारी ने तो यहां तक कहा कि आसिम मुनीर को कहां छिपा रखा है। उन्हें बाहर भेजो।

आसिम मुनीर को कहां छिपाया? दूतावास के बाहर खूब नारे : इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थकों ने कुछ बैनर और तख्तियां भी इस दौरान लहराए। इनमें लिखा था- पाकिस्तानी दूतावास ने आसिम मुनीर को कहां छिपाया है? इसके अलावा एक तख्ती में आसिम मुनीर को पाकिस्तान में संविधान का उल्लंघन करने वाला, जनादेश चुराने वाला और मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताया गया। यही नहीं इस दौरान एक डिजिटल वैन भी इमरान खान के समर्थकों ने दूतावास के बाहर खड़ी कर दी थी।

'इस्लामाबाद का कसाई' बताते हुए जमकर नारेबाजी : इसमें वीडियो और पोस्टर दिखाए गए, जिसमें आसिम मुनीर को इस्लामाबाद का कसाई बताया गया। पाकिस्तानियों के इस प्रदर्शन के बाद से फिर चर्चा शुरू हो गई है कि शायद आसिम मुनीर अमेरिका में ही हैं, लेकिन उन्होंने आर्मी डे परेड में हिस्सा नहीं लिया। फिलहाल पाकिस्तान की सरकार की ओर से भी आसिम मुनीर को लेकर कुछ नहीं कहा गया है।

ट्रंप को मारना चाहता था ईरान, मानता है दुश्मन नंबर वन, इस्राइली पीएम का चौंकाने वाला दावा

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान की सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारना चाहती थी। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की सरकार डोनाल्ड ट्रंप को अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए खतरा मानती है और सक्रिय रूप से ट्रंप को खत्म करना चाहती थी।

नेतन्याहू ने बताया ट्रंप को दुश्मन क्यों मानता है ईरान : एक अमेरिकी न्यूज चैनल के साथ बातचीत में नेतन्याहू ने कहा कि वे (ईरान सरकार) उन्हें (ट्रंप) मारना चाहते हैं। वे उनके नंबर वन दुश्मन हैं। ट्रंप एक निर्णायक नेता हैं, जिन्होंने दूसरों की तरह ईरान के साथ मोलभाव का रास्ता नहीं चुना। यह असल में कमजोरी की बात है, जिसने ईरान को यूरेनियम संवर्धन के रास्ते पर डाला। इसका मतलब है कि यह परमाणु बम बनाने और ईरान को अरबों डॉलर देने का रास्ता है।

नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप ने ईरान के साथ फर्जी समझौते को खत्म कर दिया। उन्होंने कासिम सुलेमानी को मारा। ट्रंप इस बात को लेकर साफ हैं कि आप (ईरान) परमाणु हथियार नहीं रख सकते और यूरेनियम संवर्धन नहीं कर सकते। यही वजह है कि ईरान, ट्रंप को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है। हमारे अस्तित्व पर खतरा, हमारे पास कोई और रास्ता नहीं था ईरान पर हमले की वजह बताते हुए इस्राइली पीएम ने कहा कि हमारा देश परमाणु

तबाही के खतरे का सामना कर रहा है और हमारे पास हमला करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था। नेतन्याहू ने कहा कि हमारे अस्तित्व पर खतरा है। ईरान यूरेनियम संवर्धन कर तेजी से परमाणु बम बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा था और उसकी मंशा हमारी तबाही है। दूसरा ईरान तेजी से बैलिस्टिक मिसाइल के जखीरे में बढ़ोतरी कर रहा है और अगले एक साल में 3600 और अगले तीन साल में 10 हजार बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की तरफ बढ़ रहा है। हर मिसाइल का वजन करीब एक टन है। इतना ही नहीं अगले 26 साल में ईरान 20 हजार मिसाइल बनाना चाहता है। कोई भी देश इतनी बड़ी संख्या में मिसाइल हमलों को नहीं झेल सकता और खासकर इस्राइल जैसा छोटा देश तो बिल्कुल भी नहीं। इसलिए हमें कार्रवाई करनी ही थी।

अमेरिका में नो किंग्स रैली, गोलीबारी में 1 की मौत : मिलिट्री परेड के दौरान ट्रम्प का विरोध कर रहे थे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के साल्ट लेक सिटी में नो किंग्स नाम के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हो गई। प्रदर्शन में शामिल एक शख्स ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने की कोशिश कर रहे व्यक्ति पर हमला कर दिया। इससे राइफल लेकर खड़ा व्यक्ति और एक राहगीर दोनों घायल हो गए। बाद में अस्पताल में राहगीर की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि हमला करने वाले 24 साल के युवक का नाम आर्टुरो गैंबोआ है। उसे शनिवार शाम हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। गोली लगने से घायल हुए राहगीर की पहचान 39 साल आर्थर फोलासा आह लू के रूप में हुई, जिनकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। साल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटना की जानकारी दी। दरअसल, वाशिंगटन में शनिवार को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर मिलिट्री परेड का आयोजन किया गया था। इस बीच, ट्रम्प के विरोध में पूरे अमेरिका में लगभग 2 हजार जगहों पर नो किंग्स (यानी अमेरिका का कोई राजा नहीं है) विरोध प्रदर्शन हुए।

34 साल बाद इतने बड़े पैमाने पर आयोजन : वाशिंगटन में 34 साल बाद इतने बड़े पैमाने पर मिलिट्री परेड का आयोजन हुआ। इससे पहले 1991 में ऐसा आयोजन हुआ था। इस परेड में टैंक, 6,700 सैनिक, 128 वाहन, 62 विमान शामिल हुए। इसके अलावा ड्रोन, रोबोटिक डॉग भी शामिल हुए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस परेड को अमेरिकी ताकत और सैनिकों के बलिदान का प्रतीक बताया। परेड का समापन आतिशबाजी और ट्रम्प के भाषण के साथ हुआ। इस आयोजन में करीब

25 से 45 मिलियन डॉलर (21-38 करोड़) खर्च हुए हैं। परेड कॉन्स्टिट्यूशन एवेन्यू पर हुई, जिसमें सैनिकों ने ऐतिहासिक वर्दी में मार्च किया और विश्व युद्धों से लेकर आधुनिक युद्ध तक के हथियारों का प्रदर्शन किया गया। ट्रम्प, प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प, और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने विशेष मंच से परेड देखी। इस दिन ट्रम्प का 79 जन्मदिन भी था। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ट्रम्प को जन्मदिन की बधाई दी और अपनी शादी की सालगिरह का जिक्र किया।

अमेरिका के 50 राज्यों में एक साथ विरोध प्रदर्शन : पूरे अमेरिका में 14 जून को नो किंग्स नामक विरोध प्रदर्शन हुए। इस आंदोलन में लोगों ने ट्रम्प की नीतियों और तानाशाही रवैये का विरोध किया। इस आंदोलन का नाम 50 स्टेट्स, 50 प्रोटेस्टर्स, वन मूवमेंट से प्रेरित था, जिसका मतलब है कि अमेरिका के 50 राज्यों में एक साथ विरोध प्रदर्शन। इस समूह का कहना है- अमेरिका सिर्फ ट्रम्प का नहीं, बल्कि सभी अमेरिकियों का है। इस प्रदर्शन में करीब 2,000 शहरों और कस्बों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए, जिनमें लोगों ने झंडे लहराए, भाषण दिए और नारे लगाए गए। फिलाडेल्फिया में सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ। हालांकि वाशिंगटन में कोई बड़ा विरोध नहीं हुआ।

साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए केंद्र से 63.60 करोड़ अनुरोध

कौमी पत्रिका

देहरादून, 17 जून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से भेंट कर राज्य के समग्र विकास से जु? विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ब?ती चुनौतियों के दृष्टिगत केंद्रीय गृह मंत्री से देहरादून में साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए 63.60 करोड़ रुपये की धनराशि की स्वीकृति का अनुरोध किया। यह सेंटर डिजिटल अपराधों की रोकथाम, विशेषज्ञ प्रशिक्षण, साइबर फोरेंसिक और आधुनिक संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को राज्य की विद्युत अधोसंरचना को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति पर चर्चा करते हुए अवगत कराया कि छोटे हिमालयी राज्यों की भौगोलिक विषमताओं को ध्यान में रखते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण परिसंपत्तियों को एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के तहत क्षतिपूर्ति के दायरे में लाया जाए। इससे राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र और अधिक प्रभावी व सशक्त होगा। मुख्यमंत्री ने सितारगंज केंद्रीय कारागार के विस्तार के प्रस्ताव पर 150.16 करो? रुपये की लागत से शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित उत्तराखण्ड ग्लोबल इनवेस्टर समिट–2023 का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य ने 3.50 लाख करो? रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस उपलब्धि को राज्य के लिए गर्व का विषय बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया कि इसे उत्सव के रूप में मनाते हुए 'उत्तराखण्ड निवेश उत्सव' का आयोजन प्रस्तावित है, जिसे पंतनगर–रुद्रपुर के औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री के सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्यवाहा का आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'नए भारत' की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार का निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग राज्य के विकास को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

विदेश में नौकरी की चाहत रखने वाले युवाओं को एजेंटों को पैसे नहीं देने होंगे: सीएम सुखू

कौमी पत्रिका

शिमला, 17 जून। विदेश में रोजगार के लिए हिमाचल प्रदेश अधिकृत सरकारी भर्तीकर्ता बन गया है। राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश के लोगों को विदेशों में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, विदेश मंत्रालय ने आज हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एचपीएसईडीसी) को भर्ती एजेंट लाइसेंस (आरएएल) प्रदान किया है। यह लाइसेंस निगम को भर्ती गतिविधियां शुरू करने के लिए आधिकारिक रूप से

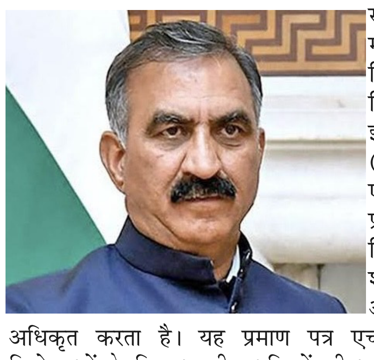

अधिकृत करता है। यह प्रमाण पत्र एचपीएसईडीसी को विदेशी नियोक्ताओं के लिए भारतीय श्रमिकों की भर्ती करने का अधिकार देता है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश अब उन अग्रणी भारतीय राज्यों में शामिल हो गया है जो निजी लाइसेंस धारकों पर निर्भर रहने के बजाय सरकारी स्तर पर विदेशों में रोजगार की सुविधा प्रदान करते हैं। इस कदम से नौकरी चाहने वालों को गुमराह होने और विदेश में रोजगार की तलाश में एजेंटों को मोटी रकम देने से रोकने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि सरकार द्वारा उन्हें विदेशों में वास्तविक रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं।

हरियाणा में एआई और स्वच्छ वायु परियोजनाओं के लिए नए पद सृजित

चंडीगढ़, 17 जून–हरियाणा सरकार ने हरियाणा एआई विकास परियोजना (एचएआईडीपी) और सतत विकास हेतु हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना (एचसीएपीएसडी) के अलावा, अन्य बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं हेतु स्पेशल पपर्ज व्हीकल (एसपीवी) के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के दो नए पद सृजित किए हैं। आईएएस अधिकारी श्री जे. गणेशन, जो वर्तमान में हारट्रॉन के प्रबंध निदेशक; सभी के लिए आवास विभाग के महानिदेशक तथा आवास विभाग के सचिव; हाउसिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक; हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं

मंदिर श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर ही बनेगा: साध्वी ऋतम्भरा

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली।"श्रीकृष्ण भगवान का मन्दिर श्रीराम जन्मभूमि की तरह पुनः मथुरा में बनेगा उसके लिये आवश्यकता है निरन्तर प्रयास की" यह उद्गार साध्वी ऋतम्भरा जी ने दीपक कुमार जी द्वारा लिखित पुस्तक हमारे प्रेरणा स्रोत द्वापर के श्रीकृष्ण के लोकार्पण समारोह में बोलते हुए 16 जून, 2025 को दिल्ली में कहा। इस कार्यक्रम में लेखक श्री दीपक कुमार ने अपनी पुस्तक के बारे में विशेषता बताते हुए कहा कि उन्होंने द्वारका का जो वर्णन हिन्दू धार्मिक पुस्तकों में आता है उसको आधार मानकर एक नक्शा इस पुस्तक में दिया है। लेखक के अनुसार श्रीकृष्ण की अग्रपूजा से पहले उन्होंने अखण्ड भारत को राजसूय व अश्वमेध यज्ञ के माध्यम से दो बार जीता था। उसकी एक मानचित्र लेखक ने भी दिया है। लेखक ने विस्तार से बताया कि 1998 से 2003 तक किस प्रकार उसने तात्कालीन भाजपा के कोषाध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल जी के साथ मिलकर द्वारका जो समुद्र में डूबी हुई है उसको निकालने के लिये प्रयास किया था। लेखक ने पुस्तक में कई पत्र गुजरात मैरीटाइम बोर्ड, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के साथ जो पत्राचार हुआ था वह भी पुस्तक में दी हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि से सम्बन्धित इतिहास भी पुस्तक में एक अध्याय के रूप में दिया गया है। इस लोकार्पण के कार्यक्रम में दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता ने पुस्तक को प्रेरणादायक बताया।

जबकि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के संगठन मन्त्री डा0 बाल मुकन्द पांडे ने कहा पुस्तक में हजारों संदर्भ दिये गये है जो आप ने अपने पुस्तक है। उन्होंने कहा जो वंशावली लेखक ने दी है वह अद्वितीय है। कार्यक्रम में दिल्ली के वरिष्ठ भाजपा नेता सुधांशु मित्तल ने लेखक के बहुआयामी प्रयासो की चर्चा करी। विष्णु शंकर जैन ने विस्तार से श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर चल रहे मुकदमों की चर्चा करी। ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस के अध्यक्ष श्री अतुल जैन ने लेखक के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करी। मंच का संचालन प्रख्यात पुरातत्व विशेषज्ञ डा0 अमित राय जैन जी ने किया और किताबवाले के प्रकाशक श्री प्रशान्त जैन ने सबका धन्यवाद किया।

वृंदावन से गोकुल तक बनेगा नेचर वॉक पाथ-वे, मथुरा विजन- 2030 के तहत होगा निर्माण

कौमी पत्रिका

लखनऊ 17 जून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा विजन– 2030 के तहत मथुरा शहर में एक अनूठा नेचर वॉक पाथ–वे विकसित किया जा रहा है। यह पाथ–वे वृंदावन से गोकुल तक यमुना नदी के किनारे 17 किलोमीटर लंबा होगा, जिसका निर्माण 50 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। वृंदावन से गोकुल नेचर वॉक का निर्माण ब्रज तीर्थ विकास प्राधिकरण, प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग के सहयोग से कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में ईको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और तीर्थयात्रियों के लिए यमुना नदी के किनारे एक सुंदर और सुविधाजनक मार्ग प्रदान करना है। मथुरा–वृंदावन परिक्षेत्र का निर्माण और सौंदर्यीकरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा विजन–2030 के तहत किया जा रहा है। इस बहुउद्देश्यी परियोजना के तहत मथुरा शहर के अंतर्गत वृंदावन से गोकुल तक यमुना नदी के किनारे–किनारे 17 किलोमीटर लंबे नेचर वॉक पाथ–वे का निर्माण किया जा रहा है। इस नेचर वॉक पाथ वे का निर्माण ब्रज तीर्थ विकास प्राधिकरण, प्रदेश के वन विभाग के सहयोग से लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। प्राधिकरण के संबंधित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष समीक्षा बैठक में बताया कि ये नेचर वॉक पाथ वे यमुना नदी के किनारे 2 मीटर चौड़ा बनाया जाएगा। जिसके तहत वन विभाग वृंदावन से गोकुल के बीच प्राकृतिक सौंदर्य को और निखारेगा। पाथ–वे के दोनों ओर देशज प्रजाति के पौधे लगाए जाएगें, जो न केवल पर्यावरण को हरा–भरा बनाएंगे बल्कि जैव–विविधता को भी बढ़ावा देंगे। इसके साथ ही नेचर वॉक वे पर फेसिंग, लाइट्स और शौचालयों की व्यवस्था की जाएगी ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। वृंदावन–गोकुल नेचर वॉक पाथ वे के निर्माण का मुख्य उद्देश्य ईको–टूरिज्म को बढ़ावा देना है। यह परियोजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा विजन–2030 के तहत विकसित की जा रही है। भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीलास्थली के रूप में विश्व प्रसिद्ध मथुरा–वृंदावन परिक्षेत्र के विकास के लिए लगभग 30,080 करोड़ रुपये की लागत से 195 परियोजनाओं चलाई जा रही हैं। इसमें से 2,300 करोड़ रुपये की लागत से 23 परियोजनाओं को स्वीकृति मिल चुकी है। इन्हीं परियोजनाओं के अंतर्गत वृंदावन–गोकुल नेचर वॉक पाथ–वे का निर्माण किया जा रहा है। यह मार्ग मथुरा,वृंदावन आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच पैदल यात्रा का अवसर प्रदान करेगा। जिससे वे यमुना नदी के किनारे की शांति, हरियाली के बीच भगवान कृष्ण की लीलास्थली में भ्रमण का आनंद ले सकेंगे। साथ ही, यह पाथ–वे स्थानीय लोगों के लिए भी एक मनोरंजक और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प होगा, जो सुबह–शाम सैर के लिए इसका उपयोग कर सकेंगे।

3 लाख से ऊपर कमाई वालों के लिए खुशखबरी, सैनी सरकार ने किया बड़ा ऐलान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव के नेतृत्व में चिरायु आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ा दिया है। यह विस्तार प्रदेश के सभी निवासियों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि अब 3 लाख से अधिक और 6 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवार भी योजना का लाभ ले सकेंगे। ऐसे परिवारों को सालाना ?4,000 का अंशदान देना होगा। वहीं 6 लाख रुपये से अधिक आय वाले परिवार ?5,000 के वार्षिक अंशदान के साथ इस योजना के पात्र होंगे। इससे पहले, परिवार पहचान पत्र (क्कक्क) के अनुसार ?1.80 लाख से ?3 लाख आय वाले परिवार ?1,500 वार्षिक अंशदान देकर योजना से जुड़ सकते थे। यह योजना प्रति परिवार प्रत्येक वर्ष ?5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करती है, जिससे लाभार्थी राज्यभर के सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज प्राप्त कर सकते हैं। योजना में आयु या परिवार के आकार की कोई सीमा नहीं है,

जिससे परिवार के सभी सदस्य कवर होते हैं। पूरी तरह डिजिटल, पेपरलेस और पारदर्शी इस योजना को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (क्क्र-छ्वड्ड) के दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित किया जा रहा है। इसमें विभिन्न बीमारियों और प्रक्रियाओं के लिए व्यापक स्वास्थ्य लाभ पैकेज शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह फैसला न केवल सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के स्वस्थ हरियाणा के विजन को भी साकार कर रहा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि योजना का यह विस्तार नीतिगत दूरदर्शिता और प्रदेशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है।

NAME CHANGE
I hitherto known as SHUBHI GARG D/o NAVEEN GARG, R/o B - 188, Prashant Vihar, Rohini, Prashant Vihar, Delhi, North, NCT Of Delhi - 110085 have changed my name and shall hereafter be known as JANVEE GARG.

NAME CHANGE
I hitherto known as MADHU W/o SUNIL KUMAR residing at Shyourrajpur, Khodna, Kalan, Gautam Buddha Nagar, I.a. Surajpur, Uttar Pradesh - 201306 have changed my name and shall hereafter be known as SUDHA.

NAME CHANGE
I, KULDEEP KUMAR S/o GOPI RAM R/o House No. 38-A, Balmiki Mohalla, Bankner, Narela, North West Delhi, Delhi-110040, have changed the name of my minor son KUNIK KUMAR aged 13 years and he shall hereafter be known as YUNIK KUMAR, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No. 2802326H Rank-HAV NAME-DHURVE PURASHOTTAM SITARAM, S/o SITARAM SOMA DHURVE At-ZATALA, POST-ZATALA, TEh-GHATANJI DIST YAVATMAL PIN-445306, STATE-MAHARASHTRA, have changed my name RAKHI to RAKHI PURUSHOTTAM DHURVE for all future purposes. Vide affidavit dated 16.06.2025 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना
मै, मो. नासिर S/O बशीरुद्दीन House No. 7557 पनचक्की, सदर बाजार, दिल्ली–110006 मैने अपने भतीजे शाहरूख पता- 510 शाहिद, H.No. 7557 पनचक्की, सदर बाजार, दिल्ली–110006 को 2011 मे Activa Scooter दिलवाया था, जिसका NO. DL6SAH3055 उसने Scooter 2013 Saraswati Motors मे जो कि Shop No. 1735/55, Nai Walan, Karol Bagh,Delhi–110005 है, 2013 को बेच दी थी। 2013 से 2025 तक मेरा उस Scooter से किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं है।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I ROHIT GUPTA S/O VIJENDER KUMAR GUPTA R/O FLAT NO-706, EXPRESS APARTMENT PLOT NO-17. VAISHALI SHOPPING MALL, SECTOR-4. IE SAHIBABAD, PO SAHIBABAD, DISTT GHAZIABAD, UP-201010 declare that name of my father has been wrongly written as VITENDER KUMAR GUPTA in my Pan card No. AVZPG8472G. The actual name of my father is VIJENDER KUMAR GUPTA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I JAGDEEP SINGH S/O GURUDEV SINGH R/O H NO-559-D 3RD FLOOR MOTI RAM ROAD RAM NAGAR SHAHDARA DELHI-110032 HAVE CHANGED MY NAME TO JAGDEEP SINGH SANDHU

NAME CHANGE
I, CHATURABAI legally mother of JC-462542A Rank-Nb/Sub Name-POL RAGHUNATH RAMAHARI, R/O VILL-MARDI, POST-MARDI, TEH-MAN, DIST- SATARA, STATE - MAHARASHTRA, PIN-415508 have changed my name from CHATURABAI to CHATURABAI RAMAHARI POL for all future purposes. Vide affidavit dated 16.06.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, NEELAM spouse of No. 2885339L . Rank HAV, Name- KANASE MAHESHKUMAR LAXMAN R/O VILL ANGAPUR, POST-ANGAPUR, TEH-SATARA, DIST-SATARA, PIN-415019, have changed my name from NEELAM to NEELAM MAHESH KUMAR KANASE for all future purposes. Vide affidavit dated 16.06.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MANGAL is legally mother of No. 2810662K Rank-SEP Name PATIL MADHUR BALKRISHNA, R/O VILL-KURNI, POST-MALAGE, TEH - KAGAL, DIST-KOLHAPUR, STATE-MAHARASHTRA, PIN- 416219, have changed my name from MANGAL to MANGAL BALKRISHNA PATIL for all future purposes Vide affidavit dated 16.06.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, VARUN S/O KARTAR SINGH R/O H.No- C-88, Sudama Puri, VTC-Ghonda, District - North East Delhi, New Delhi-110053, have changed the name of my minor Son ARTH, aged 05 years and he shall hereafter be known as DEV DHAMA.

NAME CHANGE
I, MEENAKSHI SHARMA, D/o. KRISHAN CHAND SHARMA, R/o. RZ-13A, PURAN NAGAR, PALAM COLONY, NEAR MATA MANDIR, PALAM VILLAGE, NEW DELHI-110045, have changed my name from MEENAKSHI SHARMA, to MEENAKSHI SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JYOTI, D/o. AJAY CHAUHAN, R/o. RZ-H-76A, PLOT NO -23-24, KH NO-62/4/2, H-BLOCK, UPPER GROUND FLOOR, BACK SIDE, GALI NO-1, RAJ NAGAR, PART-2, PALAM COLONY NEW DELHI -110077, have changed my name from JYOTI to JYOTI CHAUHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NO 2802326H Rank-HAV Name-DHURVE PURASHOTTAM SITARAM, s/o SITARAM SOMA DHURVE At--ZATALA, POST-ZATALA, TEH-GHATANJI DIST YAVATMAL, PIN-445306, STATE-MAHARASHTRA have changed my minor son name from GRISHM to GRISHMA PURUSHOTTAM DHURVE for all future purposes. Vide affidavit dated 16.06.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MAHABIR SINGH S/o HARI SINGH, R/o Plot No. 154/E/2, Khashra No. 53/8, Pardhan Enclave, Village Burari, Shiv Mandir, Burari, North Delhi, Delhi-110084, declare that name of mine has been wrongly written as MAHABIR SINGH KHATRI in my Service Record. The actual name of mine is MAHABIR SINGH, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Md. Imran Ali Ansari S/O: Md. Hadish Ansari, R/O RZH-111, Near Pearl Public School, Nihal Vihar, Nangloi, PO:Nangloi, DIST:West Delhi, Delhi, 110041, declare that name of mine and my father have been wrongly written as Imran Ali Ansari and Md Hadish Ansari in my 12th class educational documents and Imran Ali Ansari and Sh. Mohammad Hadish Ansari in my service record. The actual name of mine and my father are Md. Imran Ali Ansari and Md. Hadish Ansari, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No. 15704392P, Rank-HAV Name-SURINDER KUMAR Residing at-VILLAGE-GHAROTA, PO-GHAROTA, P.S-GHAROTA, TEH – BHALWAL, DISTT-JAMMU, JAMMU AND KASHMIR-181122, have changed my father's name from BADRI RAM to BADRI NATH for all future purposes vide Affidavit dated 17/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SALMA BEGUM W/O ATHAR HUSSAIN KHAN residing at H NO-1049, 1st FLOOR, GALI SHAKTI MANDIR, TIRAHA BEHRAM KHAN, DARYA GANJ, DELHI-110002 have change my name to SALMA ATHAR for all future purposes

NAME CHANGE
I, ATHAR HUSSAIN KHAN S/O AKHTAR HUSSAIN residing at H NO-1049, 1st FLOOR, GALI SHAKTI MANDIR, TIRAHA BEHRAM KHAN, DARYA GANJ, DELHI-110002 have change my name to ATHAR HUSAIN KHAN for all future purposes

NAME CHANGE
I, MOHD LAHAAN KHAN S/O ATHAR HUSAIN KHAN residing at H NO-1049, 1st FLOOR, GALI SHAKTI MANDIR, TIRAHA BEHRAM KHAN, DARYA GANJ, DELHI-110002 have change my name to ALHAAN KHAN for all future purposes

NAME CHANGE
I, No. 15182568K Rank-HAV/CLK(SD), NAME-MAHESH SHOLAPURE, R/O VILL-ARABHAVI, PO- ARABHAVI MATA, TEHSIL-GOKAK, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591306, have changed my mother's name from BALABAI to BALABAI SHOLAPURE for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/06/1966 instead of her correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 17/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JITENDRA JHA S/O SHRIKANT JHA R/O 72A, CENTURY APARTMENT, SECTOR-100, NOIDA, NOIDA SECTOR-37, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303 have changed my name to JITENDRA KUMAR JHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Pushpa Sharma alias Poonam Devi D/O Ramkishan W/O Adesh Sharma R/O- Pilkhuwa, Mandi Relewe Road , Pilkhua Dehat , Ghaziabad Uttar Pradesh -245304, have changed my name and shall hereafter be known as Poonam.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JEET S/o NARENDER KUMAR, R/o CB -227, VTC: Naraina Ring Road, District: South West Delhi, Delhi-110028, declare that name of mine has been wrongly written as JEET SILANKAR in my 10th and 12th Class Educational Documents issued by NIOS. The actual name of mine is JEET, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I , hitherto known as Laxmi alias Sabita Rani Badajena W/O Bikas Chandra Badajena, R/O Present Adress C- 16/28C, KH NO 20/36,G/F , Swarn Park Extn Mundka near DS Saini School New Delhi 110041, PERMANENT Address VILLAGE JANGHAR, GRAM PANCHAYAT ANDARSING BIJIPUR, PS-KANAS, Kanas, PO: Kanas, DIST: Puri, Odisha-752017,have changed my name and shall hereafter be known as SABITA RANI BADAJENA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DIMPLE daughter of GOVIND PRASAD GOEL wife of JASVINDER SINGH R/O H NO-B-1/1, NEW GOBIND PURA, GALI NO-9, VISHWAS NAGAR, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name and shall hereafter be known as DIMPLE KAUR. I have changed my name only not my religion. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, LAISHRAM (O) SUNIBALA DEVI wife of No.-925806-S, Rank-SGT Name-LAISHRAM PREMJIT SINGH residing at VILL-KHANGABOK MAISNAM LEIKAI, PO-THOUBAL, DIST-THOUBAL, MANIPUR-795138, have changed my name from LAISHRAM (O) SUNIBALA DEVI to MOIRANGTHEM SUNIBALA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 17/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KM ERAM WASI W/O SAYED ABU SUALEH residing at H NO-A-263, A-BLOCK, NEW FRIENDS COLONY, DELHI-110025 have changed my name to ERAM VASI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No. 7243588L Rank-DFR/NA VET Name-AJEESH R legal father AADAV A Residing at- HOUSE-SHIVATHEERTHAM, VILL-THRIKKADAVOOR, PO-PERINAD, PS-ANCHALUMOOD, TEH-KOLLAM, DIST-KOLLAM, KERALA-691601, have changed my minor son's name from AADAV A to DHRUVA KESHAV A for all future purposes vide affidavit dated 17/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, HARJEET D/O PARAMJEET residing at H NO-V-61/256, GALI NO-2, KHAJUR WALI GALI, GHONDA, ARVIND NAGAR, DELHI-110053 have changed my name to HARJEET KAUR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, 2802326H RANK-HAV NAME-DHURVE PURASHOTTAM SITARAM, S/O SITARAM SOMA DHURVE At-ZATALA, POST-ZATALA, TEh-GHATAJI DIST YAVATMAL PIN -445306, STATE MAHARASHTRA,have changed my name nom DHURVE PURASHOTTAM SITARAM To DHURVE PURUSHOTTAM SITARAM for all future purposes. Vide affidavit dated 16.06.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SEEMA W/O LATE SANJAY KUMAR R/O H.NO-113, STREET NO-4, MANDOLI, MANDOLI, EXTN.. PO DIST NORTH EAST DELHI, DELHI-110093 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SAKSHI in my minor daughter namely SAKSHI PANCHAL aged 14 years in her school record. The actual name of my minor daughter is SAKSHI PANCHAL which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Pinki D/O Suresh Kumar W/O Ronit Gahlot,R/O H.NO-3, NAWADA VILLAGE, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi -110059 declare that name of mine has been wrongly written as Priyama in my Ration card no 32250.The actual name of mine is Pinki, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NEHA PANDEY D/O MANOJ PANDEY R/O HOUSE NO-F/95, PATAUDI ROAD, NEAR RADHA SWAMI SATSANG BHAWAN, SARSWATI ENCLAVE, GURGOAN, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO NEHA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, GOPESH JANGID S/o PRADEEP KUMAR SHARMA, R/o Flat No- 502, Tower-B, 328/1, Tyagi Farm, VTC-Chattarpur, PO- Chattarpur, District-South Delhi, State- Delhi, PIN Code-110074, declare that name of mine has been wrongly written as JANGID GOPESH PRADEEP in my Bachelor of Technology in Mechanical Engineering degree and certificate. The actual name of mine is GOPESH JANGID, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General public on behalf of our client (DCB Bank Ltd.) that Mr. Iqbal is claiming to be the owner of Plot bearing No. 25, area measuring 100 sq. yds., out of Khewat No. 5/2, Mu. No. 06, Killa No. 14/2, 6, 15, 17, situated at waka mauja Gazipur, Tehsil Badkhal, District Faridabad, Haryana; by virtue of Sale Deed dated 03.11.2023 executed by Mrs. Babita, duly registered with SRO Badkhal, as Document No.6810, Book No. 1, Volume No. 8/374, on Pages 102.5/66-70, on 03.11.2023. All persons are hereby informed that above owner wants to sell the said property to a person, who intends to obtain a loan from our client (DCB Bank Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 15 days of the present.

For Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi-15
legatokratebal.com
Ph: 011-41112527-28

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as YOGESH KUMAR GARG alias LOKESH KUMAR GARG S/O JAGNANDAN LAL GARG, R/o R-3/39, Raj Nagar, VTC: Ghaziabad, PO: Ghaziabad, Sub District: Ghaziabad, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as LOKESH KUMAR GARG.

NAME CHANGE
I, Ragahv Goyal s/o Dinesh Chand Goyal R/O E8A/17, Krishna Nagar, Delhi-110051,have changed my name to Raghav Goel permanently.

NAME CHANGE
I, RUCHI GROVER W/O HEMANT KUMAR R/O 593/24, LAXMI GARDEN, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO RUCHI BHARIJA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, NARDEV S/O PRABHU SINGH R/O H.NO-328 B,NEAR BUS STAND, MIAN WALI COLONY GURGAON-122001, HARYANA HAVE CHANGED MY NAME NARDEV SINGH FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I, NIKESH KUMAR S/O NATHU RAM R/O RZF-352, NEAR DDA PARK, RAJ NAGAR-2, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM "DEEPESH" TO "DEEPESH AGARWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, No.4574278X, Rank-HAV Matta Krishna R/o.Vill.Dalapalanka, Post Ramachandra Pur,Tehsi-Chikiti, Distt. Ganjam, Odisha-761010 have changed my minor son's name from M Syam Kumar to Matta Shyam vide affidavit dated 13.06.2025 executed before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री भगवान पुत्र श्री श्री मंगत राम एवं उनकी पत्नी श्रीमति कमलेश दोनों निवासी – 804/1, के–2 ब्लाक, महिपाल पुर, साउथ वेस्ट दिल्ली दिल्ली–110037 ने अपने पुत्री ज्योति पुत्री श्री भगवान को नियंत्रण मे न होने, मेरे मुवक्किल साथ अभद्र व्यवहार करने के कारण तथा उसके गलत व्यवहार, गलत चाल चलन, से बहुत दुखी होकर अपने सारे संबंध विच्छेद और अपनी चल चल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति उसके साथ किसी प्रकार का कोई लेन–देन रखता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा मुवक्किल व उनके परिवार वाले किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे ।

विवेकानंद राय अधिवक्ता
ADVOCATE
Ch no 528, 5th Floor, Lawyers Chambers, Dwarka Court Complex, Sector-10, New Delhi-110075

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल श्रीमती संक्रांति देवी, आयु 63 वर्ष, स्वर्गीय श्री स्वामी लाल उर्फ स्वामी नाथ की विधवा, निवास स्थान प्लॉट संख्या 70–बी, विकास विहार, विकास नगर, उत्तम नगर, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली–110059 में रहती हैं।, में अपने बेटे, बेटियाँ और उनके संबंधित परिवार, अर्थात् (1) बेटा- संतोष, उसकी पत्नी चंदा और उनके बच्चे दीपांजलि, रिद्धि, सुप्रिया, आदि, (2) बेटा- राज कुमार, उसकी पत्नी सुमन और उनके बच्चे अनुराग, अनुराधा, राजनंदनी, आदि, (3) बेटी- लक्ष्मी, उसका पति उपेंद्र और उनके बच्चे राहुल, सुमित, (4) उपरोक्त से संबंधित कोई अन्य परिवार के सदस्य को अपनी तमाम चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर समस्त संबंध विच्छेद कर लिये है। उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के लिये मेरे मुवक्किल या उसके परिवार के अन्य लोग जिम्मेदार नहीं होंगे।

प्रतीक भारद्वाज अधिवक्ता
कार्यालय: चैम्बर नंबर 425, अधिवक्ता चैंबर सेक्टर–10, द्वारका नई दिल्ली 110075

NAME CHANGE
I, Raushan kumar jha, S/O Satish Chander jha R/o B- 299, B, block, Inder Enclave -2, Kirari Suleman Nagar, Nithari, North West Delhi-110086, I have changed my name from Roshan jha to Raushan kumar jha for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री सोनू, पुत्र श्री इंद्र सिंह, PID संख्या 3BCM|JJ2 वाली संपत्ति खरीदने का इरादा रखते हैं। यह संपत्ति 60 वर्ग गज भूमि पर निर्मित एक मकान है, जिसका निर्मित क्षेत्रफल 745 वर्ग फुट है। यह संपत्ति खेवट संख्या 327//286, खतौनी संख्या 385, खसरा संख्या 6095/3059/2 (1–3) तथा खेवट संख्या 328//287, खतौनी संख्या 386, खसरा संख्या 6094/3059/1 (3–10) से संबंधित है, जो मौजा बहादुरगढ़, वाक्य न्यू विकास नगर, रेलवे लाइन के पार, कॉलोनी न्यू पटेल पार्क, नगर परिषद बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा में स्थित है। यह संपत्ति श्रीमती रीना रानी से खरीदी जानी है। श्रीमती रीना रानी ने उक्त संपत्ति (1) श्री रवि कुमार, (2) श्री रोहित कुमार (दोनों पुत्र श्री मुंशी राम) और (3) सुश्री आरती कुमारी, पुत्री श्री मुंशी राम से विक्रय विलेख दिनांक 13.01.2025, दस्तावेज़ संख्या 7318 के माध्यम से खरीदी थी। इस संपत्ति की पूर्व विक्रय श्रृंखला में मूल विक्रय विलेख दस्तावेज़ संख्या 3213, वॉल्यूम संख्या 167/2526, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 91/47–48, दिनांक 12.08.2005 को उप–पंजीयक कार्यालय, बहादुरगढ़ में पंजीकृत किया गया था। हालांकि, कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त दस्तावेज़ अब खो गया है। इस दस्तावेज़ के गुम होने के संबंध में एक प्राथमिकी (FIR) दिनांक 13.01.2025 को हरियाणा पुलिस सिटीजन सर्विसेज पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी नोट करें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा – गुरुग्राम के पास गिरवी रखी जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई–मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना
यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती प्रेम लता शर्मा, पत्नी स्वर्गीय श्री बी.डी. शर्मा उर्फ बरू दत्त शर्मा, प्लॉट संख्या 5, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज, जो कि खसरा नंबर 33/5 का हिस्सा है, की पूर्ण स्वामित्वधारी हैं। यह संपत्ति गांव नजफगढ़, दिल्ली के राजस्व क्षेत्र में स्थित है, जो कि ओल्ड रोशनपुरा एक्सटेंशन के नाम से जानी जाती थी और वर्तमान में धर्मपुरा, एच–ब्लॉक, नजफगढ़, नई दिल्ली–110043 के नाम से जानी जाती है। इस संपत्ति के मूल स्वामी स्वर्गीय श्री बरू दत्त शर्मा थे, जिन्होंने इसे श्री हुक्मी (पुत्र श्री मामन) से खरीदा था, जो श्री मांगे (पुत्र श्री नसीरा) और श्री छोटे (पुत्र श्री मामन) के विधिक अभिकर्ता (पॉवर ऑफ अटॉर्नी होल्डर) के रूप में कार्य कर रहे थे। यह खरीद बिक्री विलेख (सेल डीड) दिनांक 20.03.1971 को संपन्न हुई थी। दुर्भाग्यवश, श्री बरू दत्त शर्मा का निधन 23.12.2000 को हो गया और उन्होंने अपने पीछे अपनी पत्नी श्रीमती प्रेम लता शर्मा को एकमात्र विधिक उत्तराधिकारी के रूप में छोड़ा। अत:, श्रीमती प्रेम लता शर्मा उक्त संपत्ति की पूर्ण और वैध स्वामित्वधारी हैं। यह संपत्ति किसी भी प्रकार के विवाद, बंधक, देयताओं, दावों या आरोपों से मुक्त है। वर्तमान में यह संपत्ति आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड, पता- ए–254, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली–110024 द्वारा वित्तपोषित (फाइनेंस) की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई–मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, Dinesh Goel s/o Mange Ram Goel R/O E8A/17, Krishna Nagar, Delhi-110051,have changed my name to Dinesh Chand Goyal permanently

NAME CHANGE
I, Narendra Tewari S/O Ram Charan Tewari R/O M 58 B Near Amity School Saket Malviya Nagar South Delhi 110017 have changed my name to Narendra Nath Tewari for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MENU D/O VIKRAM R/O H NO-6, STREET NO-2, VILLAGE GARHI MENDU, BHAJANPURA, BHAJAN PURA, NORTH EAST DELHI-110053 have changed my name and shall hereafter be known as MONIKA.

NAME CHANGE
I hitherto known as PRAKASH CHANDRA alias PRAKASH CHAND JOSHI S/O SHRI CHET RAM JOSHI R/O KH-17/1, BLOCK-A, KAMAL VIHAR, KAMLA PUR, MAJRA BURARI, NORTH DELHI, DELHI-110084 have changed my name and shall hereafter be known as PRAKASH CHAND JOSHI.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Om Nagar S/o Late Mr. Subhash Nagar is the owner of Freehold Residential Plot, area measuring 397 Sq. Yards i.e.331.93, out of Khasra No. 4334-K, Situated at Village Dasana Pargana Dasana, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Gift Deed dated 04.06.2025 Vide Doc. No. 6660, Vol. No. 44409, Book No. 1, Pages No. 257-278, SR-Sadar IV Ghaziabad., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Yogesh & Mrs. Govindi Devi and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

कौमी पत्रिका

संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011–41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राजनैतिक तौर पर अलग हुए परिवार एक नहीं हो सकते : सुनैना चौटाला

यमुनानगर। इंडियन नेशनल लोक दल महिला प्रकोष्ठ प्रभारी सुनैना चौटाला महिला कार्यकर्ताओं की बैठक में यमुनानगर पहुंची। सुनैना चौटाला ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हरियाणा में लगातार महिलाएं इनेलो से जुड़ रही हैं। वह अब तक 21 जिलों में महिलाओं की बैठक कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था का भट्ठा बैठ चुका है। रोज हत्याएं, अपहरण हो रहे हैं। गुड़गांव में शराब ठेकों की बोली लगती है तो गोलियां चलती हैं। यमुनानगर सोनीपत, सिरसा में भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी है, लोगों में डर का माहौल है। लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। सुनैना चौटाला ने कहा कि महंगाई भ्रष्टाचार के मुद्दों पर बीजेपी वोट नहीं मांगती, बल्कि जाति और धर्म के नाम पर वोट मांगती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के बेरोजगार जब दूसरों देश में जाते हैं तो उन्हें वहां से निकाल दिया जाता है, यह बेरोजगारों से खिलवाड़ है। सुनैना चौटाला ने एक सवाल के जवाब में कहा कि ओमप्रकाश चौटाला जन नेता थे। उनकी फोटो बीजेपी वाले भी लगा सकते हैं, लेकिन उनकी मंशा क्या है। उन्होंने जेजेपी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो पार्टी दादा गौतम को दादा कहती थी। कभी मनोहर लाल की फोटो लगाती थी।

पांच दिवसीय प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण का किया औचक निरीक्षण

जींद। बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के अंतर्गत पांच दिवसीय प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण का निरीक्षण राजकीय प्राथमिक स्कूल जींद शहर में सोमवार को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष चंद्र व जिला समन्वयक एफएलएन द्वारा किया गया। बैच नंबर 17 मे तीन अध्यापक मिले जिन्होंने हाजरी लगा रखी थी लेकिन कैंप मे उपस्थित नहीं थे। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष चंद्र ने बताया की प्रशिक्षण मे गायब रहे शिक्षकों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए संबंधित जिले के जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी को सूचित किया जाएगा। डा. सुभाष चंद्र ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों से अवगत करवाना है ताकि प्रशिक्षण उपरांत सभी शिक्षक अपने कक्षा कक्ष व अपने बच्चों का सर्वांगीण विकास सही ढंग से कर पाएं। सभी शिक्षक स्कूल खुलते ही इस प्रशिक्षण में सीखी गई गतिविधियों से अपनी कक्षा के बच्चों का सर्वांगीण विकास दोगुने उत्साह से करेंगे। प्रशिक्षण मे भाग लेने वाले शिक्षकों को चेताया की कैंप मे समय व अनुशासन का ध्यान रखे ।लेट लतीफी व अनुशासन हीनता किसी भी प्रकार से क्षण नहीं होगी।

गुरुग्राम में शुरू हुआ डायरिया मुक्त जिला स्तरीय अभियान

गुरुग्राम। जिला स्तरीय डायरिया मुक्त अभियान का शुभारंभ सोमवार से सेक्टर-31 स्थित पॉलीक्लिनिक हुआ। इसका शुभारंभ सिविल सर्जन डा. अलका सिंह ने किया। यह अभियान 31 जुलाई 2025 तक जिलेभर में चलाया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य डायरिया के कारण होने वाली शिशु मृत्यु दर को शून्य तक लाना है। इस अभियान के तहत पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में ओआरएस और जिंक के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा देखभाल करने वालों में डायरिया की रोकथाम और प्रबंधन को लेकर उचित व्यवहार विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों तथा कमजोर समुदायों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सिविल सर्जन ने बताया कि अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर ओआरएस और जिंक का वितरण किया जाएगा तथा आंगनवाड़ी केंद्रों पर ओआरएस-जिंक कोनों की स्थापना की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अन्य विभागों जैसे महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज, जल जीवन मिशन, ग्रामीण एवं शहरी विकास आदि के साथ मिलकर अंतर-व्यक्तिगत संवाद के माध्यम से लोगों को डायरिया से संबंधित जानकारी देंगे।

विधायक ने ली अधिकारियों की बैठक

जींद। उचाना से भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री सोमवार को उचाना मार्केट कमेटी कार्यालय पहुंचे। यहां पर अधिकारियों के साथ बैठक की। नायब तहसीलदार, जन स्वास्थ्य विभाग, बिजली निगम, मार्केटिंग बोर्ड सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी इस दौरान मौजूद रहे। पीने के पानी की हर रोज सप्लाई आने, पुरानी मंडी से बारिश के पानी की निकासी किए जाने, सबसे पुरानी समस्या रेलवे रोड पर हरियाली बाजार से बारिश के समय पानी की निकासी नहीं होने सहित विभिन्न विभागों से संबंधित जो-जो समस्याएं सामने आई उनका जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उच्चाधिकारियों से भी विधायक ने बातचीत कर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

बैठक के बाद विधायक पुरानी मंडी में बने लेबर शैड पहुंचे। यहां पर मजूदरों से बातचीत करके उनकी समस्याओं को जानने के साथ मजदूरों के साथ चाय की चुस्की भी ली। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि वह जनता के सेवक हैं। जनता की सेवा करना उनका दायित्व बनता है। जहां-जहां पानी की निकासी नहीं होती, वहां से पानी की निकासी को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी तरह की परेशानी उचाना की जनता को नहीं होने दी जाएगी।

हरियाणा के विपक्षी दलों की मांग, ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से हों चुनाव

एजेंसी

चंडीगढ़। एक देश-एक चुनाव को लेकर संयुक्त संसदीय समिति के साथ हरियाणा राजनीतिक दलों की एक बैठक हुई। इस बैठक में विपक्षी दल कांग्रेस ने निमंत्रण न होने का दावा करते हुए भाग नहीं लिया। बैठक में अन्य विपक्षी दल इनेलो, आम आदमी पार्टी, स्वराज पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि नेताओं ने ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने अपने सुझाव रखे। जिसमें देश में ईवीएम से नहीं, बल्कि बैलेट पेपर से चुनाव होने की मांग रखी। इनेलो ने साफ कहा कि वह एक देश-एक चुनाव का समर्थन तभी करेगा, जब उनके सुझावों को स्वीकार किया जाएगा। जननायक जनता पार्टी ने एक देश-एक चुनाव का समर्थन किया है। संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली पहुंचे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वन नेशन-वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक भारत-श्रेष्ठ भारत की दूरदर्शी सोच का हिस्सा है। यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि एक सशक्त और समन्वित लोकतंत्र की दिशा में राष्ट्रीय दृष्टिकोण है। हरियाणा सरकार इस पहल का सैद्धांतिक समर्थन करती है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से देश को बहुआयामी लाभ मिलेंगे। इनेलो के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव प्रकाश भारती और प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सतबीर सैनी ने जेपीसी के सामने कहा कि हमारी पार्टी एक देश एक चुनाव प्रणाली का सशर्त समर्थन करेगी। इसके लागू होने से पहले चुनावी प्रक्रिया में बड़े सुधार होने चाहिए। देश और प्रदेश में चुनाव ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से होने चाहिए। ईवीएम से चुनाव करवाना बैलेट पेपर से बहुत महंगा है। मतदान होते ही उसी दिन वोटों की गिनती होनी चाहिए, क्योंकि पंचायत चुनाव में दिन के दिन नतीजे आ जाते हैं तो लोकसभा और विधानसभा चुनाव में क्यों नहीं आ सकते। आम आदमी पार्टी हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने एक देश-एक चुनाव का विरोध करते हुए कहा कि यह क्षेत्रीय दलों की राजनीति को खत्म करने की षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव के अपने अलग-अलग मुद्दे हैं।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में एनएसयूआई का प्रदर्शन, सीएम आवास घेरने से पहले पुलिस ने रोका

एजेंसी

चंडीगढ। हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में नेशनल स्टूडेंट ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने चंडीगढ़ में प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के आवास को तरफ कूच किया लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस बीच पुलिस तथा कार्यकर्ताओं के बीच काफी धक्का-मुक्की भी हुई।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश यादव के नेतृतव में आज एनएसयूआई कार्यकर्ता चंडीगढ़ के सेक्टर-9 स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर एकत्र हो कर एक बैठक की। यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष यादव ने कहा कि एचएयू कुलपति डॉ. बलदेव राज कंबोज का तत्काल इस्तीफा लिया जाए। छात्रों पर जानलेवा हमला करने वाले प्रोफेसर को हत्या के प्रयास के तहत तुरंत गिरफ्तार किया जाए। इसके अलावा उन्होंने यूनिवर्सिटी कैलेंडर में संशोधन और प्रोस्पेक्टस में एलडीवी के नियमों में किए गए बदलाव को तुरंत वापस लेने, विरोध में भाग लेने वाले किसी भी छात्र पर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई न करने, जिस दर से छात्रों की फीस बढ़ाई जा रही है, उसी अनुपात में छात्रवृत्ति में भी वृद्धि करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि आंदोलन में एनएसयूआई पूरी तरह से छात्रों के साथ है। इस बैठक के बाद एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास की तरफ कूच किया। चंडीगढ़ पुलिस ने कुछ दूरी पर ही बेरीकेडिंग करके उन्हें रोक लिया। जहां पुलिस तथा कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक धक्का-मुक्की हुई।

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला, 450 छात्र चयनित

एजेंसी

सोनीपत। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोनीपत में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अंप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया, जिसमें जिले सहित आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से 25 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। इस अवसर पर लगभग 600 युवाओं ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 450 का चयन अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट के लिए किया गया। अप्रेंटिसशिप एवं प्लेसमेंट अधिकारी मेजर संजय श्योराण ने जानकारी दी कि इस मेले में राई, कुण्डली, बड़ी, खरखौदा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों की कंपनियों जय भारत मारूती, जेएसजी इनोटेक, रिब्बल इंटरनेशनल, डेनब्लॉक, लारस मेडिकेयर आदि ने भाग लिया। चयन प्रक्रिया में आईटीआई के जुलाई 2025 की परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, पासआउट छात्रों और अन्य योग्य युवाओं को शामिल किया गया। मुख्य अतिथि राई औद्योगिक एसोसिएशन के प्रधान राकेश छाबड़ा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत

और ईमानदारी से कार्य सीखना सफलता की पहली सीढ़ी है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और आईटीआई को हर संभव सहयोग देने की बात कही। इस दौरान दमनजीत सिंह और नवीन सचदेवा सहित अन्य अतिथियों ने भी युवाओं को प्रेरणादायक संदेश दिए। कार्यक्रम में पौधारोपण भी किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में आईटीआई के उपप्राचार्य हरेन्द्र जावा, रोजगार मेला इंचार्ज सुरेश कुमार सहित विभिन्न अनुदेशकों एवं स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

नगर निगम ने 13 क्विंटल सिंगल यूज प्लास्टिक का सामान किया जब्त

एजेंसी

हिसार। नगर निगम की टीम ने चैकिंग के दौरान लगभग 13 क्विंटल 75 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक का सामान और सिंगल यूज पॉलीथीन जब्त किया है। अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल के नेतृत्व में टीम ने सोमवार को नई सब्जी मंडी के सामने गोदाम व दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान सचिव राहुल सैनी भी मौजूद रहे। छापेमारी में लगभग 15 दुकानों और पांच गोदामों से सिंगल यूज प्लास्टिक से बने सामान और सिंगल यूज पॉलीथीन जब्त किया गया। इसके बाद टीम नई सब्जी मंडी में पहुंची और लगभग पांच जगहों से सिंगल यूज पॉलीथिन जब्त किया। निगम टीम ने ग्रीन स्क्वेयर मार्केट स्थित तीन मंजिला गोदाम से भारी मात्रा में सिंगल यूज प्लास्टिक का सामान जब्त किया। इसके बाद टीम ने गोबिंदगढ़ बाजार से सिंगल यूज प्लास्टिक से बने सामान व सिंगल यूज पॉलीथीन जब्त किया। अतिरिक्त निगम आयुक्त ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक और सिंगल

यूज पॉलीथीन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है। उन्होंने दुकानदारों व आमजन को बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक हैं। ऐसे प्लास्टिक न तो डिकंपोज होते हैं और जलाने पर हानिकारक धुंआ निकलता हैं जो पर्यावरण और इंसानों, जानवरों और पेड़-पौधों की सेहत के लिए खतरनाक होते हैं। इसके अलावा सिंगल यूज पॉलीथीन का कचरा बारिश के पानी को जमीन के नीचे जाने से रोकता हैं, जिससे ग्रांउड वॉटर लेवल में कमी आती हैं। शालिनी चेतल ने दुकानदारों से अपील की वे 120 माइक्रोन से कम के पॉली बैग का प्रयोग न करें। इस दौरान एएसआई राहुल सैनी, एएसआई संदीप बिश्नोई सहित तहबाजारी टीम मौजूद रही।

प्रोजेक्टों की ड्राइंग में देरी करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिंचाई और जल संसाधन विभाग के अंतर्गत पांच प्रमुख परियोजनाएं क्रियान्वित हो रही हैं, जिनमें से प्रत्येक में 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ाना, सिंचाई दक्षता में सुधार करना शामिल है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि परियोजनाओं की इंजीनियरिंग ड्राइंग में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। ड्राइंग के अनुमोदन में देरी के चलते परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विलंब होता है। उन्होंने ड्राइंग के

अनुमोदन में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने परियोजनाओं में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार से समझौता नहीं किया जाएगा। नायब सिंह सैनी ने कहा कि दादूपुर से हमीदा हेड तक नई समानांतर लाइन चैनल (पीएलसी) और डब्ल्यूजेसी का आधुनिकीकरण 274.87 करोड़ रुपये के साथ किया जा रहा है। इस परियोजना का लक्ष्य गैर-मानसून अवधि के दौरान हथिनीकुंड बैराज से होने वाले रिसाव के नुकसान को कम करना है। अब तक 64.5 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। परियोजना को मार्च, 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डब्ल्यूजेसी ब्रांच (75.25 किमी) तक ऑग्मेंटेशन नहर का पुनर्निर्माण 383 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। इस परियोजना का 81 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और जून, 2025 तक पूरा होने की संभावना है। इसी प्रकार पीडी ब्रांच (मुनक से खुबडु हेड) की लाइनिंग और रीमॉडलिंग का कार्य 197.80 करोड़ रुपये से किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत 145.25 किलोमीटर में कंक्रीट लाइनिंग का कार्य शामिल है। हरियाणा सरकार इन मेगा-प्रोजेक्ट्स के समय पर क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

हांसी में नगर परिषद के वेटिंग रूम की फॉल सीलिंग गिरी

एजेंसी

हिसार। जिले के हांसी में नगर परिषद कार्यालय में पार्षदों के लिए बने वेटिंग रूम में बड़ा हादसा होने से टल गया जब नगर परिषद चेयरमैन के साथ लगते कमरे में लगी फॉल सीलिंग अचानक से नीचे आ गिरी गई। हादसे के वक्त वार्ड 23 के पार्षद आशीष उर्फ पिंकू और वार्ड 8 के पार्षद कुक्कू सरदार वेटिंग रूम में मौजूद थे लेकिन गनीमत रही कि फॉल सिलिंग के चपेट में आने से बाल बाल बच गए। नगर परिषद में हुए हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और नगर पार्षदों ने नगर परिषद की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए नगर परिषद भवन की जर्जर हालत पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर फॉल सीलिंग गिरने से कोई बड़ा हादसा हो जाता तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता। घटना के बाद अन्य पार्षदों ने भी भवन की मरम्मत और सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए नगर परिषद के सभी कमरों की जांच कराए जाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। पार्षदों ने जताई नाराजगी पार्षद आशीष ने बताया कि यह कमरा हम सभी पार्षदों के बैठने के लिए बनाया गया और नगर परिषद में अपने वार्ड के कार्यों के लिए आते हैं तो पार्षद यहां बैठ जाते हैं। सोमवार सुबह वह और पार्षद कुक्कू सरदार कमरे में घुसे तो अचानक से कमरे में लगी फॉल सिलिंग धड़ाम से नीचे आ गिरी और वे दोनों बड़ी मुश्किल से अपने आपको को बचा पाए। पार्षद आशीष ने बताया कि करीब एक साल पहले ही इस कमरे की फॉल सिलिंग करवाई गई थी और यह फॉल सिलिंग भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई।

अर्बनाइजेशन को चुनौती नहीं, अवसर मानता है हरियाणा : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापौर अपने-अपने शहरों के प्रथम नागरिक होने के साथ-साथ वहां के विकास और प्रगति के प्रत्यक्ष सारथी भी हैं। मुख्यमंत्री सैनी पंचकूला में आयोजित अखिल भारतीय महापौर कार्यकारी परिषद की 115वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम अर्बनाइजेशन को चुनौती नहीं, अवसर मानते हैं। सरकार का विजन है कि शहर 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का संगम बनें। हमें शहरों को केवल इमारतों और सड़कों का ढांचा नहीं बनाना, बल्कि उन्हें जीवंत, संवेदनशील और आत्मनिर्भर भी बनाना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत की लगभग 900 मिलियन आबादी शहरों में निवास करेगी। यह सिर्फ संख्या नहीं है, बल्कि एक बड़ी संभावना है। नए अवसरों, नए इन्फ्रास्ट्रक्चर और नई जीवनशैली की। हमें इस परिवर्तन को सुनियोजित शहरीकरण, डिजिटल एकीकरण और पर्यावरण संरक्षण के साथ अपनाना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा में शहरी स्थानीय निकायों को विकास कार्यों के लिए 2014-15 में 1,693 करोड़ रुपये की राशि दी गई थी, जिसे 2025-26 में बढ़ाकर 5,666 करोड़ रुपये कर दिया गया है। चार मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण बनाए गए हैं और फरीदाबाद

व करनाल को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत फरीदाबाद में 930 करोड़ रुपये की लागत से 45 परियोजनाएं तथा करनाल में 927 करोड़ रुपये की लागत से 122 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 2,147 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया गया है और नई अधिकृत कॉलोनियों में एक हजार करोड़ रुपये से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 375 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लक्ष्य में से 9 शहरों में 50 बसें चलाई जा चुकी हैं।

पानीपत में अवैध खनन कर ले जा रहे ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त,दो लाख जुर्माना

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में अवैध खनन को रोकने के लिए की गई कार्रवाई के दौरान एक ट्रैक्टर व ट्राली को जब्त करके अवैध खनन का कार्य करने वालों पर दो लाख 12 हज़ार का जुर्माना लगाया गया है। जिले में अवैध रूप से खनन करने वाले माफियाओं को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

उपायुक्त विरेंदर कुमार दहिया ने बताया कि अवैध खनन का कार्य करने वालों के खिलाफ और सख्ती बरती जाएगी है। जहां पर भी अवैध खनन की संभावनाएं नजर आती है तुरंत कार्रवाई के लिए पुलिस विभाग और खनन विभाग की टीम पहुंच कर तुरंत कार्रवाई करेगी। जिला खनन अधिकारी निरंजन ने बताया कि अवैध रूप से खनन करने वालो पर 2 लाख 12 हजार का जुर्माना किया गया है व ट्रैक्टर को सीज कर दिया गया। उन्होंने बताया की अधमी गांव में अवैध रूप से मिट्टी का ट्रैक्टर ट्राली भरकर लाया जा रहा था। टीम ने मौके पर ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लिया व विभाग की टीम द्वारा इसे कार्यवाही करते हुए सीज कर दिया गया।

उपायुक्त ने कहा की अवैध रूप से खनन का कार्य करने वाले स्वयं को व समाज को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसी अवैध माफिया के खिलाफ प्रशासन अभियान चलाए हुए हैं। विभाग की टीमों को और सख्ती वरतनी चाहिए। जांच के और प्रयास करनी चाहिए तभी जाकर जिले में अवैध खनन का कार्य करने वालों पर शिकंजा कसा जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बनवाया आभा कार्ड

एजेंसी

चंडीगढ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने अपना और अपने स्टाफ का आभा कार्ड बनवाया। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य एक सहज और अंतर संचालन (इंटरऑपरेबल) योग्य डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को डिजिटल बनाना है।

इसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना और अंतर-संचालनीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों का उपयोग करके विभिन्न हितधारकों के बीच निर्बाध डेटा साझाकरण को सक्षम बनाना है। इस योजना की मुख्य विशेषताएं डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं का लाभ उठाना है। यह योजना कड़े डेटा सुरक्षा उपायों के साथ बनाई गई है। रोगी का डेटा केवल स्पष्ट सहमति से साझा किया

जाता है। स्वास्थ्य डेटा स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के पास रहता है। एबीडीएम संवेदनशील स्वास्थ्य डेटा को केंद्रीकृत रूप में संग्रहीत करने के बजाय सुरक्षित आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन राज्य मिशन निदेशक संगीता तेतरवाल के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। इस अवसर पर आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संयुक्त निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) कैलाश सोनी ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा में अब तक 1.63 करोड़ से अधिक आभा कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सीएचसी मुलाना को आभा कार्ड धारकों के लिए प्रदेश का पहला आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र बनाया गया है, जो पूरी तरह कार्यात्मक है। यहां मरीज ऑनलाइन पंजीकरण कराकर इलाज करा सकते हैं। सीएचसी मुलाना में मरीजों को पंजीकरण के लिए लाइनों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है।

'पापा कैच' नाटक समाज की एक कड़वी हकीकत :डॉ. डीपी वत्स

एजेंसी

हिसार। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 के उपलक्ष्य में, हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के निर्देशन में महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा के ओपी जिंदल ऑडिटोरियम में भव्य एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हुए कार्यक्रम में योग के महत्व पर चर्चा के साथ-साथ नशाखोरी जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर एक सशक्त प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम का शुभारंभ 'योग संगोष्ठी' के साथ हुआ, जिसमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने योग के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। डॉ. सुखबीर और डॉ. मोनिका बांगा ने योग को आधुनिक जीवनशैली से जोड़ते हुए इसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, डॉ. प्रज्ञा कौशिक और योग शिक्षिका निहारिका ने योग से जुड़े आम मिथकों और भ्रांतियों को दूर करते हुए योग के वैज्ञानिक आधार को समझाया। उन्होंने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा को संतुलित करने की एक समग्र जीवन पद्धति है।संगोष्ठी के उपरांत, प्रसिद्ध रंगकर्मी संजय सेठी द्वारा निर्देशित नाटक 'पापा कैच' का भाव-विभोर कर देने वाला मंचन किया गया। इस नाटक ने आज के समाज में नशे की गिरफ्त में पड़ते बच्चों और युवाओं की त्रासदी को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के पात्रों ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कैसे नशे की लत परिवारों को तोड़ देती है और युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल देती है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व सांसद, जनरल (डॉ.) डीपी वत्स ने आयोजन की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से 'पापा कैच' नाटक की सराहना करते हुए कहा कि यह नाटक केवल एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं, बल्कि हमारे समाज की एक कड़वी हकीकत है। यह हमें आईना दिखाता है और चेतावनी देता है। हमें इस संदेश को गंभीरता से लेना होगा और अपने समाज को इस बुराई से बचाने के लिए मिलकर काम करना होगा।

इस्राइल-ईरान जंग के बीच भारत ईंधन आपूर्ति जरूरतें पूरी करने के लिए तैयारः हरदीप पुरी

- भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है

नई दिल्ली।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि इस्राइल-ईरान चल रही जंग के दौरान भारत अपनी ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी ईंधन की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम और अच्छी स्थिति में है। हम अपने बास्केट में पर्याप्त विविधता ला चुके हैं और ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए सहज स्थिति में हैं। भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी देते हुए हरदीप पुरी ने कहा, तेजी से अस्थिर होते भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों और हमारे पीएसयू ओमसी के साथ भाररत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। भारत अपने जीवाश्म-आधारित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नवीनतम प्रयास का प्रमाण अंडमान में हो रही गहरी खुदाई है। अन्वेषण और उत्पादन के लिए सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं। अंडमान में अन्वेषण अच्छी खबर है और यह भारत के लिए गुयाना मोमेंट बन सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत में एक अनुमान के मुताबिक 35 लाख वर्ग किलोमीटर की तलछटी बेसिन है।

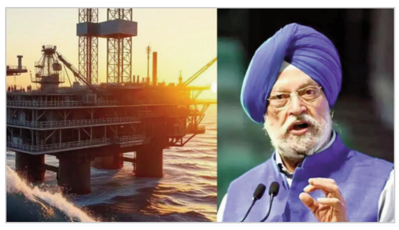

ये ऐसे इलाके होते हैं जहां झीलों, नदियों आदि के तल पर जमा रेत, पत्थर, कीचड़ के नीचे कच्चे तेल या गैस मिलने की संभावना होती है। पुरी के मुताबिक भारत ने कभी भी आठ प्रतिशत क्षेत्र से आगे अन्वेषण नहीं किया। इससे समुद्र तल का एक बड़ा हिस्सा ऐसा रह गया है जहां खोज नहीं की गई है। अब सरकार ने बेसिन के बड़े हिस्से में अन्वेषण का फैसला लिया है।

वित्त वर्ष 2023-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 फीसदी बढ़ेगी: मारुति सुजुकी

- मारुति 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है` कि कंपनी को 2030-31 तक रेलवे के माध्यम से वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। तब से हमने रेलवे के जरिये 25 लाख से अधिक यात्री वाहनों को भेजा है। एमएसआईएल के अे धिकारी ने कहा` कि हमने रेलवे के जरिये वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 में करीब पांच प्रतिशत था, और पिछले वर्ष 2024-25 में 24 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी मानेसर में नई सुविधा के साथ इसे और बढ़ाएगी। एक बार जब यह पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो हम सालाना 4.5 लाख वाहन भेज के ंगे। इससे वित्त वर्ष 2030-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पंजीकृत मानेसर 'रेलवे साइडिंग' को हरियाणा में सोनीपत से पलवल तक चलने वाले 126 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है।इस परियोजना को एक संयुक्त उद्यम फर्म हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचओआरसीएल) द्वारा क्रियान्वित किया गया है।संयुक्त उद्यम के तहत, एमएसआईएल ने एचओआरसी के विकास में 325 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अतिरिक्त एमएसआईएल ने आंतरिक यार्ड विकास पर लगभग 127 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे इसका कुल निवेश 452 करोड़ रुपये हो गया है।

तेजी से बढ़ती तेल की कीमतें शेयर बाजार के लिए नुकसानदायक नहीं!

वित्त वर्ष 2013-14 के बाद वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को भी मिलने लगा है महत्व

नई दिल्ली।

ऐसा कहा जाता है कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने का असर शेयर बाजार पर पड़ता है। लेकिन आंकड़े दिखाते हैं कि यह हमेशा सही नहीं होता। वित्त वर्ष 2012 में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 32 फीसदी बढ़कर 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचीं, तब निफ्टी 50 इंडेक्स में 9.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। लेकिन इसके अगले दो सालों में जब तेल की कीमतें 110 डॉलर (वित्त वर्ष 13) और 108 डॉलर (वित्त वर्ष 14) रही, तो निफ्टी ने नुकसान की बजाय फायदा दिखाया। उस समय भारत की जीडीपी ग्रोथ भी अच्छी थी। एक इक्नोमिक्स रिसर्च के प्रमुख बताते हैं कि 2007 से 2014 के बीच ट्रिपल डिजिट (100 डॉलर से ऊपर) तेल कीमतें आम थीं। लेकिन 2014 के बाद हालात बदले। अमेरिका ने अपने उत्पादन को बढ़ाया और शेल गैस का उपयोग शुरू किया।

वहीं चीन ने मैन्युफैक्चरिंग से हटकर सर्विस सेक्टर पर ध्यान देना शुरू किया। इन वजहों से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में नरमी आई। उनका कहना है कि 2013-14 के बाद वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत जैसे सोलर और विंड को भी महत्व मिलने लगा। बाजार ने कच्चे तेल के साथ-साथ इन विकल्पों को भी ध्यान में रखना शुरू कर दिया। इसलिए अगर तेल की कीमतें बहुत तेजी से और ज्यादा समय तक नहीं बढ़तीं, तो वे शेयर बाजार के लिए हमेशा नुकसानदेह नहीं होतीं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संघर्ष के चलते ऊर्जा बाजार में बड़ा असर पड़ सकता है। स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ एक अहम रास्ता है जहां से हर दिन करीब 17 मिलियन बैरल तेल गुजरता है। यह दुनिया की कुल आपूर्ति का करीब 20 फीसदी है। अगर यह रास्ता बाधित होता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

अगर तेल की कीमतें इतनी तेजी से बढ़ीं, तो दुनिया के विकसित देशों की ब्याज दरें घटने की उम्मीदें भी खत्म हो सकती हैं। महंगाई फिर से बढ़ सकती है और शेयर बाजार की तेजी रुक सकती है।

सड़कों पर आ रही हाइड्रोजन क्रांति

- अशोक लीलैंड, टाटा मोटर्स और अन्य कंपनियां कर रही पहल

नई दिल्ली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर इकाई से लेकर लेह के ठंडे इलाकों अथवा नई दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़कों तक भारत का वाणिज्यिक वाहन उद्योग हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों के जरिये ईंधन में बदलाव को रफ्तार दे रहा है। ईंधन में बदलाव की इस क्रांति का नेतृत्व अशोक लीलैंड और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन कंपनियां कर रही हैं। कई उद्योग के दिग्गज भी इस ओर छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विस्तार हैं, लेकिन मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) भी भविष्य के लिए रणनीतिक तौर पर कदम बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए अशोक लीलैंड ने 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से साझेदारी के तहत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक उतारा था। फिलहाल 20 से अधिक ऐसे वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और दो साल में ही इन वाहनों ने करीब 2.5 लाख किलोमीटर नाप लिए हैं। हाइड्रोजन से चलने वाले ये वाहन दक्षता के मामले में भी डीजल वाहनों के बराबर हैं। इतना ही नहीं, कंपनी ने दिल्ली, लेह एवं लद्दाख में हाइड्रोजन फ्यूल सेल वाली बसें तैनात करने के लिए एनटीपीसी ग्रीन के साथ करार भी किया है। टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन इंजन और फ्यूल सेल वाले दो ट्रकों का परीक्षण शुरू कर दिया है। परीक्षण मार्च में शुरू हुआ था जो अगले 24 महीनों तक चलेगा। इसमें विभिन्न भार क्षमता वाले 16 हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों को शामिल किया जाएगा।

आयात घटने से व्यापार घाटा हुआ कम, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात बढ़ा

- पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया

नई दिल्ली।

देश से वस्तुओं का निर्यात मई, 2025 में सालाना आधार पर 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 39.59 अरब डॉलर था। आयात घटने से व्यापार घाटा मई, 2024 के 22.51 अरब डॉलर से कम होकर 21.88 अरब डॉलर रह गया। उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया। यह आंकड़ा मई, 2024 के 61.68 अरब डॉलर की तुलना में 1.7 फीसदी कम है। कच्चे तेल और सोने का आयात घटने से यह गिरावट आई है। इस दौरान देश से 32.39 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया, जबकि आयात 17.14 अरब डॉलर रहा। वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात मई में 54.1 फीसदी बढ़कर 45.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 30.32 फीसदी घटकर 5.6 अरब डॉलर रहा। चावल, लौह अयस्क, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और कपड़ों की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई। चाय, कॉफी, मसाले, सभी प्रकार के वस्त्र, रसायन, समुद्री उत्पाद और फार्मा के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत से अमेरिका को निर्यात मई में 16.93 फीसदी बढ़कर 8.83 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, आयात में 5.76 फीसदी की गिरावट रही।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज सुबह रुपया कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.16 पर रहा।

भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ खर्च किए: रिपोर्ट

मुंबई। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए।तेल और वसा पर खर्च में गिरावटष्टस्द्धश्च के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67त्न की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78त्न की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है। बीते चार वर्षों में खर्च का आंकड़ा इस प्रकार है- 2023-24= चॉकलेट, जेम, चीनी= 6.60 लाख करोड़ सब्जियां= 5.95 लाख करोड़तेल वसा= 2.45 लाख करोड, 2022-23= चॉकलेट, जेम, चीनी= 5.51 लाख करोड़सब्जियां= 5.28 लाख करोड़तेल वसा= 3.05 लाख करोड़ 2021-22= चॉकलेट, जेम, चीनी= 4.71 लाख करोड़, सब्जियां= 5.06 लाख करोड़तेल वसा= 2.76 लाख करोड़ 2020-21= चॉकलेट, जेम, चीनी= 4.46 लाख करोड़, सब्जियां= 4.79 लाख करोड़, तेल वसा= 2.01 लाख करोड़स्वास्थ्य और कुल रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च में 18.75 फीसदी की बढ़त हुई है। वहीं कुल उपभोक्ता खर्च 9.72त्न बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

मलेशिया की सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह को दिए 15 लाख पाम बीज

किनाबाटांगन। मलेशिया की एक सरकारी एजेंसी ने भारतीय उपभोक्ता सामान कंपनी पतंजलि समूह को अभी तक पाम के 15 लाख बीज की आपूर्ति की है। मलेशिया की इस सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह के साथ पांच साल का अनुबंध किया है जो 2027 में समाप्त हो रहा है। इस अवधि में एजेंसी पाम के कुल 40 लाख बीज की आपूर्ति करेगी। मलेशिया, भारत को पाम तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी सरकारी एजेंसी ने पाम के बीजों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत, पाम तेल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने के वास्ते घरेलू स्तर पर इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहा है। इस अनुबंध पर सावित किनाबालु समूह की बीज से जुड़ी अनुषंगी कंपनी ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुषंगी कंपनी हर वर्ष पाम के एक करोड़ बीजों को संसाधित करती है।

भारत से ईरान में चावल का एक्सपोर्ट लगभग ठप

- ड्राई फ्रूट्स मार्केट में भी अफरा-तफरी

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि भारत से ईरान में चावल का निर्यात लगभग ठप हो गया है। चावल कारोबारियों के मुताबिक, ईरान में भारत के चावल की सप्लाई ठप होने से प्रति किलो चावल के भाव में 10 रुपये की गिरावट आई है। उधर, ड्राई फ्रूट्स के दामों में उछाल आया है। जानकारी के मुताबिक भारत से बासमती सेला चावल की सबसे ज्यादा सप्लाई ईरान में होती है। लेकिन इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के चलते बीते चार दिनों से भारत से चावल की सप्लाई ठप हो गई है। जिससे चावल कारोबारियों में खलबली मच गई है। नया बाजार के एक चावल कारोबारी ने बताया कि चावल इंडस्ट्री में डर का माहौल है। शुक्रवार को शुरू हुए इस युद्ध के बाद ईरान में बासमती सेला की सप्लाई ठप हो गई है। हजारों टन चावल बीच रास्तों में फंस गए हैं। कुछ टन माल वापस हो गया है। जिससे कारोबारी परेशान हैं। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने से पहले बासमती सेला चावल का थोक दाम लगभग 70 रुपये था, लेकिन बीते चार दिनों में प्रति किलो दाम में 10 रुपये की गिरावट आई है।

कच्चा तेल महंगा होने से चालू खाते का घाटा बढ़ने की आशंका

- रुपये पर दबाव पड़ने की भी आशंका

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारत का चालू खाते का घाटा (सीएडी) बढ़ सकता है। इससे रुपये पर दबाव पड़ने की भी आशंका है। हालांकि अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें एक दायरे में बनी रहती हैं तो वृद्धि और मुद्रास्फीति के समीकरण पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारत कच्चे तेल की अपनी 85 फीसदी से अधिक जरूरतों को आयात के जरिये पूरा करता है। इसलिए वैश्विक मूल्य में उतार-चढ़ाव उसके लिए काफी मायने रखता है। मई में ब्रेंट क्रूड की कीमत हालिया 60 से 61 डॉलर प्रति बैरल के निचले स्तर से बढ़कर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल हो गई। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कच्चे तेल के इंडियन बास्केट की कीमत मई में 64 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 13 जून तक 73.1 डॉलर प्रति बैरल हो गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारत पर वृहद कारकों का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि तेल की कीमतों में आई हालिया तेजी आगे भी बरकरार रहती है या नहीं। उन्होंने कहा` कि अगर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं और 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचती हैं तो उसका प्रभाव वित्त वर्ष 2026 के लिए हमारे सीएडी अनुमान में 30 से 40 आधार अंकों की वृद्धि के रूप में दिख सकता है। भारत ने 2020 से ही ईरान से कच्चे तेल का आयात बंद कर दिया था। भारत का रूस से कच्चे तेल आयात 2022 से पहले लगभग शून्य था जो अब बढ़कर 35 से 40 फीसदी हो चुका है। हालांकि खाड़ी देशों से कच्चे तेल के आयात पर भारत की निर्भरता काफी कम हो गई है। मगर कच्चे तेल का करीब दो-तिहाई और एलएनजी का 50 फीसदी आयात अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है जिसे ईरान ने अब बंद करने की धमकी दी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई । बीएसई सेंसेक्स 212.85 अंक तकरीबन (0.26 फीसदी) की गिरावट के साथ ही 81,583.30 अंकों पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 93.10 अंकों (0.37फीसदी) नीचे आकर 24,853.40 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ पर आज आज बाजार ने ये तेजी गंवा दी। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 9 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही जबकि बाकी की 21 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए और बाकी की सभी 39 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि सनफार्मा के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.18 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज , इंफोसिस 0.92, मारुति सुजुकी 0.60, एनटीपीसी 0.48, टीसीएस 0.46, एचसीएल टेक 0.40, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.18 और पावरग्रिड के शेयर 0.12 फीसदी की बढ़त पर बंद हुए जबकि एटरनल (जोमेटो) के शेयर 1.92 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.70 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.58 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.40फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.28फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.28फीसदी, टाटा स्टील 0.97फीसदी, टाइटन 0.88फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.87फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.62फीसदी, रिलायंस 0.50फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.45फीसदी, भारती एयरटेल 0.40फीसदी, एक्सिस बैंक 0.37फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.28फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.20फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.18फीसदी, आईटीसी 0.12फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.11फीसदी की गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार` गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी और फार्मा सेक्टर में बिकवाली दर्ज की गई। सेंसेक्स 186.35 अंक की गिरावट के साथ 81,609.80 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 68.20 अंक की गिरावट के साथ 24,878.30 पर कारोबार कर रहा था।

निफ्टी बैंक 30.10 अंक की गिरावट के साथ 55,914.80 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 36.40 अंक की गिरावट के साथ 58,732.10 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 66.30 अंक की गिरावट के साथ 18,482.90 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार ईरान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने निवेशकों को चिंतित कर दिया है जिससे भी बाजार में निकासी बढ़ी। वहीं एशियाई बाजारों में बैंकॉक, जकार्ता, जापान और सोल हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि हांगकांग और चीन लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स 317.30 अंक की बढ़त के साथ 42,515.09 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 56.14 अंक की बढ़त के साथ 6,033.11 पर और नैस्डैक 294.39 अंक की बढ़त के साथ 19,701.21 पर बंद हुआ।

आने वाले हफ्तों में खाद्य तेलों की कीमतों में आएगी गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू खुदरा बाजार में आने वाले हफ्तों में खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट होगी है। इसकी वजह रिफाइनर्स की ओर से लागत में कमी को ग्राहकों को हस्तांतरित करना है। रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य तेलों की कीमतों में कमी आने की संभावना की वजह केंद्र सरकार द्वारा 30 मई को कस्टम ड्यूटी में कटौती करना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खाद्य तेल कंपनियों को अपने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कमी करने और वितरक को मूल्य (पीटीडी) दरों पर साप्ताहिक अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

मई में खाद्य मुद्रास्फीति घटकर 2.8 प्रतिशत पर आ गई और भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य से अधिक मजबूत मानसून का अनुमान जाहिर किया है, इन घटनाक्रमों से सामूहिक रूप से खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में गिरावट के ट्रेंड को रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में बताया गया कि कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच शुल्क अंतर में वृद्धि से घरेलू रिफाइनरों की प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी। कच्चे पाम तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को अब घटाकर 10 प्रतिशत की गई है और रिफाइंड खाद्य तेलों पर कस्टम ड्यूटी 32.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित है, जिससे कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच कस्टम ड्यूटी अंतर 8.25 प्रतिशत से बढ़कर 19.25 प्रतिशत हो गया है।

संशोधित कस्टम ड्यूटी स्ट्रक्चर से प्रमुख खिलाड़ियों को लाभ मिलने की उम्मीद है क्योंकि इससे रिफाइनर रिफाइंड तेलों के बजाय कच्चे खाद्य तेल के आयात को प्राथमिकता देगा।

भारत खाद्य तेलों में दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है। देश अपनी जरूरतों का 55-60 प्रतिशत इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है। ऑयल साल 2023-24 में भारत ने 15.96 मिलियन टन (एमटी) खाद्य तेलों का आयात किया है। इसमें पाम ऑयल की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत थी, जबकि बाकी की हिस्सेदारी सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल की थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बेचे एशियन पेंट के 85 लाख शेयर

- सौदे की कीमत करीब 1,876 करोड़ रही

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एशियन पेंट्स के 85 लाख शेयर ओपन मार्केट में बेच दिए। इस सौदे की कीमत करीब 1,876 करोड़ रही। कुछ दिन पहले रिलायंस ने एशियन पेंट्स में 3.50 करोड़ शेयर बेच दिए थे। अब उसी के बाद यह नई बिक्री की गई है। डील का असर मंगलवार को देखने को मिला। मंगलवार की सुबह शुरुआत मे शेयर 1441.30 पर कारोबार कर रहा था। यह बीते दिन से 0.19 फीसदी की तेजी है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ब्लॉक डील डेटा के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी सिद्धांत कमर्शियल्स ने ये 85 लाख शेयर बेचे। ये एशियन पेंट्स में कंपनी की 0.88 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। ये शेयर 2,207 के औसत भाव पर बेचे गए, जिससे कुल डील 1,875.95 करोड़ की बनी। इस डील में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने सभी शेयर खरीदे। 2,207 के भाव पर खरीदी गई इस हिस्सेदारी के बाद फंड की एशियन पेंट्स में हिस्सेदारी 1.24 फीसदी से बढ़कर 2.12 फीसदी हो गई है।

साइप्रस यात्रा के जरिए तुर्की को कूटनीतिक जवाब

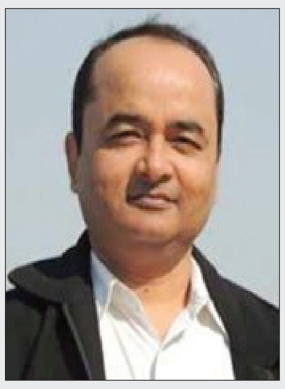

उमेश चतुर्वेदी

दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी से पूछा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत की कार्रवाई इतनी सटीक क्यों रही? पाकिस्तान की खुफिया सेवा इसे भांप क्यों नहीं पाई, पाकिस्तानी राजनेता और सेना क्यों भारतीय कार्रवाई का अंदाजा नहीं लगा पाए। सवाल खत्म होते ही प्रधानमंत्री ठठाकर हंस पड़े। हंसते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना और राजनीति भारत के विपक्षी दलों की ही तरह हैं। जिस तरह वे मेरे बारे में अंदाजा नहीं लगा सकते, कुछ उसी तरह पाकिस्तानी भी अंदाजा नहीं लगा सकते।

दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊं फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया। साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की। ऐसे में सवाल यह उठ सकता है कि साइप्रस की यह अचानक यात्रा क्यों ?

इस सवाल के जवाब में एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई घटनाओं की ओर लौटना होगा। याद कीजिए, तब पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन के जरिए सैकड़ों हमले किए थे। उन हमलों को बेशक भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। साइप्रस की यात्रा के लिए हमें उन हमलों में इस्तेमाल हुए ड्रोन को देखना होगा। पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से हमले किए, ज्यादातर तुर्की में बने सोनगार ड्रोन थे। हवाई हमलों में तुर्की के इन ड्रोन को बेहद मारक माना जाता है। हालांकि वे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के सामने बेकार ही साबित हुए। कूटनीतिक हलकों को पता है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने पाकिस्तान को उपलब्ध कराया। अर्दोआन ने पर्दे के पीछे से पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, भारत ने जब इस बात को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखा तो अर्दोआन ने ट्वीटर पर 'पाकिस्तान-तुर्की दोस्ती जिंदाबाद' लिखकर एक तरह से भारत के आरोप को साबित कर दिया। इसे भारत को मुंह चिढ़ाना भी कह सकते हैं। यह उस तुर्की का कदम था, जिसे भारत ने दो साल पहले दिल खोलकर मानवीय आधार पर सहयोग दिया था। छह फरवरी 2023 को तुर्की में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, उस झटके में तुर्की में 53 हजार लोगों की मौत हो गई थी, हजारों लोग घायल हो गए थे। जान-माल के भारी नुकसान के बाद भारत ने मानवीय सहायता के साथ ही विशेषज्ञों की टीम के साथ बचाव दल भेजा था। राहत के तुर्की पहुंचने वाली टीमों में भारत की टीम भी शामिल थी। तुर्की के राष्ट्रपति ने जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से दोस्ती को जगजाहिर किया तो उसे भारत के लोगों ने भारत के लिए मुंह चिढ़ाना माना। रही-सही कसर पूरी हुई मई के आखिर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तुर्की की यात्रा से। तब भारत के सामने अर्दोआन के रूख को लेकर कोई गुंजाइश ही नहीं रही। तुर्की को लेकर भारतीय समुदाय की सोच अब भी ऐसी ही है। ऐसा नहीं कि पहली बार तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए ऐसा कदम उठाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के पक्ष में अर्दोआन सहयोगी भूमिका पेश करते रहे हैं। इन वजहों से तुर्की को लेकर भारत में गुस्सा भी बहुत रहा है। कश्मीर के मसले पर तुर्की हर बार पाकिस्तान के साथ ही खड़ा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस दौरा भारत के उसी गुस्से की अभिव्यक्ति और भारत को मुंह चिढ़ाने के अर्दोआन के प्रयासों का जवाब माना जा सकता है। इसकी वजह है कि साइप्रस और तुर्की के बीच जारी बरसों पुराना विवाद। साइप्रस में यूनानी और तुर्की मूल के लोग रहते हैं। तुर्की के दोनों समुदायों में नस्ली आधार पर विवाद रहा है। साइप्रस में साल 1974 में तत्कालीन सरकार के खिलाफ यूनानी मूल के आतंकी समूहों ने तख्तापलट की कोशिश की। इसे तुर्की ने अपने लोगों के खिलाफ युद्ध माना। इसके बाद तुर्की ने साइप्रस पर हमला कर दिया। इस दौरान तुर्की की सेनाओं ने साइप्रस के दूसरे नंबर के मशहूर शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। यह शहर अपने बहुमंजिला भवनों के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पूरे साल सैलानी आते रहते थे। लेकिन जब से तुर्की के कब्जे में यह शहर है, सैलानियों के लिए तरस रहा है। तुर्की की सेना के 35 हजार जवान यहां तैनात हैं। इसके बाद से एक तरह से यह द्वीपीय देश दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्की के कब्जे वाले इलाके को तुर्की ने राष्ट्र का दर्जा दे रखा है। दिलचस्प है कि इस राष्ट्र के अस्तित्व को तुर्की के अलावा कोई देश स्वीकार नहीं करता। साइप्रस यूरोपीय संघ का भी सदस्य है और एक जनवरी 2026 से वह संघ का अध्यक्ष बनने जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत को उम्मीद है कि साइप्रस के अध्यक्ष रहते यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाएगा। साइप्रस ने कई मौकों पर भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की दावेदारी का समर्थन कर चुका है।

मोदी ने साइप्रस जाकर दो संदेश देने की कोशिश की है। पहला संदेश तुर्की के लिए है। भारत ने जता दिया है कि वह साइप्रस को सहयोग देगा और साइप्रस से सहयोग लेगा। वैसे भी साइप्रस के आईटी उद्योग और पर्यटन में भारत के हजारों लोग कार्यरत हैं। साइप्रस स्थित भारतीय हाईकमीशन के मुताबिक साइप्रस में साढ़े ग्यारह हजार लोग रहते हैं। मोदी की साइप्रस यात्रा का दूसरा संदेश भारतीयों के लिए है। पहले भारत से बहुत सारे सैलानी तुर्की जाते थे, लेकिन अब वे साइप्रस जाएंगे। वैसे पाकिस्तान के सहयोग के खुलासे के बाद से ही तुर्की के लिए बुक टिकटों को भारतीयों ने कैंसल कराना शुरू कर दिया था। मोदी की कोशिश साइप्रस को बढ़ाकर तुर्की की आर्थिक रीढ़ पर चोट पहुंचाना है। साथ ही तुर्की को संदेश देना है कि जरूरत पड़ने पर भारत तुर्की के खिलाफ कड़े कदम भी उठा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कनाडा जाते हुए साइप्रस की यात्रा से तुर्की को भी चौंकाया है। तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोआन ने 2021 में कहा था कि साइप्रस की जिम्मेदारी तुर्की की है। यानी एक तरह से वह साइप्रस के एकीकरण के संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव के खिलाफ हैं। हालांकि अर्दोआन के कदम का इजरायल कड़ा विरोध करता है। साइप्रस की मौजूदा सरकार के साथ इजरायल मजबूती से खड़ा है। जाहिर है कि तुर्की के कदम का इजरायल विरोध कर रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की यात्रा के बाद इजरायल, भारत और साइप्रस संबंधों को भी गति मिलने की संभावना है। दुनिया इन दिनों चीन के 'वन बेल्ट-वन रोड' के जवाब में मध्य पूर्व के देशों के साथ यूरोप 'इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर' यानी आईएमईसी पर काम कर रहा है। भारत की साइप्रस यात्रा इस कॉरीडोर में भारत की संभावनाओं की भी खोज करती है। साइप्रस जाने वाली पहली भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी रहीं, जिन्होंने 1983 में इस देश का दौरा किया था, इसके उन्नीस साल बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने साइप्रस की यात्रा की थी। इसके 23 साल बाद मोदी की यात्रा हो रही है। यह यात्रा तुर्की को जवाब भी है और भारत की यूरोपी संघ से सीधे कारोबारी संपर्क की कोशिश भी।

संपादकीय

सतर्कता है जरूरी

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पांच घाटी जिलों में छापामारी कर तीन सौ राइफलें व अन्य हथियार बरामद किए। इसके साथ ही जबरन वसूली करने वाले प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को भी गिरफ्तार किया। मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, सेना व असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने विस्फोटकों व अन्य युद्ध सामग्री बरामद की। इसमें 151 एसएलआर राइफलें, 65 इंसास राइफलें, 73 अन्य प्रकार की राइफलें, बारह हल्की मशीन गनें, पांच कार्बाइन गन, दो एमपी-5 गन, छह एके सीरीज राइफलें, दो अमोघ राइफल, एक मोर्टार, छह पिस्तौलें, दो फ्लेयर बंदूकें, दस ग्रेनेड, सात डेटोनेटर व एक एआर-15 समेत कुल 328 बंदूकें व राइफलें बरामद कीं। यह खुफिया ऑप्रेशन मणिपुर में समान्य स्थिति बहाल करने, सार्वजनिक व्यवस्था कायम करने, नागरिकों व उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिहाज से किया गया। राज्य की पुलिस ने आम जनता से व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियारों से जुड़ी सूचना तत्काल नजदीकी पुलस स्टेशन या केंद्रीय निरीक्षण केंद्र को राज्य में सामान्य देने की अपील की है। जब्त किया गया जखीरा देख कर कहा जा सकता है कि आतंकी युद्ध की भूमिका बना रहे हैं। उनका असल मकसद कुकी व मैतई विद्रोह के बीच फायदा उठाकर राज्य में अमन-चैन तबाह करना है। राज्य की सार्वजनिक व्यवस्था सुचारू बनाने व सामान्य स्थिति बहाल करने के सरकारी प्रयास जारी हैं। लंबे अरसे से संघषर्रत राज्य में आम जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित है। बड़ी संख्या में लोग पड़ोसी राज्यों में पलायन कर चुके हैं। रोजगार व आमदनी के साधन चरमरा चुके हैं। घर, दुकान, प्रतिष्ठानों कों बहुत क्षति पहुंची है। इतनी बड़ी संख्या में हथियारों की बरामदगी आतंकियों/ उपद्रवियों के इरादों की द्योतक है। मगर सवाल यह भी है कि चाक-चौबंद सुरक्षा-व्यवस्था व मुस्तैदी के दरम्यान ये अवैध हथियार कैसे राज्य की सीमा के भीतर पहुंच रहे हैं। सीमाओं पर सख्ती के अतिरिक्त घाटी वाले इलाकों पर सतर्कता जरूरी है। राजनीति से इतर इस संघर्ष को रोकने के तत्काल प्रयास बेहद जरूरी हैं। केंद्र द्वारा की जाने वाली उपेक्षा को लेकर पूर्वोत्तर राज्य हमेशा त्योरियां चढाये रहते हैं। इस पर विचार किया जाना चाहिए। इन छोटे राज्यों के विकास और स्थानीय युवाओं को राजगार देने जैसी मूल दिक्कतों का निस्तारण करने में लापरवाही हमेशा नकारात्मक नतीजे ही देने वाली साबित होगी।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

इजरायल-ईरान युद्ध में परमाणु हथियारों की चर्चा पर दुनियाँ सहमीं

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर वर्तमान समय में दो दो देशों में बहुत लंबे समय से चल रहे युद्ध के पीछे चल रही ताकतों को सब जानते हैं, क्योंकि कोई भी देश के लिए सिर्फ अपने अकेले के बल पर इतनी ताकत से लंबी लड़ाई लड़ना संभव नहीं है, हालांकि सब जानते हैं कि इन युद्धों के पीछे कौन सी ताकत है खड़ी है? मेरा मानना है कि इन ताकतों को अपने स्टेटस को छोड़कर, दो-दो कदम आगे पीछे होकर मामला उलझा कर युद्ध विराम को प्राथमिकता देना जरूरी है,वरना किसी भी देश ने परमाणु वेपंस के इस्तेमाल की शुरूआत की तो लपेटेमें पूरी दुनियाँ आ जाएगी, जिसका परिणाम हिरोशिमा नागासाकी से भी भयंकर आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से इस आर्टिकल के माध्यम से पर्दे के पीछे सभी देशों, गुटों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह अंध समर्थन बंद कर सुलह का रास्ता निकालकर इजरायल- ईरान- हमास, रूस-यूक्रेन सहित अनेकों देशों में आपसी टकराव को सुलझाने के लिए आगे आए ताकि पूरी दुनियाँ एक जंग का अखाड़ा ना बन सके, क्योंकि कुछ देश खुलकर समर्थन में आ रहे हैं तो कुछ देशों ने पर्दे के पीछे समर्थन देकर लड़ाई करने वाले देशों को बढ़ावा दे रहे हैं, मेरा मानना है इसे बंद कर शांति की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमारे पीएम साहब भी हमेशा यही अपील करते रहते हैं। परमाणु वेपंस का उपयोग हुआ तो मेरे विचार से पूरी दुनियाँ दहल जाएगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच?दुनियाँ दो गुटों में बंटने की ओर बढ़ी, तीसरे विश्व युद्ध की आहट?

साथियों बात अगर हम इजरायल ईरान युद्ध की करें तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुकाहै,इजरायल और ईरान के बीच 13-14 जून 2025 को शुरू हुआ सैन्य टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, इजरायल की ओर से तेहरान में परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया,जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल के तेल अवीव, हाइफा और बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष हर बीतते घंटे के साथ और बढ़ता जा रहा है,सोमवार देर शाम को इजरायल ने एक बार फिर मध्य ईरान पर हवाई हमले किए, इधर ईरान ने भी इजरायल पर अब तक लगभग 400 बैलेस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है, वहीं एक न्यूज से इजरायल के पीएम ने कहा है कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही क्षेत्र में शांति आएगी। इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में नेशनल टीवी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम गिराए।घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें एंकर को स्टूडियो से भागते हुए देखा गया।

साथियों बात अगर हम इजरायल -ईरान के भयावह होते युद्ध को हम 10 प्वाइंटों में समझने की करें तो (1) इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है और दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है,इजरायल ने ईरान पर बड़ा हमला किया, जिसमें ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया. ईरान ने इजरायल के हमले का जवाब देने के लिए ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस लॉन्च किया है, इसके तहत ईरान ने इजरायल पर 100 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इजरायल की सेना ने अपने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शरण लें, (2) वहीं, रविवार को एक बार फिर इजरायल के आसमान में ईरानी मिसाइलों की बौछार हुई, जबकि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है, इजरायल की सेना ने कहा कि ईरान की मिसाइलें आ रही हैं, यरुशलम में सायरन की आवाजें सुनाई दे रही हैं, जबकि कई वीडियो में तेल अवीव और यरुशलम के आसमान पर मिसाइलें दिखाई दे रही हैं और उनमें से कई को इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोक दिया गया है,(3) ईरान ने शिराज शहर से इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बारिश कर दी है, जिससे उत्तर में हाइफा से लेकर दक्षिण में ईलाट तक लगभग पूरे इजराजल में रेड अलर्ट जारी किया गया. तेल अवीव, यरुशलम, बेयर शेवा, हाइफा और दर्जनों अन्य शहरों में हवाई हमले के सायरन की आवाज सुनी गईं, (4) सेना ने कहा है कि ईरानी मिसाइलों की बौछार से इजरायल में कई जगहों पर हमला हुआ है. आरटी इंटरनेशनल की एक पोस्ट के अनुसार, ईरान के हमलों के बाद हाइफा शहर में भीषण आग देखी गई,इसने अनाम इजरायली अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक इस हमले में चार लोग घायल हुए हैं, (5) ईरान में भी नजारा कुछ अलग नहीं है. तेहरान से आई तस्वीरों में रात के समय आसमान में ईंधन डिपो में लगी आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यह आग इजरायल द्वारा ईरान के तेल और गैस क्षेत्र पर हमले शुरू करने के बाद लगी है, इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था और ईरानी राज्य के कामकाज पर खतरा बढ़ गया है। (6) ईरान ने शनिवार की देर रात तेल अवीव द्वारा ईरानी परमाणु संयंत्रों, मिसाइल कारखानों और सैन्य कमांड केंद्रों पर किए गए हमले के जवाब में इजरायल के हाइफा पोर्ट और पास की एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, हवाई हमलों में शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। (7) हाइफा शहर के स्काईलाइन पर मिसाइलें नजर आईं, जिससे वहां के लोग दहशत में थे, ईरान लगातार बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन से हमला करता रहा और इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम इन मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट करने में जुट गया,(8) पोर्ट पर रासायनिक टर्मिनल में छर्रे गिरे और कुछ अन्य मिसाइल तेल रिफाइनरी पर गिरे, लेकिन पोर्ट की सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं हुआ, बताया जाता है कि रिफाइनरी पोर्ट से कुछ दूरी पर है, हाइफा पोर्ट उत्तरी इजरायल में स्थित एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पोर्ट है, जो दक्षिण की तुलना में अपेक्षाकृत कम अस्थिर क्षेत्र है. यह देश के आयात और निर्यात दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण पोर्ट है, (9) ईरान द्वारा लगातार दूसरी रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद तनाव में वृद्धि हुई है. ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि हाइफा तेल रिफाइनरी पर सीधा हमला हुआ है, जिससे उत्तरी पोर्ट शहर के पास भीषण आग लग गई, मिसाइल हमला हाइफा के पास तमरा में एक आवासीय इमारत पर हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम 14 अन्य घायल हो गए,(10) इजरायल और ईरान ने रविवार रात को एक-दूसरे पर फिर से हमले किए, जिसमें कई लोग मारे गए।

क्रिकेट : बनी होप कैच के रोमांच पर लगाम

मनोज चतुर्वेदी

पिछले साल टी-20 विश्व कप के फाइनल में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने डेविड मिलर का कैच पकड़कर पांसा पलट दिया था।

इस कैच को यादगार कैचों में शुमार किया जाता है। पर रोमांच पैदा करने वाले इस तरह के कैच अब देखने को नहीं मिलेंगे। बनी होप कहलाने वाले इन कैचों को आईसीसी के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने अवैध करार दे दिया है। इस तरह के कैचों के लिए अब नया नियम बना दिया है।

एमसीसी द्वारा बनाए नए नियम के हिसाब से कोई खिलाड़ी बाउंड्री लाइन पर मौजूद फील्डर यदि कैच पकड़ने के लिए उछलता है और वह गेंद पकढ़ते समय समझता है कि वह सीमा रेखा के बाहर जा रहा है तो वह गेंद को उछालकर सीमा रेखा के अंदर पकड़कर ही कैच पूरा कर सकता है। अगर वह गेंद सीमा रेखा के बाहर उछालकर और फिर बाहर जाकर हवा में रहते हुए, फिर से गेंद को अंदर उछालकर पड़ता है तो इस कैच को मान्य नहीं माना जाएगा। इसके अलावा खिलाड़ी ने बाउंड्री लाइन से बाहर जाकर हवा में रखकर गेंद उछाली तो खुद उसे ही मैदान में अंदर आकर पकड़ना होगा। अगर कोई दूसरा फील्डर इस मैच को पकड़ता है तो इसे अमान्य कर दिया जाएगा। क्रिकेट नियमों बदलाव एक अनवरत प्रक्रिया है।

खेल को और रुचिकर बनाने के उद्देश्य से नियमों में बदलाव हमेशा ही होते रहे हैं। इन नियमों में बदलाव का उद्देश्य एक तो बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों में संतुलन बनाए रखना होता है। पिछले कुछ सालों में बनी होप कैचों ने क्रिकेट में नया रोमांच तो पैदा किया है। पर कई बार दर्शकों को लगता है कि यह बल्लेबाजों के प्रति अन्याय है और जिस शॉट पर उसे छक्का मिलना चाहिए था, उस पर उसे आउट दे दिया गया। 2023 की बिग बैश लीग में माइकल नेसर द्वारा पकड़े एक कैच पर सवाल उठे।

इसी तरह बिग बैश लीग में ही 2020 में मैथ्यूवेड के कैच को लेकर भी सवाल उठे तो इस पर आईसीसी ने कैच के इस नियम की एमसीसी से समीक्षा करने को कहा था। एमसीसी ने समीक्षा के दौरान पाया कि यदि गेंद को उछालने वाला ही मैदान में अंदर आकर कैच पकड़े तब ही कैच मान्य होगा। मैथ्यू वेड के कैच मामले में मैट रैनशॉ बाहर से अंदर गेंद उछालने के बाद खुद बाहर ही गिर गए थे। अब नये नियम में सिर्फ एक बार ही गेंद को हवा में उछाला जा सकेगा। यह नियम श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 17 जून से गॉल में खेले जाने वाले टेस्ट से लागू होगा। असल में इस टेस्ट से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की नई साइकिल शुरू हो रही है।

एमसीसी अधिकृत तौर पर इस नियम को अक्टूबर 2026 से लागू करेगा। आईसीसी क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए नियमों में बदलाव करता रहता है। इस सोच का ही नतीजा है कि टेस्ट मैचों से शुरूआत के बाद यह वनडे और टी-20 प्रारूप तक आ पहुंचा है। साथ ही आईसीसी की क्रिकेट समिति भी समय-समय पर हालात के हिसाब से नियमों में बदलाव करती रहती है। जिस तरह कोविड के समय में लार के माध्यम से वह फैल सकता था, तो गेंद की चमक बनाए रखने के लिए लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसके लिए गेंदबाजों ने पसीने का इस्तेमाल करना शुरू किया, लेकिन लार के इस्तेमाल पर रोक से गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग में दिक्कत आने लगी, क्योंकि वह गेंद की एक साइड को चमका नहीं पा रहे थे।

पर आईपीएल के इस सत्र में लार के इस्तेमाल की छूट दे दी गई। हम सभी जानते हैं कि क्रिकेटप्रेमियों को स्टेडियम तक खींचकर लाने में बल्लेबाजों के विस्फोटक अंदाज की सबसे अहम भूमिका होती है। ऐसा नहीं है कि क्रिकेटप्रेमी अच्छी गेंदबाजी को पसंद नहीं करते हैं। पर उन्हें मजा चौके-छक्के देखने में ही आता है। इस कारण ज्यादातर नियम बल्लेबाजों के पक्ष वाले ही होते हैं, क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोगों के मैच देखने का आईसीसी की कमाई से सीधा संबंध होता है। पर आईसीसी इस बात का ख्याल भी रखता है कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन बना रहे। इसी को ध्यान में रखकर वनडे मैचों में दो गेंदों के इस्तेमाल की शुरूआत हुई, क्योंकि पहले गेंद पुरानी होते ही बल्लेबाज हावी हो जाया करते थे। पर एमसीसी ने दो गेंदों के नियम में भी थोड़ा बदलाव किया है। अभी तक 50 ओवर के मैच में एक गेंद से 25 ओवर फेंके जाते थे। पर नए नियम के मुताबिक वनडे मैचों में 34 ओवर तक दो गेंदों से गेंदबाजी होगी और बाकी 16 ओवरों के लिए फील्डिंग टीम इन दो गेंदों में से किसी एक गेंद का इस्तेमाल कर सकेगी।

आईसीसी ने कुछ सालों पहले खेल रहे किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह खिलाड़ी देने के लिए कन्कशन नियम बनाया था। इसमें खिलाड़ी के चोटिल होने पर ही बताया जाता था कि उसकी जगह किसे खिलाएंगे, लेकिन अब टीमों को मैच शुरू होने से पहले मैच रेफरी को कन्कशन के लिए पांच खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी। इसमें एक बल्लेबाज, एक कीपर, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर का नाम शामिल करना होगा।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार... दिल्ली-एनसीआर में बारिश, बिहार-झारखंड में भी मौसम बदला

मप्र में 19 जिलों को कवर किया मानसून

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मंगलवार को फिर आगे बढ़ा है। मॉनसून उत्तरी अरब सागर और गुजरात के अतिरिक्त भागों के साथ-साथ विदर्भ के बचे हुए हिस्सों में आगे बढ़ा है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से, छत्तीसगढ़ के अधिकांश हिस्से, ओडिशा के शेष क्षेत्र, झारखंड के कुछ हिस्से, समूचा गंगा का तटीय क्षेत्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के बचे हुए क्षेत्र और बिहार के कुछ हिस्से भी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के प्रभाव में आ गए हैं। इसके साथ ही देश की राजधानी दिल्ली के मौसम में भी तब्दीली आई है। दोपहर से दिल्ली-नोएडा समेत इसके आसपास के इलाकों में हल्की बारिश शुरू हुई है।

वहीं इंदौर समेत मध्यप्रदेश के 15 जिलों में मंगलवार को मानसून ने दस्तक दे दी। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम प्रदेश में अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, हरदा, खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जिलों में पहुंच गया। आज 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। इससे पहले सोमवार को बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर और खंडवा में मानसून पहुंचा था। इस तरह मानसून ने 2 दिन में प्रदेश के 19 जिलों को कवर कर लिया है। इधर, मंगलवार सुबह करीब 11 बजे छिंदवाड़ा में तेज बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों- जुन्नारदेव, बिछुआ, नवेगांव में भी पानी गिरा। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन में मानसून भोपाल में दस्तक दे सकता है। वहीं, सबसे आखिरी में ग्वालियर-चंबल में पहुंचेगा। मौसम विभाग की मानें तो एक सप्ताह में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर लेगा। इससे पहले प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर रहेगा। कहीं-कहीं भारी या अति भारी बारिश भी हो सकती है।

जबलपुर समेत 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकांश हिस्से में मौसम का मिजाज बदलने का अनुमान जताया है। उमरिया, शहडोल, मैहर और सीधी में तूफानी हवा चलने का अलर्ट है। हवा की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। सिंगरौली, सतना, कटनी, पन्ना, अनूपपुर, डिंडौरी, रीवा, जबलपुर में भी तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। मुरैना, छिंदवाड़ा, बैतूल, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, श्योपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़, सतना, मऊगंज, सागर, अलीराजपुर, रतलाम, भिंड, मंदसौर, नीमच, आगर-मालवा, खंडवा, देवास और राजगढ़ में बिजली गिरने के साथ हल्की आंधी चल सकती है।

जनगणना का काम देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने मोदी सरकार से कहा कि जनगणना का काम देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए। बसपा मुखिया ने पोस्ट कर लिखा कि भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां वर्णित की हैं, वे जमीनी हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात जन और देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, सही समय आने पर जनता खुद उनका जवाब दे देगी, जिसकी पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रीय और जातीय जनगणना का भी कार्य कांग्रेस के समय से लटका हुआ था, जिस पर काफी आवाज उठाने के बाद अब मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। केंद्र की सरकार इस पर ध्यान दे। मायावती ने कहा कि इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने और उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से संबंधित दिए गए कार्यों की समीक्षा उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी छोटी-छोटी बैठकों के जरिए विचार-विमर्श लगातार जारी है। पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान जरूरी है। यह अभियान मेरे द्वारा बैठकों से शुरू होकर अनवरत जारी है। ताजा बैठक पूर्वांचल में पार्टी संगठन की तैयारी और जनाधार को बढ़ाने के संबंध में हुई और सख्ती भी की गई। साथ ही, बिहार में होने वाले विधानसभा आम चुनाव से सम्बन्धित रणनीति पर भी तैयारी जारी है ताकि बेहतर रिजल्ट आ सके।

चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवा बहाल, डीजीसीए की गाइडलाइन के मुताबिक संचालित

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवा को बहाल कर दिया गया है। इसके पहले हेलिकॉप्टर सेवा को हादसे के बाद कुछ समय के लिए स्थगित हुआ था। अब इस हेलीकॉप्टर सेवा को फिर से बहाल किया गया है। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी की सीईओ सोनिका ने ये जानकारी दी है। गौरतलब है कि केदारनाथ घाटी में एक प्राइवेट हेलीकॉप्टर का एक्सीडेंट हो गया था। इसमें पांच श्रद्धालुओं सहित सात लोगों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं कुछ दिनों के लिए रोक दिया था। हेली उड़ानों के लिए कोई परेशानी ना हो इसके लिए राज्य सरकार ने कमांड एंड कोऑर्डिनेशन सेंटर स्थापित करने का निर्देश दिया है। सोनिका का कहना है कि हेलीकॉप्टर सेवाएं अब डीजीसीए की गाइडलाइन के मुताबिक संचालित होंगी। सरकार ने सभी हेली ऑपरेटरों और पायलटों को भी निर्देश दिया है कि उनकी जांच की जाएगी कि उन्हें हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान का अनुभव है या नहीं। जो भी नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाएगा उनके खिलाफ सख्त जांच होगी।

कोझिकोड पुलिस ने सेक्स रैकेट चलाने के आरोपी दो पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड स्थित मालापराम्बु में सेक्स रैकेट चलाने के आरोपी दो पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया गया। दोनों ही फरार चल रहे थे। पुलिसवालों पर आरोप है कि दोनों की मदद से स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था। जहां ये सब कुछ चल रहा था, उस बुजुर्गों की देखभाल के लिए सेवाएं देने वाली एजेंसी के तौर पर पेश किया गया था। दोनों आरोपियों की पहचान वरिष्ठ सिविल पुलिस अधिकारी (सीपीओ) शैजित और सीपीओ सानिथ के रूप में हुई है। दोनों कोझिकोड शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष में ड्राइवर थे। सेक्स रैकेट मामले में नाम सामने आने के बाद कोझिकोड शहर के पुलिस आयुक्त ने दोनों को निलंबित किया। पुलिस जांच दल ने दोनों को तब गिरफ्तार किया जब वे मामले की मुख्य आरोपी बिन्दु की कार में थे। इस महीने की शुरुआत में बिंदु और आठ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन?हें मलापराम्बु के अपार्टमेंट में सेक्स रैकेट चलाते हुए पाया गया था। पड़ोस के रहने वाले लोगों की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उन्होंने संचालकों, ग्राहकों और यौनकर्मियों सहित नौ लोगों को हिरासत में लिया। पकड़े गए लोगों में छह महिलाएं और कुछ पुरुष शामिल हैं, जिनके ग्राहक होने का अनुमान है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाना है, जो फिलहाल बहरीन में काम करता है। अपार्टमेंट के मालिक का दावा हैं कि बहरीन फुटबॉल क्लब से जुड़े एक फिजियोथेरेपिस्ट को यह पट्टे पर दिया गया था। उन्होंने बताया कि उन्हें किसी भी अवैध गतिविधि के बारे में जानकारी नहीं है, क्योंकि किराया नियमित रूप से मिल रहा था।

आदिवासी मजदूर को नहीं मिली एंबुलेंस, थैली में बेटी का शव लेकर गांव गया

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले से सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की पोल खोलने वाली घटना सामने आई है। फिर महाराष्ट्र में सरकारी सिस्टम एकदम लाचार दिखा है। जोगलवाड़ी गांव निवासी एक आदिवासी मजदूर को अपनी मृत नवजात बेटी के शव को प्लास्टिक की थैली में लपेटकर राज्य परिवहन की बस से अपने गांव गया। आदिवासी मजदूर का आरोप है कि नासिक सिविल अस्पताल ने शव ले जाने के लिए एंबुलेंस देने से इंकार किया था। कटकारी आदिवासी समुदाय से आने वाले सखरम कावर ने कहा, मैंने अपनी बच्ची को स्वास्थ्य तंत्र की लापरवाही और बेरुखी के कारण खो दिया। सखरम और उनकी पत्नी अविता (26) दिहाड़ी पर मजदूरी करके गुजर करते हैं। हाल ही तक बदलापुर (ठाणे) में एक ईंट भट्ठे पर काम कर रहे थे। सखरम और उनकी पत्नी अविता सुरक्षित प्रसव के लिए अपने गांव लौटे थे। 11 जून को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर सरकारी एम्बुलेंस नहीं आई और अंतत: कई अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद, 12 जून की रात नासिक में बच्ची मृत जन्मी। अगली सुबह अस्पताल ने शव सौंप दिया, लेकिन परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं की। इसके बाद मैंने 20 रुपये में थैली खरीदी, बच्ची को कपड़े में लपेटा और बस से गांव लौटा। उन्होंने बताया कि 13 जून को जब पत्नी को घर लाने नासिक लौटे, तब भी एम्बुलेंस नहीं दी गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने आरोपों को खारिज कर कहा कि सखरम ने स्वयं एम्बुलेंस लेने से इंकार किया था और अस्पताल ने सभी जरूरी मदद दी।

मणिपुर में बड़ी मात्रा में मिला हथियार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 8 से 15 जून के बीच भारतीय सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के साथ मिलकर कई जिलों में संयुक्त अभियान चलाया। थौबल, चुराचांदपुर, ककचिंग, तेंग्नौपाल, इम्फाल ईस्ट और इम्फाल वेस्ट जिलों में हुए इन ऑपरेशनों में 4 उग्रवादियों को पकड़ा गया और 23 हथियार, 10 आईईडी, ग्रेनेड, भारी मात्रा में गोलाबारूद और युद्ध सामग्री बरामद हुई। 8 जून को तेंग्नौपाल में दो इम्प्रूवाइज्ड मोर्टार, 12 जून को थौबल, चुरा चांदपुर और इम्फाल ईस्ट में कुल 12 हथियार, 13 जून को तेंग्नौपाल में 3 हथियार और 10 आईईडी, जबकि 14 जून को ककचिंग और इम्फाल ईस्ट से 6 हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। पकड़े गए उग्रवादियों और सामग्री को मणिपुर पुलिस को सौंपा गया। यह कार्रवाई राज्य में शांति बहाली की दिशा में अहम मानी जा रही है।

गुरुधामों के लिए नहीं जाएगा सिख जत्था

अमृतसर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सीमा तनाव को देखते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है। महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों की यात्रा पर हर साल जत्था रवाना होता था। इस साल ये यात्रा 29 जून को लाहौर के लिए रवाना होनी थी। कमेटी ने कहा कि मौजूदा हालात में यह निर्णय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री राय का तेजस्वी से सवाल... आपने बाबासाहेब के लिए आज तक क्या किया

पटना (एजेंसी)। मोदी सरकार में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और भाजपा के नेता नित्यानन्द राय ने राजद के नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने राजद अध्यक्ष लालू के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान करने को लेकर सवाल पूछा गया। केंद्रीय राज्यमंत्री राय ने सवाल किया कि जब तेजस्वी यादव कांग्रेस के साथ थे और कांग्रेस की गोद में थे, तब उन्होंने बाबासाहेब के लिए क्या किया? केंद्रीय मंत्री राय ने तेजस्वी यादव को निशाने पर लेकर लिखा, तेजस्वी, आप मुद्दों की राजनीति नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की राजनीति करते हैं, परिवारवाद की राजनीति करते हैं और जंगलराज की राजनीति करते हैं, जो आपकी पहचान है और इस पहचान को बिहार के लोग भली-भांति जानते भी हैं, समझते भी हैं। बिहार की जनता आपके झांसे में आने वाली नहीं है, आपके हकीकत से पूरा बिहार वाकिफ है।

इसके बाद उन्होंने राजद को निशाने पर लेकर कहा, राजद अंबेडकर के नाम पर सियासत भी करती है और उन्हें अपमानित करने का काम भी करती है। किस तरह से बाबासाहेब की तस्वीर को लालू यादव के जन्मदिन के मौके पर उनके पैरों के पास रखकर अपमानित किया गया, वहां वाक्या पूरे देश ने देखा है। उन्होंने सवाल किया, जब आप सत्ता में रहते हैं, तब बाबासाहेब याद नहीं आते और जब सत्ता से बाहर होते हैं, तब बाबासाहेब के नाम पर राजनीति करते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि आपने बाबासाहेब के सम्मान के लिए क्या किया है? जब आप कांग्रेस के साथ थे और कांग्रेस के गोद में थे, तब आपने बाबासाहेब के लिए क्या किया? इसका जवाब दीजिए?

जस्टिस वर्मा के समर्थन में सिब्बल बोले- शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जज यशवंत वर्मा के खिलाफ प्रस्तावित महाभियोग प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्मा के खिलाफ आरोप इतने स्पष्ट नहीं हैं कि उनके आधार पर महाभियोग चलाया जाए। सिब्बल ने कहा, इस मामले में जांच के बिना किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। महज कुछ वीडियो क्लिप और जले हुए नोटों की बातें, जो मीडिया में आई हैं, उन्हें बिना जांच के आधार नहीं बनाया जा सकता।

ये भी तो बताएं कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई रुकी क्यों?

एक इंटरव्यू में कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार पक्षपात कर रही है। सिब्बल ने सरकार और राज्यसभा के सभापति पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ 55 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित महाभियोग प्रस्ताव पर छह महीने से कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, न्यायमूर्ति यादव का सांप्रदायिक भाषण स्पष्ट है और इसे उन्होंने अस्वीकार नहीं किया। फिर भी, सभापति ने हस्ताक्षरों की जांच के लिए इतना समय क्यों लिया? यह स्पष्ट है कि सरकार इस न्यायाधीश को बचाना चाहती है। सिब्बल ने यह भी सवाल उठाया कि सभापति ने मुख्य न्यायाधीश को न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ इन-हाउस जांच को रोकने के लिए पत्र क्यों लिखा, जबकि न्यायमूर्ति वर्मा के मामले में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने मांग की कि विपक्ष को न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया पहले शुरू करने पर जोर देना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि पहले जज यादव के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, उसके बाद ही वर्मा के मामले पर विचार होना चाहिए।

ऐसे महाभियोग नहीं चलाया जा सकता

सिब्बल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस जांच कोई वैधानिक जांच नहीं है और इसके आधार पर महाभियोग नहीं चलाया जा सकता। उन्होंने कहा, महाभियोग तभी लाया जाना चाहिए जब सांसदों को जज की कथित गतिविधियों पर पूरा विश्वास हो, जैसा कि हमने जस्टिस दीपक मिश्रा के मामले में किया था। सिब्बल ने यह भी सवाल उठाया कि क्या तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को इन-हाउस रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजनी चाहिए थी। यह संसद का विषय है, न्यायपालिका का नहीं।

राहत : लगातार तीसरे दिन कोविड संक्रमण के मामलों में आई गिरावट

नई दिल्ली। कोविड के नए वैरिएंट की रफ्तार थमने से राहत मिली है। लगातार तीसरे दिन भारत में कोविड संक्रमण के मामलों में गिरावट आई है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देशभर में एक्टिव केस घटकर 7 हजार से नीचे पहुंच गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ये नए आंकड़े जारी किए हैं। कोविड संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को सुबह 8 बजे तक के आंकड़े जारी किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक देशभर में एक ही दिन में संक्रमण के 428 मामले कम हुए हैं। इससे अब कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या घटकर 6836 हो गई है। इसके पहले सोमवार को संक्रमण के मामलों में 119 की गिरावट आई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों में केरल में सबसे ज्यादा कमी आई वहां 261 मामले कम हुए। इसके अलावा गुजरात में 185, दिल्ली में 94, महाराष्ट्र में 28, आंध्र प्रदेश में 18, सिक्किम में 13, असम में 3, तेलंगाना–बिहार–छत्तीसगढ़ और गोवा में एक–एक घटे हैं।

विदेश मामलों की संसदीय कमेटी की हुई बैठक, शशि थरूर ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की मंगलवार को शाम 4 बजे बैठक की। विदेश मामलों पर संसदीय समिति की बैठक के समापन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारे पास भारत की हिंद महासागर रणनीति नामक एक विषय पर चर्चा चल रही थी, जो एक विदेश नीति का विषय है, जिसके महत्वपूर्ण रक्षा आयाम हैं। हमें जानकारी देने के लिए रक्षा सचिव और नौसेना भी मौजूद थे। चर्चाएं शानदार रहीं। हमने विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा में ढाई घंटे से अधिक समय बिताया, जिसे आप संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में देखेंगे।

शशि थरूर ने कहा कि हमें नौसेना के उप प्रमुख, रक्षा सचिव और विदेश मंत्रालय के सचिव ईस्ट का साथ पाकर बहुत खुशी हुई। यह एक बहुत ही विस्तृत चर्चा थी। उपस्थित समिति के प्रत्येक सदस्य ने सवाल पूछे... इस चर्चा में भागीदारी की भावना बहुत ही जबरदस्त है। इस बहुत ही व्यापक चर्चा से हमें एक अच्छी रिपोर्ट मिलेगी... इन सभी (ब्लू वॉटर नेवी) पर चर्चा की गई... ब्लू वॉटर नेवी का पूरा विचार, उससे परे हमारी सैन्य क्षमता, हर चीज पर गहन चर्चा की गई। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन उस टकराव के दौरान जो कुछ तत्व स्पष्ट हुए, वे बातचीत में सामने आए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस समिति के अध्यक्ष हैं। इससे पहले 10 जून को अमेरिका गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थरूर ने कहा था कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ उनकी मुलाकात 'उल्लेखनीय' रही। पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच 'अच्छी बातचीत' हुई और भारतीय प्रतिनिधिमंडल को लगा कि 'इससे बेहतर बैठक नहीं हो सकती थी।' प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान वेंस से मुलाकात की थी।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भड़के सिद्धारमैया, त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा भगदड़ को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, तभी सिद्धारमैया ने तीखा पलटवार कर भाजपा पर पक्षपातपूर्ण लाभ के लिए त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। सिद्धारमैया ने भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान अपने ही पार्टी सदस्यों द्वारा दिए गए इस्तीफों की सूची पेश करें।

सिद्धारमैया ने कहा कि दुखद भगदड़ की घटना के संबंध में, मैं राज्य के भाजपा नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे हमारे इस्तीफे की मांग करने से पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान इस्तीफा देने वाले भाजपा नेताओं की सूची जारी करें। हमारी सरकार ने बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला किया है। मेरे राजनीतिक सचिव को भी उनके कर्तव्यों से मुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, हमने मामले की गहन जांच करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है।

सीएम ने कहा कि इसतरह के निर्णायक कदम उठाने के बावजूद, राज्य में भाजपा नेता विरोध प्रदर्शन जारी रखते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके इरादे लोगों के प्रति वास्तविक चिंता से प्रेरित होने के बजाय राजनीतिक हैं। त्रासदियों का राजनीतिकरण करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। मृत्यु, दुर्घटना या हिंसा की हर घटना पर गिद्ध की तरह झपटना उनके डीएनए में समाया हुआ है। यहां तक कि अगर उनके आंगन में एक हाथी भी मर जाता है, तब उन्हें अपने पड़ोसी की थाली में मक्खी पर ध्यान देने की आदत है। कर्नाटक के लोग व्यवहार के इस पैटर्न को समझ चुके हैं। हम हर त्रासदी से प्रभावित परिवारों के दुख और पीड़ा के साथ सहानुभूति रखते हैं।

सिद्धारमैया ने कहा कि हमारी सरकार कर्नाटक के 7 करोड़ लोगों के प्रति जवाबदेह है। इसलिए भगदड़ मामले में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ प्रारंभिक कार्रवाई की गई है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में व्यापक और निष्पक्ष जांच की जा रही है।

क्या भाजपा कुख्यात माफिया दाऊद इब्राहिम को भी पार्टी में शामिल करेगी?: हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी मानती है, लेकिन जो पार्टी खुद को शक्तिशाली दिखाने की कोशिश करती है, वह अब किसी को भी पार्टी में शामिल कर रही है। अब तक जिन लोगों पर भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, उन्हीं को सम्मानपूर्वक पार्टी में शामिल किया गया और मंत्रीपद भी सौंपा गया। अब तो भाजपा ने सारी सीमाएं पार कर दी हैं। जिस व्यक्ति पर माफिया दाऊद इब्राहिम से संबंध होने का आरोप था, उसी को सम्मानपूर्वक भाजपा में शामिल किया गया। अब क्या भाजपा दाऊद को भी पार्टी में शामिल करेगी? ऐसा तीखा सवाल महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने उठाया है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि किसे पार्टी में शामिल करना है, यह उस पार्टी का मामला है, लेकिन जब आप हिंदुत्व की बातें करते हैं, तो आपको यह भी सोचना चाहिए कि आप खुद क्या कर रहे हैं। भाजपा विधायक नितेश राणे ने विधानसभा में आरोप लगाया था कि नासिक के सुधाकर बडगुजर ने दाऊद के गुर्गे सलीम कुत्ता के लिए पार्टी रखी थी। उन्होंने विधानसभा में पार्टी में नाचते हुए फोटो भी दिखाए थे और कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन अब वही भाजपा कह रही है कि उन्होंने हिंदुत्व स्वीकार कर लिया है, इसलिए उनका स्वागत है। इसका मतलब कल अगर दाऊद भी हिंदुत्व स्वीकार कर ले, तो क्या भाजपा उसे भी पार्टी में शामिल कर लेगी? भाजपा खुद को 'पार्टी विथ डिफरेंस' कहती है, लेकिन आज यह पार्टी गुंडों, मवालियों और भ्रष्टाचारियों से भर गई है। मुंबई में 1993 के बम धमाकों के आरोपी और दाऊद के साथी इकबाल मिर्ची से जुड़े संपत्ति लेनदेन मामले में जो नाम पूर्व मंत्री प्रफुल्ल पटेल पर लगे, उन्हीं की राष्ट्रवादी पार्टी के साथ भाजपा सत्ता में साझेदार बनी हुई है। भाजपा ने प्रफुल्ल पटेल को 'वॉशिंग मशीन' में डालकर साफ कर दिया है। भाजपा का हिंदुत्व दिखावा है, यह हम लगातार कहते आ रहे हैं, और आज भी वही बात साबित हुई है। हर्षवर्धन सपकाल ने यह भी कहा कि सुधाकर बडगुजर के पार्टी प्रवेश की जानकारी भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष और कार्याध्यक्ष को दोपहर तक भी नहीं थी। फिर यह सवाल उठता है कि भाजपा पार्टी को असल में चला कौन रहा है?

दूध-दही-बादाम बनाएगा आपको जवान

आप जवान तभी रह सकते हैं जब आपके अंदर ताकत हो और ताकत और कसी और दमकती त्वचा दोनों का मेल होने के बाद ही इंसान जवान बना रह सकता है। ज्यादा ऑइली और तली हुई चीजें फास्ट फूड और तो और कोला जैसे पेय पदार्थ आपकी स्किन के लिए सबसे हानिकार होते हैं। यह आपको फैटी बनाती हैं और स्किन को ऑइली व डूलडूल बना देती है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि कोई भी व्यक्ति हमेशा जवान नहीं रह सकता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है चेहरे की रौनक और चमक चली जाती है और झुर्रियां आदि पड़ने लगती हैं। कई महिलाएं और पुरु ष हमेशा यंग दिखने की फिराक में रहते हैं और इसके लिए वह कोई न कोई क्रीम आदि लगाते ही रहते हैं। जिससे की उनकी त्वचा पर और अधिक बुरा प्रभाव पड़ता है। कॉस्मेटिक आदि का इस्तेमाल त्वचा को बाहर से अच्छा बना देता है लेकिन उनमें अंदरूनी क्षमता नहीं रह जाती है। अगर आप अपनी त्वचा को अंदर से चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी फूडिंग हैबिट और लाइफ स्टाइल पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही खुराक में कुछ विशेष सब्जियों, फल व फूड मैटर को शामिल करना होगा। आपको अपनी त्वचा को बेहतर फूड देने होंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा।

ज्यादा ऑइली और फास्ट फूड आपकी स्किन को खराब करते हैं

अपनी त्वचा को अंदर से चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी फूडिंग हैबिट और लाइफ स्टाइल पर विशेष ध्यान देना होगा

आपको अपनी त्वचा के लिए बेहतर फूड खाने होंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा

दूध-दही में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। जो आपको जवान रखने में मदद करते हैं

जवान बने रहने व चेहरा निखारने का नुस्खा

पालक : पालक में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है साथ ही पौटेशियम और विटामिन की भरमार होती है। इसमें काफी ज्यादा मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो शरीर की रक्षा करता है। इसके सेवन से ऊतकों और कोशिकाओं को ताकत मिलती है और वह स्वस्थ रहती हैं। खून को भी साफ रखने और मात्रा बढ़ाने में पालक कारगर होती है।

बींस: बींस में प्रोटीन और फाइबर होता है जिसमें कम कार्बोहाईड्रेट होने के कारण वसा नहीं होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। यह एंटी-एजिंग सब्जी होती है।

हल्दी : हल्दी सबसे अच्छा एंटी-एजिंग एजेंट होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेंट्री गुण होते हैं जो पाचन क्रिया को अच्छा रखते हैं और उम्र को थाम देते हैं।

बादाम: बादाम में विटामिन ''ई' होता है जो त्वचा और बालों के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें मैग्नीशियम भी होता है जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को धीमा कर देता है।

अखरोट : अखरोट में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है जो आपकी स्किन के लिए जरूरी है।

दूध-दही : दूध-दही में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। जो आपको जवान रखने में मदद करते हैं।

अब 6 महीनों में हेपेटाइटिस 'सी' का इलाज

यकृत से जुड़ी जानलेवा बीमारी हेपेटाइटिस ''सी' से ग्रसित मरीजों को एंटी वायरल इलाज के जरिए छह सप्ताह की अल्प अवधि में ही ठीक किया जा सकता है। यूरोपीय देश स्पेन के बार्सिलोना शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय यकृत सम्मेलन के दौरान शोधकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत अध्ययन में बताया गया कि सोफोसबुवीर और लेडिपासवीर के जरिए केवल छह महीनों में हेपेटाइटिस ''सी' से पीड़ित लोगों का इलाज किया जा सकता है। लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर का कारण बनने वाले हेपेटाइटिस ''सी' का इलाज इसके जरिए किया जा सकता है। 95 फीसदी मामलों में समय रहते इसके इस्तेमाल से हेपेटाइटिस ''सी' के इलाज में काफी फायदा मिला है। इन गोलियों के इस्तेमाल से हेपेटाइटिस ''सी' के शरीर पर दुष्प्रभाव तो कम होंगे ही इलाज की अवधि भी काफी कम हो जाएगी।यह हेपेटाइटिस ''सी' से प्रभावित लोगों का इसके अचानक शिकार हुए लोगों की तुलना में आम तौर पर दस से पन्द्रह फीसदी जल्दी ठीक करता है। विश्व भर में हेपेटाइटिस ''सी' के रोगियों की संख्या तेरह से पन्द्रह करोड़ के बीच है। प्रतिरोध से जुड़े विसंगति के अचानक उभरने के कारण हेपेटाइटिस ''सी' के मरीजों का इलाज अभी भी चुनौती बनी हुई है।इस शोध के अनुसार सोफोसबुवीर और लेडिपासवीर का संयोजन न केवल सुरक्षित है बल्कि हेपेटाइटिस के मरीजों के लिए यह सहनीय और प्रभावकारी भी है लेकिन अल्प अवधि के इलाज के दौरान इसके प्रभाव में यह नहीं दिखता है।

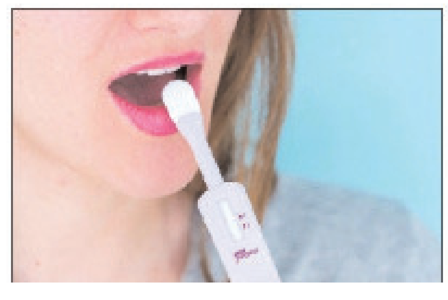

95 फीसदी मामलों में समय रहते इसके इस्तेमाल से हेपेटाइटिस 'सी' के इलाज में काफी फायदा मिला है

अत्यधिक नमक लिवर खराब करता है

पेइचिंग। भोजन में अत्यधिक नमक प्रयोग करने से केवल रक्तचाप बढ़ने की ही समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि इससे वयस्कों और विकसित भ्रूण का यकृत भी खराब हो सकता है। एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि हमारे शरीर को बहुत कम मात्रा में नमक की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सरकार सलाह देती है कि यदि आप एक स्वस्थ व्यस्क हैं तो आपको प्रति दिन एक छोटा चम्मच नमक लेने की आवश्यकता है। कुछ अनुसंधानकर्ताओं ने संकेत दिया है कि सोडियम के आवश्यकता से अधिक प्रयोग से उच्च रक्तचाप की समस्या के अलावा यकृत भी खराब हो सकता है। चीन की ''जिनान यूनीवर्सिटी' के शुएसोंग यांग और उनके सहकर्मी सोडियम के कोशकीय स्तर पर संभावित प्रभाव के बारे में पता करना चाहते थे।अनुसंधानकर्ताओं ने एक वयस्क चूहे को अत्यधिक नमकयुक्त आहार दिया और चूहों के भ्रूणों को एक खारे पर्यावरण में रखा। अत्यधिक सोडियम से अजीब आकार की कोशिकाएं विकसित होने, कोशिका समाप्ति में वृद्धि और कोशिका प्रसार में कमी समेत जीवों के यकृत में कई तरह के बदलाव हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि खराब कोशिकाओं का विटामिन ''सी' के माध्यम से उपचार करके अत्यधिक नमक के कारण हुए दुष्प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया जा सकता है। यह अध्ययन ''जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' में प्रकाशित किया गया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

लॉफिंग ज़ोन

संपादक (प्रबंधक से) - अखबार में थोड़ी सी जगह बची है क्या लिखूं?
प्रबंधक - लिख दो, कल चांदनी चौक में डाका पडा, खून हो गया.
संपादक - थोड़ी सी जगह और है.
प्रबंधक - वहां लिख दो - बाद में पता चला यह सब अफवाह थी.

☺ ☺ ☺

वकील (मुजरिम से) - तुमने एक ही दुकान में दोबारा चोरी क्यों की?
मुजरिम - साहब जी, उस दुकान के बाहर लिखा था दोबारा जरूर आएं.

☺ ☺ ☺

मुकेश (ड्राइवर से) - यह टायर पंचर कैसे हुआ?
ड्राइवर - एक कांच की बोतल पर चढ़ गया था.
मुकेश - क्या तुम्हें बोतल दिखाई नहीं दी?
ड्राइवर - जी नहीं, बोतल उस आदमी की जेब में रखी थी जो गाड़ी के नीचे आ गया था!

☺ ☺ ☺

रमेश (नौकर से) - जरा देखना तो कितने बजे हैं?
नौकर - मुझे समय देखना नहीं आता.
रमेश - अच्छा कोई बात नहीं, यह देखकर बताओ कि बडी सुई कहां है और छोटी सुई कहां है?
नौकर - दोनों सुइयां घड़ी में हैं.

काकुरो पहेली - 725

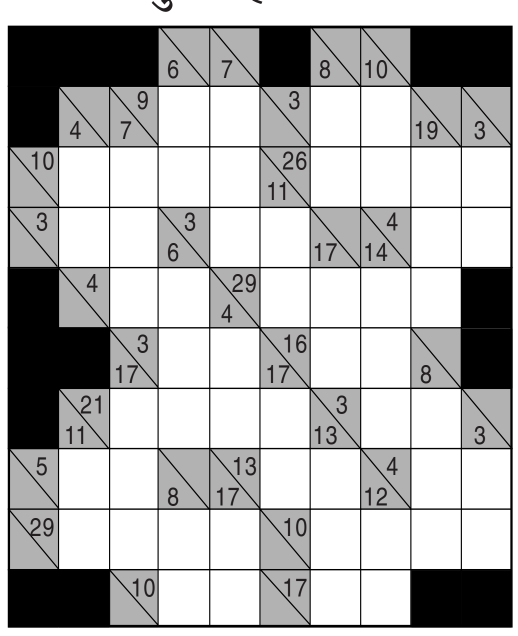

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

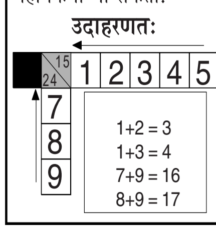

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -724 का हल

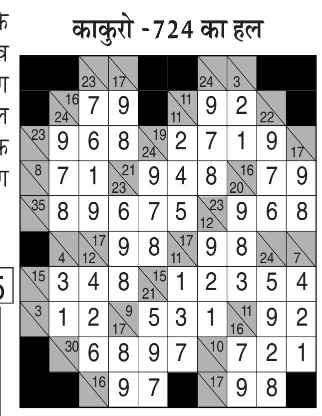

फिल्म वर्ग पहेली- 725

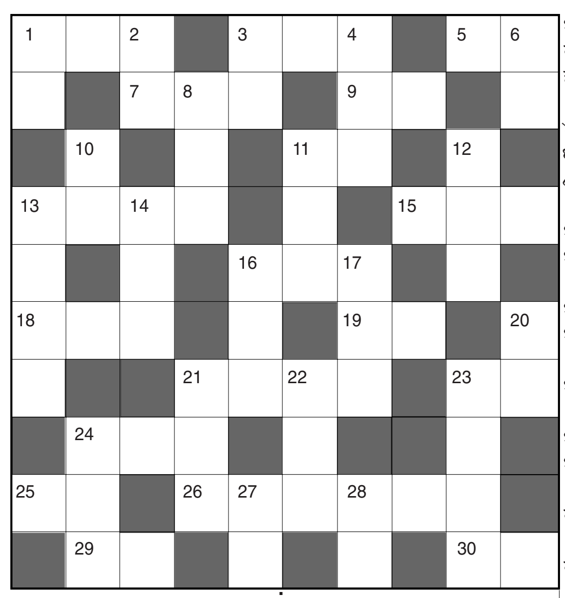

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 724

सूडोकु -725

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -724 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 725

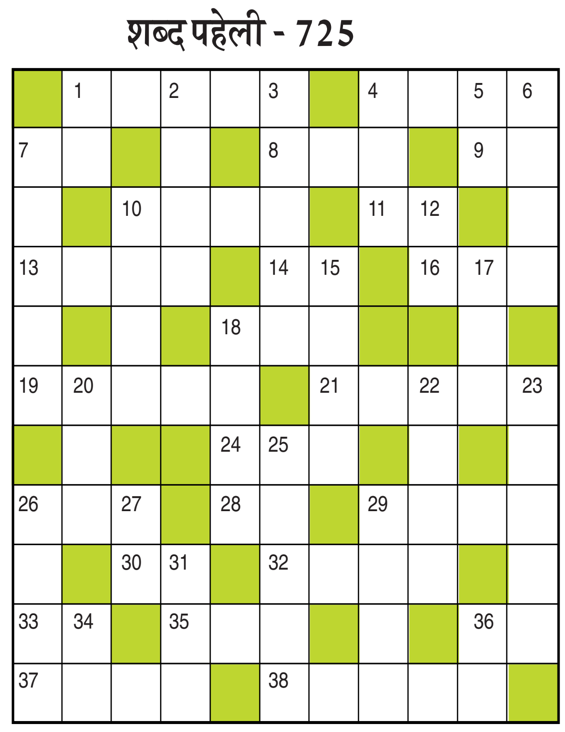

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -724 का हल

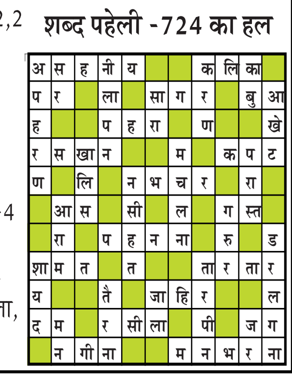

कृष्ण जन्मभूमि पर जरूर बनेगा भगवान श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर : साध्वी ऋतंभरा

एजेंसी

नई दिल्ली। परम शक्तिपीठ की अध्यक्ष साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि कृष्ण जन्मभूमि पर भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर एक दिन अवश्य बनेगा और जल्द ही न्यायालय से यह निर्णय सभी के सामने आएगाढ्ढ यह बात उन्होंने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के साथ पुस्तक हमारे प्रेरणा स्रोत- द्वापर के श्रीकृष्ण के लोकार्पण के मौके पर कही। इस पुस्तक का लोकार्पण दिल्ली के श्रीआल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के केंद्रीय कार्यालय (जैन भवन) स्थित सभागार में हुआ। पुस्तक को लेखक दीपक कुमार ने लिखा है। लोकार्पण समारोह में विशेष अतिथि के रूप में साध्वी ऋतंभरा के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीआल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन एवं महामंत्री डॉ. अमितराय जैन, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय समन्वयक प्रशांत जैन सहित कई अन्य गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार

अहमदाबाद। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार राजकोट में पूरा हो गया है।राजकोट के नागरिक भी अपने लोकप्रिय नेता को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में उमड़ पड़े। पूर्व मुख्यमंत्री विजयभाई रूपाणी की अंतिम यात्रा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित भाई शाह, राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटील, बी.एल. संतोष, भीखू दलसाणिया तथा अन्य वरिष्ठ मंत्रियों और नेताओं ने उपस्थित रहकर उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।अंतिम संस्कार से पहले विजय रूपाणी को 21 बंदूकों की सलामी दी गई। मूसलधार बारिश के बावजूद विजयभाई को विदाई देने के लिए भारी भीड़ उपस्थित रही और इस दौरान विजयभाई अमर रहे के नारे भी गूंज उठे।विमान दुर्घटना में पूर्व मुख्यमंत्री विजयभाई रूपाणी का निधन होने से समूचा राज्य शोकाकुल हो गया था। उनकी अंतिम यात्रा आज राजकोट में आयोजित की गई।

कोर्ट ने वजाहत खान की पुलिस हिरासत 23 जून तक बढ़ाई

कोलकाता। कोलकाता की अलीपुर पुलिस कोर्ट में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित सरकार ने वजाहत खान की पुलिस हिरासत 23 जून तक बढ़ा दी। कोलकाता पुलिस ने 9 जून को वजाहत खान को सोशल मीडिया पोस्ट में कथित भड़काऊ भाषण देने के आरोप में एमहर्स्ट स्ट्रीट इलाके से गिरफ्तार किया था।

इससे पहले वजाहत खान ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और कानून की छात्रा शर्मिष्ठा पनौली के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद वजाहत खान के खिलाफ पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में पांच शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें धार्मिक भावनाएं भड़काने और घृणा फैलाने का आरोप लगाया गया। हरियाणा पुलिस भी कोर्ट में पेश हुई और वजाहत खान की गिरफ्तारी के लिए वारंट दाखिल किया। खान के वकील संखाजीत एल. मित्रा ने कोर्ट में कहा कि हम जमानत की प्रार्थना कर रहे हैं। हम जांच में पूरा सहयोग करेंगे। वहीं, मुख्य लोक अभियोजक सौरीन घोषाल ने कहा कि एक मोबाइल जब्त किया गया है लेकिन एक और मोबाइल और लैपटॉप अब भी लापता हैं। जांच जारी है और पोस्ट को हटाया गया था लेकिन उसका स्क्रीनशॉट मौजूद है। फिलहाल जांच जारी है। रशीदी फाउंडेशन का सह-संस्थापक वजाहत खान पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य बढ़ाना, धारा 299 जानबूझकर धार्मिक भावनाएं आहत करना, धारा 352 अपमानजनक इरादे से उकसाना और धारा 353(1) सार्वजनिक उपद्रव भड़काने वाले बयान के तहत केस दर्ज किया गया है।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से नौ की मौत

पटन। बिहार में सोमवार को बक्सर, पश्चिम चंपारण, लखीसराय और कैमूर में आकाशीय बिजली गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई। इसमें बक्सर में चार, पश्चिम चंपारण में तीन और लखीसराय व कैमूर में एक-एक शख्स की मौत हुई है। मृतकों में दो महिलाएं और दो छात्र शामिल हैं जबकि कई बच्चे और अन्य लोग घायल हुए हैं। बक्सर जिले के अलग-अलग हिस्सों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से चार युवकों की मौत हो गई और पांच युवक झुलस गए। इनका इलाज चल रहा है। मुफस्सिल थाना के चौसा थाना घाट के समीप तीन लोगों की मौत हुई है। राजपुर थाना के दवेढ़ियां गांव में 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई है। दोपहर दो बजे के लगभग अचानक मौसम बदला और बादल गरजने के साथ थाना घाट चौसा के समीप बिजली गिरी। वहां कुछ लोग भैंस चरा रहे थे और पास में बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इस दुर्घटना में विरेन्द्र गोंड (50) पुत्र स्व सूरज गोंड, मिथिलेश राम (22) बलिराम राम एवं श्रीभगवान उर्फ झोला यादव (50) निवासी नरबतपुर की मौत हो गई। घायलों में सोनू राम (18) पुत्र नंदजी राम, लालू राम (18) पुत्र बलिराम राम, नीरज कुमार (उम्र लगभग 18 वर्ष) पुत्र अमर भारती एवं अमित कुमार चौधरी (30) पिता उपेन्द्र चौधरी शामिल हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं के डीएनए में परिश्रम और जनता की सेवा : राजनाथ सिंह

एजेंसी

पचमढ़ी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि परिश्रम और जनता की सेवा भाजपा के कार्यकर्ताओं के डीएनए में है। मध्य प्रदेश की पर्यटन नगरी पचमढ़ी में राज्य के भाजपा सांसदों और विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग के समापन के मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सभी सांसद और विधायक हमेशा संगठन से जुड़े रहें, क्योंकि संगठन तब भी था, जब सत्ता नहीं थी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को सम्मान दें और उनकी बातें सुनें, क्योंकि भाजपा की असली ताकत जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही है। जनता की सेवा हमारे डीएनए में है, हम जनसेवक हैं, शासक नहीं हैं। जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही भाजपा की असली ताकत है। हमारा उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं,

जनता की सेवा है, इसलिए हमने अपने विचारों से कभी समझौता नहीं किया। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में प्रशिक्षण की परंपरा सतत और प्राचीन है। यह पार्टी की कार्यशैली का अंग है। पार्टी की विकास यात्रा में तीन चीजें नहीं बदलीं। ये हैं प्रशिक्षण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और गरीब कल्याण की भावना। अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि सत्ता प्राप्ति का उद्देश्य सिर्फ राष्ट्रसेवा होनी चाहिए। हमारी जिस वैचारिक यात्रा का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने किया था, वह आज भी जारी है और हमारे लिए राजनीति राष्ट्रनिर्माण का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी यह यात्रा आज भी चल रही है और भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। लेकिन, हमने अपनी विचारधारा और सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। हमारी नीयत और नीतियां आज भी वही हैं। हम अपने मूल विचार से भटके नहीं हैं। उन्होंने संगठन की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि हमें यह लगातार चिंतन करना होगा कि संगठन कैसे मजबूत हो, संवाद कैसे गहरा हो, हमारी विचारधारा और पारदर्शिता को कैसे बनाए रखा जाए।

महोबा में भीषण सड़क हादसा, कार से टकराई बाइक, 5 की मौत

एजेंसी

महोबा । उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब श्रीनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ननौरा गांव के पास एक तेज रफ्तार गाड़ी और बाइक में आमने-सामने की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बगरोन गांव निवासी कुश कुमार की पत्नी कंचन और अन्य परिजन गाड़ी में सवार थे।

वो ननौरा गांव में एक पारिवारिक कार्यक्रम में आए थे। हालांकि गांव के पास जैसे ही गाड़ी एक मोड़ पर पहुंची, अचानक उसका टायर फट गया। इससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। इसके बाद दोनों वाहन एक गड्ढे में गिर गए। इस टक्कर में बाइक के परखच्चे उड़ गए और कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुटी, जिन्होंने घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर गए। हादसे में घायल सभी लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से 5 लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में दो बाइक सवार शामिल हैं। फिलहाल 3 अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। एएसपी वंदना सिंह ने कहा, पुलिस को ईको कार और बाइक में टक्कर की सूचना मिली थी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर गए।

गिद्ध संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है जोड़बीड़, यहां वल्चर ब्रीडिंग सेंटर की स्थापना के होंगे प्रयास : अर्जुन राम मेघवाल

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बीकानेर का जोड़बीड़ क्षेत्र गिद्ध संरक्षण के लिए पूरी दुनिया में विशेष पहचान रखता है। यहां सात दुर्लभ प्रजातियों के गिद्ध प्रतिवर्ष अक्टूबर से मार्च तक आते हैं। इसके मद्देनजर यहां 'वल्चर ब्रीडिंग सेंटर' की स्थापना की दिशा में कार्य किया जाएगा।मेघवाल ने बीकानेर के जोड़बीड़ में 'वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान' तथा लव कुश वाटिका लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि वर्तमान में हरियाणा, असम, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश सहित देश के चार राज्यों पर वल्चर ब्रीडिंग सेंटर संचालित हैं। बीकानेर में यह केंद्र स्थापित हो, इसके लिए उच्च स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग चार करोड़ रुपए की लागत से यह केंद्र बीकानेर में खुलने से क्षेत्र को गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। मेघवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा जल संरक्षण और ऐतिहासिक जल संग्रहण केंद्रों के संरक्षण का बीड़ा उठाया गया है। इसके दूरगामी परिणाम सामने

आएंगे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पेयजल का अपव्यय रोकना सबसे जरूरी है। जल का दुरुपयोग करने वाले को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करना जरूरी है। यहां लव कुश वाटिका स्थापित होने से यह पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित होगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इसका अवलोकन करवाने का आह्वान किया तथा कहा कि यहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाएं, जिससे आमजन को इसके महत्व की जानकारी हो सके। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरियालो राजस्थान संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए वन विभाग पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जून 2024 को एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया। भारत सरकार द्वारा राज्य को 3 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया। मुख्यमंत्री ने इसे बढ़ाते हुए 7 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा, जबकि वन विभाग और राज्य सरकार के अन्य विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजन के सहयोग से गत वर्ष प्रदेश में 7 करोड़ 22 लाख पौधे लगाए गए।

सांसद-विधायकों को प्रशिक्षण वर्ग में केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व का मिला मार्गदर्शन: विष्णुदत्त शर्मा

एजेंसी

भोपाल/पचमढ़ी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पचमढ़ी में आयोजित सांसद-विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हो गया। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रशिक्षण वर्ग के समापन के बाद मीडिया को बाइट देते हुए कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं समापन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया।

प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश के साथ केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व का हम सभी सांसद-विधायकों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में जनप्रतिनिधियों ने वैचारिक प्रतिबद्धता व जनसेवा के संकल्प को और दृढ़ किया। भाजपा संगठन में प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है, जिनमें लगातार सीखने, आत्ममंथन करने व जनसेवा हेतु सदैव समर्पित रहने के साथ ही सैद्धांतिक और व्यवहारिक विषयों पर समय-समय पर अपेक्षित कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण होता है। इसी कार्यपद्धति से ही भाजपा अन्य सभी राजनीतिक दलों से अलग है। शर्मा ने कहा कि भाजपा संगठन की कार्यपद्धति में सभी कार्यकर्ता, कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 1951 में जनसंघ की स्थापना से लेकर अब तक पार्टी की यात्रा पर विस्तार से मार्गदर्शन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समापन सत्र

पदाधिकारी और जनप्रतिनिधिगण सदैव सेवाभावी होते हैं क्योंकि हमारे संगठन में पद का अर्थ केवल सेवाभाव है। यही कारण भी है कि भाजपा सरकार की योजनाओं और संगठन की नीतियों के निर्माण में जनता और राष्ट्र सेवा का भाव सदैव प्रमुख होता है। यह प्रशिक्षण वर्ग हमारे विशिष्ट कार्य पद्धति का हिस्सा है। समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण वर्ग निरंतर होते रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा में कहा कि मैं पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष रहा हूं, लेकिन मैं एक कार्यकर्ता हूं। इसी भाव से हम सभी सांसद-विधायक इस प्रशिक्षण वर्ग में शामिल हुए।

पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने समन्वय-प्रक्रिया, समस्या एवं समाधान विषय पर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विकसित मध्य प्रदेश अवसर और चुनौतियां विषय पर सत्र को संबोधित किया।

अनुराग ठाकुर का केजरीवाल पर निशाना, 'राज्यसभा पहुंचने के लिए सांसद को विधानसभा उपचुनाव में उतारा'

एजेंसी

लुधियाना। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर जुबानी हमला किया। उन्होंने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल राज्यसभा की सीट पाने के लिए एक सांसद को विधानसभा उपचुनाव में उतार रहे हैं।भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लुधियाना पश्चिम से पार्टी प्रत्याशी जीवन गुप्ता के पक्ष में रोड शो किया। दरअसल, आप विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन के बाद लुधियाना पश्चिम सीट जनवरी में खाली हो गई थी, जिस पर उपचुनाव होना है भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर रोड शो की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, ÷आम आदमी पार्टी के कुशासन से

आज पंजाब की जनता पूरी तरह त्रस्त हो गई है। पंजाब की आप सरकार सत्ता में आने से पहले किए गए वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। राज्य में विकास कार्य थम गए हैं और सरकार ने युवाओं को रोजगार, किसानों को राहत और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के जो वादे किए थे, वे सब अधूरे रह गए हैं। लुधियाना उपचुनाव में मतदाताओं के पास सरकार को जवाब देने और उसकी नाकामियों पर सबक सिखाने का अवसर है।प्रदेश की आप सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, तीन साल के दौरान आम आदमी पार्टी की सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। महिलाओं को राशि देने की गारंटी हो या पंजाब को नशा मुक्त कराने की बात, पंजाब सरकार ने कुछ नहीं किया। भाजपा सांसद ने कहा, राज्यसभा सदस्य को उपचुनाव लड़ाया जा रहा है। इससे साफ साबित होता है कि अरविंद केजरीवाल को राज्यसभा भेजने की तैयारी है। अनुराग ठाकुर ने कहा, सरकार सारे मामलों में विफल रही है और अब मौका है कि इस बार जीवन गुप्ता को विधानसभा में भेजा जाए ताकि 2027 की नींव रखी जा सके।

मप्र में चौथी कोरोना पॉजिटिव महिला की मौत, इंदौर में फिर मिले दो नए मरीज

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक और कोरोना पॉजिटिव महिला की मौत हो गई है। इस साल प्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीज की यह चौथी मौत है। मंडला जिले के नारायणगंज निवासी महिला की रविवार रात जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में मौत हुई। महिला गर्भवती थी और उसे डिलीवरी के लिए भर्ती कराया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा ने बताया कि नारायणगंज से रेफर होकर आई महिला का सर्दी और खांसी के लक्षण देखकर कोरोना टेस्ट कराया गया था, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद महिला की सर्जरी की गई, उसने बच्चे को जन्म दिया और उसे मेडिसिन वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। रविवार देर रात उसकी मौत हो गई। बच्चे को फिलहाल मेडिकल कॉलेज के चाइल्ड वार्ड में भर्ती किया गया है। इससे पहले इंदौर में कोरोना संक्रमित तीन महिलाओं की मौत हो चुकी है। रतलाम की रहने वाली टीबी, ब्रोंकाइटिस और हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित 52 वर्षीय महिला को गत 8 जून को सांस लेने में तकलीफ के कारण प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां 10 जून को रिपोर्ट में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें सरकारी अस्पताल एमआरटीबी के आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया गया, लेकिन बीते बुधवार को उनकी मौत हो गई। इससे पहले 6 जून को खरगोन की 44 वर्षीय महिला की एमआरटीबी अस्पताल में मौत हुई थी। वह हाल ही में एमटीएच अस्पताल में बच्चे को जन्म देने के बाद संक्रमित पाई गई थीं।

प्रवासी भाई-बहनों के सहयोग से प्रदेश बनेगा अग्रणी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थानियों ने अपने सामर्थ्य की बदौलत विश्वभर में प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि पर काम करते हुए मातृभूमि पर सामाजिक सरोकारों के कार्यों में पूर्ण रूप से समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के योगदान के सम्मान में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए समयबद्ध रूप से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की सहूलियत और उनके मुद्दों के लिए हमने कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार उनके लिए एक नए विभाग का गठन करने जा रही है। साथ ही, सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को प्रवासी राजस्थानियों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी बनाने के संबंध में आदेश एवं गाइडलाइन भी जारी हो चुकी है। इस सिंगल प्वाइंट कॉन्टैक्ट के माध्यम से प्रवासी भाई-बहनों के विषयों पर त्वरित कार्यवाही होगी। शर्मा ने अधिकारियों को इस संबंध में कार्य प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर में आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी शामिल होंगे।

सम्मेलन में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत सहयोग प्रदान कर रहे प्रवासी राजस्थानियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही सामाजिक, आर्थिक एवं औद्योगिक आदि क्षेत्रों में योगदान एवं उपलब्धि अर्जित करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मेलन में सम्मानित भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर हर वर्ष 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की शुरूआत की गई है।

ऊना जिले में 26 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ, खुलेगा राज्य का पहला सरकारी सीबीएसई स्कूल

एजेंसी

ऊना । हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ऊना को तोहफा दिया है। ऊना में 25.79 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ऊना में राज्य के पहले सीबीएसई पैटर्न पर आधारित सरकारी स्कूल खोलने की घोषणा की। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के ऊना पहुंचने पर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सीएम सुक्खू कार्यक्रम स्थल पर गए। उन्होंने ऊना में 8.79 करोड़ रुपए की लागत से बने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक (बाल) पाठशाला के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 12 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित राजकीय डिग्री

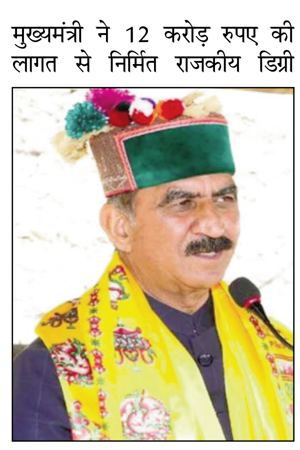

कॉलेज के अत्याधुनिक शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन किया। इस ब्लॉक में स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशाला और प्रशासनिक इकाइयां शामिल हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री ने ऊना में पांच करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनने वाले गर्ल्स हॉस्टल की आधारशिला रखी। यह छात्रावास दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को सुरक्षित और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कॉलेज परिसर में पौधारोपण भी किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि हिमाचल प्रदेश का पहला सरकारी स्कूल जो सीबीएसई पैटर्न पर आधारित होगा, वह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक (बाल) पाठशाला, ऊना परिसर में खोला जाएगा। उन्होंने कहा, ÷ह कदम राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक बड़ी पहल है और इससे सरकारी स्कूलों के शिक्षा स्तर में सुधार आएगा। मंच से सुक्खू ने यह भी घोषणा की कि, प्रदेश के सभी छात्र-खिलाड़ी, जो राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे, उन्हें विद्यालय की अटेंडेंस में जरूरी रियायत दी जाएगी। इस संबंध में सभी प्रधानाध्यापकों और प्राचार्यों को तत्काल प्रभाव से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ऊना में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बीजेपी के आरोपों पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने वादे पूरे करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा, कांग्रेस सरकार अपने वादों को निभाने के लिए लगातार काम कर रही है, लेकिन बीजेपी नेताओं ने प्रदेश को केंद्र से मिलने वाले हकों से वंचित करने का प्रयास किया है।

भारतवर्ष में सनातन की विविध धर्म धाराएं अद्वितीय सांस्कृतिक संवाद का परिचायक : चंपतराय

एजेंसी

जालौन। बृज कुंवर देवी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल उरई में चल रहे विश्व हिन्दू परिषद् शिक्षा वर्ग को सम्बोधित करते हुए विश्व हिन्दू परिषद् के केन्द्रीय उपाध्यक्ष चम्पतराय ने कहा कि आज हम एक ऐसे विषय पर विचार करने हेतु एकत्र हुए हैं जो न केवल हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को उजागर करता है, बल्कि हमारे भारतवर्ष की एकता, विविधता और सहिष्णुता का भी परिचायक है। जैन, बौद्ध, सिख ये सनातन धर्म के ही अंग हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म कोई संकुचित परिभाषा नहीं, यह एक जीवन दृष्टि है। जिसमें मानव मात्र को दिव्यता से जोड़ने का प्रयास है। यही कारण है कि इसी सनातन परम्परा की कोख से समय-समय पर विविध धार्मिक धाराएँ जन्म लेती रहीं, जिनमें जैन, बौद्ध और सिख धर्म प्रमुख हैं। जैन धर्म, जिसकी जड़ें वैदिक युग जितनी ही प्राचीन हैं, आत्मा की शुद्धता, अहिंसा, अपरिग्रह और तपस्या को जीवन का सार मानता है। भगवान ऋषभदेव को शास्त्रों में प्रथम तीर्थंकर और एक 'वेदज्ञ' पुरुष के रूप में उल्लेखित किया गया है। जो भगवान गौतम बुद्ध की करुणा और ज्ञान की प्रेरणा से फला-फूला, वह भी कर्म, पुनर्जन्म और मोक्ष जैसे सनातन सिद्धांतों पर आधारित है। बुद्ध स्वयं हिंदू परम्परा के क्षत्रिय कुल में जन्मे और वैदिक संस्कृति में पले-बढ़े। गुरु नानक देव द्वारा प्रवर्तित इस धर्म की जड़ें भी सनातन मूल्य-व्यवस्था में ही हैं।

लाडली बहनों और माताओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों को मान-सम्मान और उनका वाजिब हक दिलाने में राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। लाडली बहनों को आत्मनिर्भर बनाने, सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि प्रदान करने के लिए हमारी सरकार द्वारा हर महीने बहनों के खातों में राशि भेजकर बहनों का रक्षाबंधन मनवाया जा रहा है। अगले महीने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में लाडली बहनों को 250 रुपये बढ़ाकर दिया जाएगा, जिससे ताकि बहनें उत्साहपूर्वक त्यौहार मना सकें।मुख्यमंत्री डॉ यादव सोमवार शाम को जबलपुर जिले के बेलखेड़ा गांव में लाडली बहना एवं महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश की लाडली बहनों सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के जरिये 2081 करोड़ रुपसे से अधिक की सम्मान एवं सहायता राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने विरासत से विकास का संकल्प लिया है। जबलपुर क्षेत्र महारानी दुर्गावती, रानी अवंतीबाई जैसी वीरांगनाओं की धरती है। हमारी सरकार ने इन वीरांगनाओं के नाम पर योजनाएं चलाई हैं। इनका लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की माताओं और बहनों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना ही हमारा लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पूरे देश सहित मध्य प्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाडली बहनों के खातों में लाडली बहना योजना की जून माह की किश्त 1551 करोड़ 44 लाख रुपये अंतरित किये। योजनान्तर्गत लाडली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किश्त है। योजना में प्रत्येक लाडली बहना को प्रत्येक माह 1250 रुपये की राशि उनके बैंक खाता में अंतरित की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडली बहनों की जिंदगी को बेहतर करने मध्य प्रदेश सरकार प्रति महीने साढ़े पंद्रह सौ करोड़ रुपये अंतरित करती है। पिछले डेढ़ साल में 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों को दी गई है। मुख्यमंत्री ने 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रुपये की राशि 27 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपये की अनुदान राशि और मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना में 6 हजार 821 श्रमिक परिवारों को 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का भी सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण करने के साथ ही करीब 22 करोड़ 44 लाख रुपये के विकास कार्यों का भी लोकार्पण और भूमि-पूजन किया।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?
सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं.ङ्क
राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?
सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।
राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?
सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।
राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।
इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।
राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।
सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।
देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।
इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।
इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।
हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।
सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?
राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

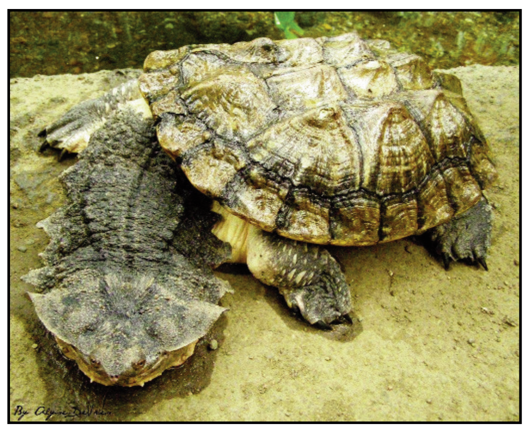

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।
लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।
75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिम्ब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।
अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।
नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।
इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।
हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.
कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है.
जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे.
कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया.
लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे.
हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.
आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ट इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

आमिर खान की 3 इडियट्स को नकारने पर काजोल ने रखी राय

काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म मां को लेकर चर्चा में हैं। ऐसे में उन्होंने बताया है कि वह किस तरह से फिल्में चुनती हैं। काजोल ने बताया है कि उन्हें कई फिल्मों में काम करने के लिए ऑफर मिले हैं और कुछ फिल्मों को उन्हें ठुकराना पड़ा जो बाद में ब्लॉकबस्टर बन गईं। हाल ही में पिंकविला से बातचीत में, उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने आमिर खान और राजकुमार हिरानी की 3 इडियट्स को ठुकरा दिया था। हालांकि, काजोल को फिल्मों को ठुकराने का कोई पछतावा नहीं है। उनके मुताबिक अगर उन्हें स्क्रिप्ट पसंद नहीं आती है तो वे मना करने से पहले ज्यादा नहीं सोचती हैं।

फिल्मों को रिजेक्ट करने से पहले नहीं सोचतीं काजोल

बातचीत में काजोल ने कहा कई बार ऐसा होता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण 3 इडियट्स है काजोल ने कहा मुझे फिल्मों को ठुकराने का कोई पछतावा नहीं है। मुझे लगता है कि ये फिल्में उनकी हैं। जैसा कि कहा जाता है कि जिसका लिखा हुआ है उसको मिलता है। तो, मुझे लगता है कि मैंने उन फिल्मों के बिना भी अपने लिए बहुत अच्छा किया है।

3 इडियट्स को लोगों ने सराहा

साल 2009 में रिलीज हुई फिल्म 3 इडियट्स को लोगों ने खूब सराहा था। फिल्म का निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया था। यह फिल्म चेतन भगत के उपन्यास फाइव पॉइंट समवन पर आधारित है। आमिर खान, आर माधवन और शर्मन जोशी की अदाकारी वाली यह फिल्म भारत की शिक्षा व्यवस्था पर हमला करती है। यह फिल्म नौजवानों के दिमाग में जगह बनाने में कामयाब रही। फिल्म में करीना कपूर ने अच्छी अदाकारी की थी।

काजोल को मिल रही थी पिया की भूमिका

फिल्म में पिया की भूमिका करीना कपूर ने निभाई है। काजोल ने पिया की भूमिका को अस्वीकार कर दिया, लेकिन करीना कपूर के किरदार ने दुनियाभर में कई लोगों का दिल जीत लिया। हाल ही में करीना ने खुलासा किया कि हॉलीवुड फिल्म निर्माता स्टीवन स्पीलबर्ग ने न केवल 3 इडियट्स देखी है, बल्कि फिल्म में उनके अभिनय की भी सराहना की है।

मां में नजर आएंगी काजोल

इस बीच, काजोल अगली बार फिल्म मां में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। यह हॉरर फिल्म है। फिल्म में काजोल अपनी बेटी को राक्षसों से बचाती हैं। कहा जाता है कि इस फिल्म का अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान से कनेक्शन है। अजय देवगन भी इस फिल्म के निर्माताओं में से एक हैं।

बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखते ही छा गईं दिशा पाटनी

10 साल के करियर में कीं 12 फिल्में

दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी खूबसूरती की वजह से छाई रहती हैं। इसके अलावा उनका फिल्मी करियर भी शानदार रहा है। लगभग 10 वर्षों से सिनेमाई दुनिया में अभिनेत्री अपने अभिनय का जादू बिखेर रही हैं। आज 13 जून को एक्ट्रेस अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर हम जानेंगे उनके फिल्मी करियर के बारे में।

तेलुगु फिल्म से रखा फिल्मी दुनिया में कदम बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी ने अपने सिनेमाई करियर की शुरुआत साल 2015 में एक तेलुगु फिल्म लोफर से की थी। इस फिल्म का निर्देशन पुरी जगन्नाथ द्वारा किया गया था, जिसमें अभिनेत्री ने मौनी का किरदार निभाया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। इस फिल्म में वरुण तेजा भी मुख्य भूमिका में थे। शुरुआती करियर में ही अभिनेत्री को खराब दिनो का सामना करना पड़ा।

साल 2016 में अभिनेत्री एम एस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी फिल्म में नजर आईं। यह उनकी दूसरी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में पहली फिल्म थी। सुशात सिंह राजपूत अभिनीत यह फिल्म भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के संघर्षों पर बनी थी। फिल्म में अभिनेत्री ने प्रियंका झा की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया था। वहीं बजट की बात करें तो, 104 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 200 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म में शानदार अभिनय के लिए अभिनेत्री को कई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इसी कड़ी में उन्हें बेस्ट फिमेल डेब्यू का भी खिताब मिला था।

अलग-अलग अंदाज में दिखीं दिशा

अपनी दूसरी फिल्म की सफलता के बाद दिशा पाटनी, जैकी चैन की फिल्म कुंग फू योगा में नजर आईं। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने अश्मिता की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म को भी विश्व स्तर खूब पहचान मिली। इसके बाद अभिनेत्री बागी 2, भारत, मलंग, बागी 3, राधे जैसी कई फिल्मों में नजर आईं। फिर साल 2024 में अभिनेत्री कल्कि 2898 एडी फिल्म में दिखीं, यह फिल्म स्टार कलाकारों से सजी थी, जिसमें अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण आदि शामिल थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए खूब पैस कमाए थे। अपने फिल्मी करियर के दौरान अभिनेत्री ने सिर्फ कुछ ही हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, उन्हें ज्यादातर ग्लैमरस अंदाज के लिए जाना जाता है।

दिशा पाटनी की आगामी फिल्में

अभिनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें तो उन्हें वेलकम टू द जंगल बुक में देखा जाएगा। इस फिल्मी की शूटिंग जोरो-शोरों से चल रही हैं।

नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में नजर आ सकते हैं विवेक ओबेरॉय

र णबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। निर्देशक नितेश तिवारी इस मेगा प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर तैयार कर रहे कई हैं और अब तक इससे जुड़ी चुकी है बड़ी अपडेट्स सामने आ हैं। हाल ही में खबर आई कि विवेक ओबेरॉय भी इस फिल्म की कास्ट का हिस्सा बन सकते हैं। वे फिल्म में राक्षस योद्धा विद्युतजिह्वा के किरदार में दिखेंगे, जो रावण (यश) के साथ युद्ध में नजर आएंगे। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार रकुलप्रीत सिंह निभा रही हैं। यानी विवेक इस फिल्म में उनके अपोजिट नजर आएंगे। इससे पहले अफवाहें थीं कि अनिल कपूर और विक्रांत मैसी भी फिल्म में अहम भूमिकाएं निभाने वाले हैं, जहां अनिल को राजा जनक और विक्रांत को मेघनाद बताया गया था। हालांकि, अब यह स्पष्ट हो चुका है कि ये खबरें केवल अफवाह थीं। बता दें कि फिल्म को दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा।

वामिका गब्बी ने 38 घंटों तक किया काम, दीपिका पादुकोण की मांग पर रखी राय

दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा हाल ही में तब सुर्खियों में आए जब दीपिका ने संदीप रेड्डी वांगा के सेट पर आठ घंटे काम करने की मांग की। कथित तौर पर, फिल्म निर्माता ने उनकी मांगों को खारिज कर दिया। इसके बाद उन्हें फिल्म स्पिरिट से हटना पड़ा। हालांकि, इस मामले ने एक नई बहस को जन्म दिया है। अब इस मामले पर वामिका गब्बी ने भी कुछ कहा है। आइए जानते हैं।

वामिका गब्बी के मुताबिक उन्होंने लगातार 38 घंटे काम किया है। यह तब हुआ जब वह मॉडर्न लव- मुंबई और जुबली की शूटिंग में व्यस्त थीं। हाल ही में भूल चुक माफ में राजकुमार राव के साथ नजर आईं अभिनेत्री ने जूम के साथ बातचीत के दौरान यह बात कबूल की। उन्होंने अपने फिल्म निर्माताओं को बताए बिना 38 घंटे काम किया। उन्होंने कहा मैंने तीन शिफ्टों में 38 घंटे भी काम किया है। मैं इसे खुशी से कर रही हूं क्योंकि यह मेरे करियर की शुरुआत है और मेरे पास इसे करने के लिए पूरी ऊर्जा है। मुझे जो भी मिल रहा है, मैं उसे खुशी-खुशी कर रही हूं। वामिका गब्बी ने दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की शिफ्ट की मांग पर कहा कि उनके सिर पर कोई जिम्मेदारी नहीं है, जिससे वह काम कर पाती हैं। वह अपने करियर के इस पड़ाव पर अपने और अपने प्रियजनों के लिए कमाई करके खुश हैं। उन्होंने कहा मैं इस पड़ाव पर ऐसा कर सकती हूं क्योंकि मैं आजाद हूं और मुझ पर कोई पारिवारिक जिम्मेदारी नहीं है।

वामिका गब्बी ने याद किया कि कैसे कभी-कभी निजी कारणों से शूटिंग रद्द हो जाती है। उन्होंने कहा कुछ सेट मानवीय कहानियां बताते हैं। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब उन्हें बिना वैनिटी वैन के जंगल में शूटिंग करने के लिए कहा गया था और वह सहमत हो गईं क्योंकि इससे उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में तरक्की मिलेगी।

तारा सुतारिया संग नजर आए रैपर एपी ढिल्लों

एपी ढिल्लों एक इंडियन-कैनेडियन सिंगर, रैपर हैं। इस सिंगर के पंजाबी गानों को खूब पसंद किया जाता है। एपी के कॉन्सर्ट में भी फैंस बड़ी संख्या में नजर आते हैं। हाल ही में इसी सिंगर को एक बॉलीवुड एक्ट्रेस के साथ देखा गया। दोनों को जब पैपराजी ने कैमरे में कैद करने की कोशिश की तो ये थोड़ा कॉन्शस हो गए। वायरल वीडियो में एपी ढिल्लों एक्ट्रेस तारा सुतारिया के साथ नजर आ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि दोनों किसी रेस्टोरेंट से बाहर निकल रहे हैं। जब पैपराजी ने तारा और एपी ढिल्लों की तस्वीरें लेनी चाहिए तो दोनों थोड़ा कॉन्शस हो गए। एपी ढिल्लों आगे वीडियो में तारा को कार तक लेकर जाते हैं। वह भी उसी कार में बैठ जाते हैं। तारा सुतारिया और एपी ढिल्लों के बीच इस वीडियो में अलग तरह की केमिस्ट्री दिखी। जिस जगह पर ये दोनों थे, वहां बारिश हो रही थी ऐसे में तारा को एपी ढिल्लों बारिश से बचाते दिखे। इस बात को यूजर्स ने भी गौर किया। यूजर ने भी इस वीडियो को खूब लाइक भी किया है।

तारा सुतारिया का करियर फ्रंट

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से करियर शुरू करने वाली तारा सुतारिया कई हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अगले साल वह 'केजीएफ' स्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी।

आजकल टेलिविजन में लोगों में काफी असंतोष, अच्छी स्क्रिप्ट मिले तो तुरंत हां कह दूंगी

टेलिविजन से लेकर वेब सीरीज और फिल्मों तक में अपनी एक्टिंग का जादू बिखेरती दिव्यांका त्रिपाठी दहिया आज एक ऐसा नाम हैं, जिन्हें दर्शकों ने सिर्फ पसंद ही नहीं किया बल्कि अपने दिल में जगह दी है। एक वक्त था, जब भोपाल की गलियों से निकलकर दूरदर्शन और रेडियो तक पहुंचने वाली इस लड़की ने सपनों की उड़ान भरी और मुंबई की चमक-धमक भरी दुनिया में अपनी सादगी और दमदार अभिनय से खास पहचान बनाई। माता-पिता की सीख और विश्वास को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानने वाली दिव्यांका आज भी कहती हैं, 'अगर पैरंट्स ने मुझे एक्सप्लोर नहीं कराया होता तो शायद मैं खुद को जान नहीं पाती।' हर रिश्ते में भरोसे और फ्रीडम की बात करने वाली दिव्यांका, इंडस्ट्री में महिला-केंद्रित कहानियों की कमी को लेकर थोड़ा उदास हैं।

पैरंट्स ने हर हुनर को निखारने का मौका दिया

मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी में सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम मेरे माता-पिता रहे हैं। अगर वे मेरे हुनर को पहचान नहीं पाते तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंचती। उन्होंने मुझे सिर्फ एक दिशा में ढालने की कोशिश नहीं की बल्कि मुझे अलग-अलग विधाओं से रूबरू कराया। मैंने कुछ साल भरतनाट्यम सीखा, भोपाल के बड़े तालाब में वॉटर स्कीइंग की, लाल परेड ग्राउंड में पुलिस के घोड़ों के साथ हॉर्स राइडिंग की, एनसीसी, माउंटनियरिंग की ट्रेनिंग ली, ड्रॉइंग और स्कैचिंग भी सीखी। हालांकि, माता-पिता ने मेरा रुझान पहचाना और मुझे लगातार प्रोत्साहित किया। मैं सबसे यही कहना चाहती हूं कि बच्चों को सिर्फ वही न सिखाएं जो आपको पसंद है। उन्हें हर चीज आजमाने दें।

हर रिश्ते में फ्रीडम और भरोसा होना जरूरी है

दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, चाहे बात माता-पिता की हो, पति-पत्नी की या दोस्तों और रिश्तेदारों की, हर रिश्ते में स्पेस और फ्रीडम बेहद जरूरी होती है। सामने वाले की इच्छाओं का सम्मान करना और उस पर भरोसा जताना, रिश्ते को मजबूती देता है। अगर कोई उड़ना चाहता है, तो उसे उड़ने दीजिए। बीच में कोई व्यवधान मत डालिए। अगर हर रिश्ते में इस तरह की फ्रीडम होती है तो उड़ना आसान हो जाता है। अगर वो गिर भी जाए तो सपोर्ट सिस्टम एक गद्दे की तरह काम करता है, जो उसे चोट खाने से बचा लेता है। यही रिश्तों की असल ताकत है, प्रोत्साहन और विश्वास।

टीवी ने दिया महिलाओं की ताकत दिखाने का मौका

दिव्यांका बोलीं, पता नहीं क्या वजह है कि फिल्मवाले लड़कियों के लिए ज्यादा फिल्में बनाते नहीं हैं। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला केंद्रित कहानियों की भारी कमी है। मुझे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट पसंद आए हैं, जिनमें महिलाओं की दुनिया और उनकी ताकत को दिखाया गया हो। ये मौका मुझे सबसे ज्यादा टीवी ने दिया। बहुत खुशनसीब हूं कि टीवी का जो पीक था, उस समय थी और जब वो पीक खत्म हुआ, तब तक मैं रही हूं। 2019 में मेरा लास्ट शो था। फिर मैंने वेब सीरीज वगैरह शुरू कीं। हालांकि, तब से लेकर अब तक मैंने ज्यादा प्रोजेक्ट्स नहीं देखे, जो मेरे पास महिलाओं का दमदार किरदार लेकर आए हों। जो बनते भी हैं, वो कुछ खास लोगों तक ही सीमित रह जाते हैं। जब लोग पूछते हैं कि आजकल कुछ क्यों नहीं कर रही हूं तो मैं कहती हूं कि पहले जाकर देखिए, मैंने क्या काम किया है।

आज भी टीवी से उतना ही प्यार करती हूं

दिव्यांका बोलीं, आजकल टेलिविजन में राइटिंग को लेकर लोगों में काफी असंतोष है और यह सही भी है। हां, टीवी काफी हद तक फॉर्म्युला-ड्रिवन हो गया है, लेकिन इसका दोष अकेले टीवी को देना ठीक नहीं। यह ट्रांजिशन का दौर है, जो पूरी इंडस्ट्री को प्रभावित कर रहा है, चाहे वो वेब सीरीज हों या फिल्में। सभी अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। हर कोई बड़ा जोखिम लेने से डर रहा है। हालांकि, यह ईमानदारी से कहना चाहूंगी कि मैं आज भी टीवी से उतना ही प्यार करती हूं, जितना पहले करती थी। अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट या शो मिले तो मैं तुरंत उसके लिए हां कह दूंगी क्योंकि टीवी पर ऐक्टर को बहुत कुछ एक्सप्लोर करने का मौका मिलता।

टेस्ट क्रिकेट में बड़े बदलाव के लिए तैयार आईसीसी, भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को छूट

लंदन (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) 2027-29 के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (WTC) चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड तब भी परंपरागत रूप से चले आ रहे पांच दिवसीय मैच खेल सकते हैं। यहां एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और इससे छोटे देशों को अधिक टेस्ट और लंबी अवधि की श्रृंखलाएं खेलने में मदद मिलेगी। एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में WTC फाइनल के दौरान चर्चा में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 के WTC चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया था।'

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को तब भी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए पांच दिवसीय मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलने की अनुमति होगी। एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी की शुरुआत शुक्रवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट मैच के साथ होगी।'

आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी चार दिवसीय टेस्ट मैच खेला था। रिपोर्ट के अनुसार, 'कई छोटे देश समय और लागत के कारण टेस्ट मैचों की मेजबानी करने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, लेकिन चार दिवसीय टेस्ट मैच शुरू होने से तीन टेस्ट मैचों की पूरी श्रृंखला तीन सप्ताह से भी कम समय में खेली जा सकेगी।'

इसमें कहा गया है, 'समय को बर्बाद करने से बचने के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों में खेल के समय को 90 ओवर प्रतिदिन से बढ़ाकर न्यूनतम 98 ओवर कर दिया गया है।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक फाइनल में विश्व चैंपियन बनने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के नीरस कार्यक्रम ने इस मुद्दे को और उजागर किया और इसके बाद बदलाव की जरूरत महसूस की गई।' हालांकि 2025-27 की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पांच दिवसीय मैचों के मौजूदा प्रारूप के तहत ही खेली जाएगी।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स प्रमोशन मामले में हरभजन, सहित इन तीन क्रिकेटरों पर ईडी ने शिकंजा कसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह , हरभजन सिंह और सुरेश रैना के लिए अवैध सट्टेबाजी ऐप्स का प्रमोशन करना महंगा पड़ सकता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इन अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच तेज कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस जांच में क्रिकेटरों के अलावा अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और अभिनेता सोनू सूद से भी पूछताछ की जा रही है। यह जांच एक प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़ी है। ईडी का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म भ्रामक विज्ञापन और गलत तरीकों से लोगों से पैसा ऐंठ रहा है।

जांच में पता चला है कि ये प्लेटफॉर्म गलत तरीक का इस्तेमाल कर विज्ञापन करते हैं। ये वेब लिंक और क्यू आर कोड के जरिए यूजर्स को असली अवैध सट्टेबाजी साइटों पर भेजते हैं। ईडी के अनुसार, यह भारतीय कानूनों का उल्लंघन है। वहीं ये ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म खुद को स्किल-आधारित गेम बताते हैं पर ये असल में धोखेबाजी के लिए रिग्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, ये जुए के दायरे में आते हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार इस प्रकार के प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म सेलिब्रिटीज का सहारा लेकर लोगों को गुमराह करते हैं।

शुरुआती जांच में कई कानूनों सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम धन शोधन निवारण अधिनियम के उल्लंघन की बात सामने आयी है। रिपोर्ट के अनुसार, हरभजन सिंह और सुरेश रैना और उर्वशी रौतेला व सोनू सूद के प्रतिनिधियों ने अब तक इसपर कोई जवाब नहीं दिया है। जांच में यह भी पता चला है कि इन विज्ञापन अभियानों को चलाने के लिए विभिन्न कंपनियों को 50 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध सट्टेबाजी ऐप का कारोबार लगातार बढ़ते हुए 100 अरब डॉलर से अधिक का हो गया है।

एक मैच में तीन सुपर ओवर, नीदरलैंड ने नेपाल को हराकर नया रिकॉर्ड बनाया

ग्लासगो (एजेंसी)। नीदरलैंड ने यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला के मैच में नेपाल को तीसरे सुपर ओवर में हरा कर नया रिकॉर्ड बनाया। टी20 या लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास में यह पहला अवसर है जबकि किसी मैच का परिणाम तीसरे सुपर ओवर में निकला। माइकल लेविट ने सोमवार की रात को खेले गए इस मैच में तीसरे सुपर ओवर में छक्का लगाकर आखिर में नीदरलैंड को जीत दिलाई।

नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाए। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी क्योंकि नेपाल को आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे। नेपाल के निचले क्रम के बल्लेबाज नंदन यादव ने हालांकि अंतिम ओवर में दो चौके लगाए। उन्होंने आखिरी गेंद पर भी चौका लगाया जिससे नेपाल आठ विकेट पर 152 रन बनाकर स्कोर बराबर करने में सफल रहा। कुशाल भुर्टेल ने 18 रन बनाकर नेपाल को पहले सुपर ओवर में 19 रन तक पहुंचाया लेकिन नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडॉव ने पांचवीं और छठी गेंद पर क्रमशः छक्का और चौका लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। नीदरलैंड ने दूसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी की और 17 रन बनाए। लेकिन नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने काइल क्लेन की आखिरी गेंद को छक्के के लिए भेज कर मैच को नए मोड़ पर खड़ा कर दिया। नेपाल तीसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए एक भी रन नहीं बना पाया। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर जैक लायन कैशेट ने चार गेंदों में बिना कोई रन दिए दो विकेट लेकर नेपाल का ओवर जल्दी समाप्त कर दिया। नीदरलैंड को इस तरह से मैच जीतने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी, ऐसे में लेविट ने संदीप लामिछाने के ओवर की पहली गेंद पर छक्का जड़कर मैच का शानदार अंत किया। मेजबान स्कॉटलैंड टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला की तीसरी टीम है।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाए जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं।

उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली

दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।

मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी। भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

वैभव को अभी भारतीय टीम में जगह के लिए करना होगा इंतजारः वेंकटपति राजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और दूसरा सबसे तेज शतक लगाकर क्रिकेट जगह में अपनी अलग पहचान बनाने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से की जाने लगी है। ये भी कहा जा रहा है कि जो काम सचिन ने 16 से 17 में किया। वहीं वैभव 14-15 साल में कर लेना चाहते हैं। ऐसे में अब क्रिकेट प्रशंसक चाहते हैं कि वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले। वहीं इसी को लेकर पूर्व स्पिनर और चयनकर्ता वेंकटपति राजू का कहना है कि इस क्रिकेटर को अभी टीम इंडिया में प्रवेश के लिए इंतजार करना होगा। साथ ही कहा कि उनकी सचिन से तुलना नहीं की जा सकती है। वैभव अभी इंडिया अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए हुए हैं। महज 14 की उम्र में उन्होंने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान किया है। आईपीएल में 35 गेंदों पर शतक के बाद वैभव ने इंडिया अंडर-19 के अभ्यास मैच में भी 90 गेंद में 190 रन की पारी खेलकर सभी को हैरान कर दिया था।

राजू ने कहा कि वैभव को भारतीय टीम की जर्सी में देखने के लिए हमें अभी और इंतजार करने की जरूरत है। इस स्पिनर ने कहा, 'हां, वह अभी काफी समय लेगा। उसे अंडर-19 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बीच में घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने होंगे। 4 दिन के मैच में अच्छा करना होगा। हम उसे समय दे सकते हैं। उसमें प्रतिभा है, यह हम पहले ही देख चुके हैं पर सचिन से तुलना को वह ठीक नहीं मानते। उन्होंने भारत के लिए खेलने से पहले सचिन तेंदुलकर के घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन का खास तौर पर जिक्र किया।

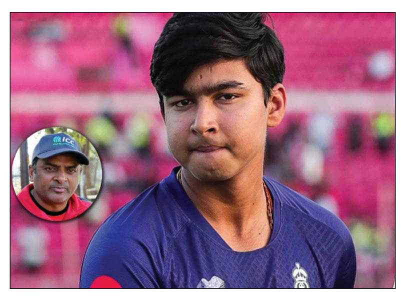

राजू ने कहा, यह निरंतरता पर निर्भर करता है। सचिन ने रणजी ट्रॉफी के डेब्यू मैच में शतक लगाया था। इसके बाद दलीप ट्रॉफी के डेब्यू मैच में शतक लगाय। शेष भारत के लिए शतक बना। वहीं ईरानी ट्रॉफी 1989 के अपने पहले मैच में भी सचिन ने शतक लगाया था।

तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में शामिल

लंदन।तेज गेंदबाज हर्षित राणा को एक बदलाव के तहत ही इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरु आगामी टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।हर्षित राणा ने इंडिया ए की और से अच्छा प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें टीम के

साथ रुकने के लिए कहा गया था। तभी से संकेत मिलने लगे थे कि हर्षित को टीम में जगह मिलेगी।एक रिपोर्ट के अनुसा हर्षित भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं।सीरीज का पहला मैच 20 जून को लीड्स में शुरू होगा।माना जाता है कि लीड्स की पिच से स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है, जिसके कारण भारतीय टीम पांच गेंदबाजी विकल्प के साथ उतर सकती है,ऐसे में हर्षित को अंतिम ग्यारह में भी जगह मिल सकती है।भारतीय टीम में तेज गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह, प्रसिद कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और अर्शदीप शामिल हैं पर बुमराह तीन ही मैच खेल सकेंगे और शायद इसी कारण हर्षित को विकल्प के रूप में टीम में जोड़ा गया है।वह मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों में भी शामिल हैं। राणा ने हाल ही में इंडिया ए की ओर से पहले अनाधिकृत टेस्ट में 27 ओवर गेंदबाजी की थी और एक विकेट लिया था।

भारतीय टीम इस प्रकार है - शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद।सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

रोहित और विराट की कप्तानी में खेलने से काफी कुछ सीखने को मिला : शुभमन

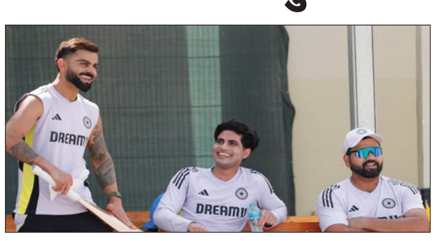

लंदन।इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का कहना है कि उनके पास रोहित शर्मा और विराट कोहली की कप्तानी में खेलने का अनुभव है और इससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है जिसका लाभ उन्हें सीरीज में मिलेगा।शुभमन ने कहा कि कैसे रोहित मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों को जो कुछ भी कहते थे कोई नाराज नहीं होता था।वही कोहली के पास हमेशा एक बैकअप विकल्प हुआ करता था।शुभमन के अनुसार कोहली कप्तान के तौर पर मैदान में हमेशा आक्रामक रहते थे।गेंदबाजों की सहायता के लिए उनके पास हमेशा योजना होती थी।शुभमन ने कहा, 'जब मैं विराट की कप्तानी में खेलता था तो टेस्ट मैच के दौरान मैदान में उनके आक्रामक रुख और विचारों को सोच को पसंद करता था और उसने सीखता था।वहीं अगर उन्हें लगता था कि यह ठीक है, यह योजना काम नहीं कर रही तो वह तुरंत एक दूसरी योजना रखते थे, गेंदबाजों को बताते थे कि वह उनसे क्या चाहते हैं।' वहीं रोहित की कप्तानी पर शुभकन ने कहा कि आप को ऐसा लग सकता है कि वह मैदान में आक्रामक नहीं दिखते पर जब रणनीति की बात हो तो वह बहुत ही ज्यादा आक्रामक थे।साथ ही कहा, देखने में यह लग सकता है कि रोहित शांत हैं लेकिन वह अपनी रणनीतियों को लेकर बहुत ही आक्रामक हो सकते हैं। वह बहुत ही आक्रामक कप्तान हैं।वह मैच से पहले, सीरीज के दौरान और यहां तक कि सीरीज के बाद भी साफ–साफ बता देते थे कि वह खिलाड़ियों से क्या चाहते हैं।

बीसीसीआई मुझे टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, मैंने इनकार कर दिया, जसप्रीत बुमराह ने पुष्टि की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद भारत की टेस्ट कप्तानी जसप्रीत बुमराह को मिलने की खबरें थी। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है। क्या इस बारे में बुमराह से पूछा गया, इस बारे में अटकलें लगाई जा रही थी और अब इस पर खुद बुमराह ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि बीसीसीआई उन्हें टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में जसप्रीत बुमराह ने बताया कि वह टेस्ट कप्तान क्यों नहीं बने। पीठ की बार-बार चोट लगने के कारण बुमराह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल सकते हैं। वह इंग्लैंड में केवल तीन मैच ही खेल पाए थे। इसलिए उन्होंने इस दौड़ से बाहर होने का फैसला किया ताकि टीम इंडिया को नुकसान न हो।

सप्रीत बुमराह ने एक इंटरव्यू में दिनेश कार्तिक को बताया, इसमें कोई आकर्षक कहानी नहीं है, कोई विवाद नहीं है या कोई हेडलाइनिंग बयान नहीं है, या मुझे बर्खास्त कर दिया गया या मेरी देखभाल नहीं की गई। आईपीएल के दौरान रोहित और विराट के रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने कार्यभार के बारे में बात की थी। मैंने बीसीसीआई को फोन किया और उनसे कहा कि मैं नेतृत्व की भूमिका में नहीं देखा जाना चाहता।'

बुमराह ने कहा, 'मैंने उन लोगों से बात की थी जिन्होंने मेरी पीठ (चोट) का इलाज किया था, जिसमें सर्जन भी शामिल थी। उन्होंने हमेशा मुझे बताया था कि मुझे कार्यभार के बारे में कितना होशियार रहना है। इसलिए, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा होशियार होना होगा। मैं सभी टेस्ट मैच नहीं खेल पाऊंगा। फिर बीसीसीआई मुझे नेतृत्व की भूमिका के लिए देख रहा था। लेकिन मैंने कहा कि यह टीम के लिए उचित नहीं है। आप पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए एक कप्तान और तीन या दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अलग कप्तान नहीं रख सकते।'

आईसीसी के खिताबी मुकाबलों में अब तक चार बार हारी है ऑस्ट्रेलिया

मुम्बई।अब तक सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी चार बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम आईपीसी टूर्नामेंट में खेलते समय बेहद जुनूनी और आक्रामक हो जाती है जो उसकी सफलता का राज माना जाता है।इसी कारण उसे अन्य टीमों से काफी अधिक सफलता मिली है।ऑस्ट्रेलिया के पास आईसीसी की सबसे ज्यादा ट्रॉफी हैं क्योंकि उसने सबसे अधिक फाइनल खेले हैं हालांकि इसके बाद भी उसे इस बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में कमजोर समझी जाने वाली दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा।इससे पहले तीन बार और ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी इवेंट के फाइनल में हारी झेलनी पड़ी है।ऑस्ट्रेलिया की टीम सबसे पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट के पहले फाइनल में 1975 में वेस्टइंडीज से हारी थी।ये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का पहला एकदिवसीय विश्वकप था।हालांकि, ऑस्ट्रेलिया एकमात्र टीम है, जिसने इन 50 सालों में सबसे ज्यादा फाइनल खेले हैं और उसे कुछ में ही हार का सामना करना पड़ा है।सबसे ज्यादा फाइनल जीते हैं, लेकिन सबसे कम फाइनल हारे हैं।साल 1975 के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी बार आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप फाइनल 1996 में श्रीलंका से हारी थी।ये दूसरा अवसर था, जब ऑस्ट्रेलिया को किसी मेगा इवेंट के खिताबी मैच में करारी हार मिली थी।इसके बाद 2010 तक कंगारु टीम कोई भी फाइनल नहीं हारी।इस दौरान कई आईसीसी इवेंट वह जीती।साल 2010 में तीसरी बार आईसीसी इवेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम हारी।ये टी20 विश्वकप फाइनल इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था।इस प्रकार उसे तीसरी बार फाइनल में हार मिली।है, जो डब्ल्यूटीसी 2025 का फाइनल था।ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कुल 10 आईसीसी इवेंट जीते हैं, जबकि भारतीय टीम ने 7 ट्रॉफी जीती हैं।ऑस्ट्रेलिया ने 6 एकदिवसीय विश्वकप, दो चैंपियंस ट्रॉफी और एक–एक टी20 विश्व कप और टेस्ट चैंपियनशिप जीती हैं।

5वां केयर्न्स कप शतरंज : हंपी नें हरिका को हराया , बनाई एकल बढ़त

सेंट लुइस।यूएसए में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप केछठे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच मुक़ाबला हुआ , क्यूंकी दोनों सयुंक्त बढ़त पर चल रही थी यह मुक़ाबला बेहद महत्वपूर्ण था और ऐसे में देश की नंबर एक खिलाड़ी और कोनेरु हम्पी का पडला देश की नंबर 2 खिलाड़ी हरिका पर भारी रहा और लगातार प्रतियोगिता में अपनी तीसरी जीत दर्ज करते हुए कोनेरु हम्पी नें 6 राउंड के बाद 4.5 अंक बनाकर एकल बढ़त कायम कर ली है ।इस जीत के साथ ही हम्पी विश्व रैंकिंग में 2554 अंको पर पहुँच गयी है एक और जीत उन्हे विश्व नंबर 3 पर फिर से पहुंचा देगी फिलहाल वह चीन की लेई टिंगजे से ठीक पीछे चौंथे स्थान पर है । दोनों के बीच केटालन ओपनिंग में हुए इस मुक़ाबले में हम्पी नें शानदार मध्य खेल और एंडगेम का प्रदर्शन किया और 76 चालों तक चले मुक़ाबले में पहले हाथी और फिर अपने वजीर के शानदार खेल से जीत दर्ज की ।खैर यह दिन सिर्फ इसी मुक़ाबले के लिए परिणाम लाने वाला नहीं रहा , इस राउंड में खेले गए हर मुक़ाबले में परिणाम जीत और हार के तौर पर ही आया जिसनें टूर्नामेंट में एक नई जान फूँक दी है ।अन्य परिणामों में यूएसए की यिप करिसा नें चीन की तान ज़्होंगाई को पराजित किया तो कज़ाकिस्तान की असुबाएवा बीबीसारा नें यूएसए की ली ऐलिस को मात दी , पोलैंड की अलिना काशलिन्सक्या नें उक्रेन की मारिया मुजयचूक को मात दी जबकि जॉर्जिया की नाना दगनिडजे नें हमवतन नीनों बताश्विली को पराजित किया ।राउंड 6 के बाद हम्पी 4.5 , अलिना 4 , हरिका , यिप और ऐलिस 3.5 , बीबीसारा 3, नाना 2.5 , मारिया और तान 2 जबकि नीनों 1.5 अंक बनाकर खेल रही है ।

डबल्यूआर चैस ने जीता फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता

लंदन (एजेंसी)। फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2025 के फाइनल मुकाबले में ड्ब्रूचेस टीम ने कज़चेस को दोनों मैचों में 4-2 से हराकर विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब दूसरी बार अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने 2024 में कजाकिस्तान में यह खिताब जीता था।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में 53 टीमों में से शीर्ष 16 टीमों ने जगह बनाई थी, जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। हर मुकाबले में टीमों के बीच कम से कम दो मैच हुए, और बराबरी की स्थिति में प्लेऑफ मुकाबले भी कराए गए।

फाइनल मुकाबले में चमके डबल्यूआर के सितारे

डबल्यूआर चेस ने दोनों फाइनल मैचों में 4-2 से जीत दर्ज की। अलीरेज़ा फिरोजा, हिकारु नाकामुरा और मैक्सिम वाचिए-लाग्रेव ने निर्णायक जीत दर्ज कर टीम को खिताबी जीत दिलाई।

टीम को बिग बेन और शतरंज मोहरे के मिश्रण से प्रेरित ट्रॉफी के साथ ₹75,000 की पुरस्कार राशि भी मिली।

तीसरा स्थान हेक्सामाइंड को

भारतीय सितारों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख से सजी हेक्सामाइंड चेस क्लब ने उज्बेकिस्तान की टीम को दोनों मैचों में 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं रैपिड विजेता भारत की एमजीडी 1 ने फ्रीडम टीम को हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। समापन समारोह में विश्व रैपिड टीम विजेता भारत की एमजीडी1 को भी विश्व विजेता की ट्रॉफी दी गयी।

समापन समारोह में आनंद का संबोधन

समापन समारोह में फीडे के उपाध्यक्ष और पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने सभी 53 टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा, ÷विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम जैसे टूर्नामेंट और वर्ल्ड कॉर्पोरेट चैम्पियनशिप जैसी पहलें इस खेल को दुनिया से जोड़ने का माध्यम बन रही हैं, और फीडे भविष्य में ऐसे और आयोजनों को लेकर प्रतिबद्ध है।÷

एकदिवसीय विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कह देगीं सोफी डिवाइन

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि आगामी महिला विश्व कप क्रिकेट के बाद वह एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी हालांकि वह टी20 क्रिकेट खेलती रहेंगी।एकदिवसीय विश्वकप इस साल के अंत में भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेला जाएगा। आयोजित किया जाएगा। अपने 19 साल के शानदार करियर के दौरान डिवाइन महिला क्रिकेट में सबसे अच्छे ऑलराउंडरों में से एक मानी जाती हैं। साल 2006 में 17 साल की उम्र में डिवाइन ने न्यूजीलैंड की महिला टीम के लिए एकदिवसीय में डेब्यू किया था। वह सबसे अधिक एकदिवीसय खेलने के मामले में सूजी बेट्स के बाद दूसरे स्थान पर हैं।एकदिवसीय प्रारूप में उनके नाम 3990 रन हैं और वह सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथी खिलाड़ी हैं। उन्हें डेबी हॉकले के 4000 रन के रिकार्ड को तोड़ने की उम्मीद है। डिवाइन के नाम 107 विकेट हैं और वह न्यूजीलैंड की ओर से सबसे अधिक एकदिवसीय विकेट लेने वालों में दूसरे स्थान पर हैं।वह 2020 में कप्तान बनीं और उनकी कप्तानी में टीम साल 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतने के साथ ही पहली बार आईसीसी महिला टीम 20 विश्व कप जीतने में सफल रही